

Click On Logo To Join The Group

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

# पूर्णाबंदी 4.0 ढील : दिल्ली सीमा पर चींटी की तरह रेंगे वाहन

जनसत्ता सवाददाता नई दिल्ली, 19 मई।

दिल्ली सरकार द्वारा सार्वजनिक परिवहन सेवा शुरू होने के पहले दिन, मंगलवार को, फरीदाबाद- बदरपुर सीमा पर जाम जैसी स्थिति बनी। इसके साथ ही कुछ स्थानों, विशेषकर शहर की सीमाओं पर भारी यातायात भी देखने को मिला। दिल्ली सरकार से मिली छूट के बाद सभी इलाके में वाहनों की संख्या में भारी वृद्धि देखने को मिली।

मंगलवार सुबह नोएडा की सीमा पर पुलिस वाहन चालकों से पास मांग रही थी, जिसके कारण वहां वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ट्वीट कर नोएडा जाने वाले यात्रियों को चेतावनी भी दी कि यदि उनके पास संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवाजाही पास हों तभी वे यात्रा करें।

उन्होंने ट्वीट किया, 'उत्तर प्रदेश पुलिस केवल नोएडा के डीएम द्वारा जारी आवाजाही पास के साथ ही बाकी पेज 8 पर

नई दिल्ली, 19 मई (ब्यूरो)।

यूपी में निषिद्ध क्षेत्रों से आने पर रोक

पूर्णबंदी की लंबी अवधि में उत्तर प्रदेश सरकार ने लोगों

को कछ राहत दी है। निजी वाहनों को चलने की अनमति दी

गई है। नोएडा/गाजियाबाद के एनसीआर क्षेत्र में दिल्ली से

आने वाले हॉटस्पॉट इलाकों के व्यक्तियों पर रोक है। प्रिंटिंग



नई दिल्ली, 19 मई (ब्यूरो)।

उत्तराखंड में सरकार ने व्यापारियों

और व्यवसायिक वाहन चालकों को राहत

दे दी है। शाम चार बजे तक सभी बाजार

खल रहे हैं और राज्य के सात प्रमख शहरों

मनुष्यता की मौत सूनी सड़कों पर दम तोड़ते ये कौन लोग हैं? ये देश के नागरिक हैं, रवर्तत्र इंसान या उत्पादन का साधन भर यानी बंधुआ मजदूर? कारखाने का इंजन चलाते, सड़क, बहुमंजिला इमारत बनाने के बाद इनकी क्या उपयोगिता थी? अगर कभी ये सड़क पर अपनी मांग को लेकर आते थे तो हम इन्हें नुकसान के रूप में ही देखने के आदी थे। लेकिन जब सब कुछ बंद हो गया तो किसी ने भी इनके नुकसान के बारे में नहीं सोचा।



संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच पूर्णबंदी 4.0 में कुछ रियायतें मिलने के बाद देश में जिंदगी पटरी पर लौटती दिख रही है। विभिन्न राज्यों ने अपने यहां औद्योगिक

### पंजाब में आज से चलेंगी बसें

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 19 मई।

उत्तराखंड में व्यवसायिक वाहनों को मंजूरी

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 19 मई।

पंजाब में सरकारी व निजी बसें बुधवार से चलेंगी। अंतरराज्यीय बस सेवा पर 31 मई के बाद निर्णय होगा। बसों में क्षमता से आधे यात्री ही बाकी पेज 8 पर

आधार पर चलाया जा रहा है। राज्य में सभी सरकारी, अर्धसरकारी और

निजी दफ्तर सुबह दस बजे से चार

बजे तक खोले गए। हरित क्षेत्र के

जिलों में 33 फीसदी कर्मचारियों को

जिलों में 50 और नारंगी क्षेत्र के

बाकी पेज 8 पर

### बंगाल में सैलून और पार्लर खुले

नई दिल्ली, 19 मई ( ब्यूरो)।

समेत कई दुकानों को खोल दिया गया है। पूर्णबंदी के नियमों का पालन करने की शर्त रखी गई है। राज्य सरकार ने एक दिन के अंतराल बाकी पेज 8 पर

#### महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों में औद्योगिक इकाइयों में गहमा-गहमी दिखने लगी है। सडकों पर वाहन बाकी पेज 8 पर

हरियाणा में ऑटो कंपनियों ने

उत्पादन शुरू किया

उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान,

गतिविधियां, वाहन चलाने और बाजार

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड,

खोलने की शुरुआत कर दी है।

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 19 मई।

राज्यों में पटरी पर लौटी जिंदगी

हरियाणा के मानेसर में मारुति से लेकर हीरो समूह ने उत्पादन शुरू कर दिया है। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने गुरुग्राम स्थित खेड़की दौला में अपने उत्पादन संयंत्र को दोबारा शुरू कर दिया बाकी पेज 8 पर

पश्चिम बंगाल में सैलून और पार्लर

# घर लौट रहे 17 मजदूरों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत

मुंबई/ भागलपुर/महोबा, 19 मई जनसंता /भाषा

देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवासी मजदूर सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं। कहीं उन्हें ले जा रहे वाहन पलटने से हादसे हो रहे हैं, तो कहीं वाहनों की टक्कर में मजदूरों की मौत हो रही है। महाराष्ट्र के यवतमाल, बिहार के नवगछिया खरीक और उत्तर प्रदेश के झांसी-मिर्जापुर राजमार्ग पर हुई तीन दुर्घटनाओं में मंगलवार को 17 मजदूरों की मौत हो गई जबकि कई

महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में प्रवासी मजदूरों को ले जा रही एक बस के मंगलवार तड़के सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकराने पर चार प्रवासी मजूदरों

अन्य मजदूर घायल हो गए।

तथा बस चालक की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। घायलों में 17 की हालत गंभीर है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नूरुल हासन ने बताया कि घटना कोलवन गांव में तड़के साढ़े तीन बजे हुई, जब बस सोलापुर से नागुपर रेलवे स्टेशन जा रही थी। प्रवासी मजदूरों को स्टेशन से झारखंड जाने वाली श्रमिक विशेष ट्रेन पकड़नी थी। उन्होंने बताया कि बस चालक के वाहन पर से संतुलन खोने के बाद वाहन सड़क पर खड़े एक ट्रक से

मंगलवार को बिहार के नवगिछया खरीक के नजदीक बस और ट्रक की टक्कर में नौ मजदूरों की मौत हो गई। ट्रक के नीचे दबे सभी के शव बड़ी मशक्कत के बाद निकाले जा सके। यह जानकारी नवगछिया के एसडीओ मुकेश कुमार ने दी।

एसडीओ के मुताबिक यह हादसा मंगलवार सुबह तकरीबन छह बजे का है। बस दरभंगा से बांका जा रही थी। इस पर करीब 35 मजदूर सवार थे। सभी बंगलुरु से श्रमिक

सड़क हादसों का विशेष ट्रेन से दरभंगा लाए गए थे। और शिकार हो रहे वहां से बस के जरिए बांका भेजे जा रहे थे। मगर तेज रफ्तार से अनियंत्रित हुए टुक और बस की टक्कर में टुक पर सवार नौ मजदुरों की दबने से मौके पर

> ही मौतें हो गई। थाना खरीक के सब इंस्पेक्टर श्यामानंद मिश्रा के मुताबिक ये सभी बिहार के पश्चिम चंपारण के हैं।

तीसरी दुर्घटना उत्तर प्रदेश में घटी। महोबा जिले में झांसी-मिर्जापुर राजमार्ग पर सोमवार देर रात प्रवासी मजदूरों को ले जा रहा एक डीसीएम ट्रक (ट्रक से छोटा वाहन) पलटने से उसमें सवार तीन महिलाओं की मौत हो गई और 17 बाकी पेज 8 पर मजदुर घायल हो

# दिल्ली और मुंबई में जुटे सेकड़ों प्रवासी मजदूर

जनसत्ता संवाददाता/भाषा नई दिल्लीय/मुंबई, 19 मई।

दिल्ली-उत्तर प्रदेश की सीमा गाजीपुर और मंबई के बांद्रा टर्मिनस पर मंगलवार को शहर से पलायन कर रहे प्रवासी मजदरों का हजम उमड पडा। कोरोना संकट की वजह से बने हालात के चलते प्रवासी लोगों का पलायन लगातार जारी है। बांद्रा में श्रमिक स्पेशल ट्रेन के रवाना होने से पहले सैंकडों प्रवासी श्रमिक वहां एक संपर्क मार्ग पर पहुंच गए जिससे कुछ देर के लिए पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दूसरी ओर बसों को लेकर उत्तरप्रदेश की सरकार और कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी के बीच खींचतान का प्रभाव दिल्ली-उत्तरप्रदेश की सीमा गाजीपुर बार्डर पर भी दिखा।

मंगलवार को भी भारी संख्या में प्रवासी मजदूर गाजीपूर बार्डर इस उम्मीद में पहुंच गए कि उन्हें उत्तर प्रदेश जाने वाली बस मिल जाएगी। दिन चढ़ने के साथ लोग सामान लेकर यहां पहंचने लगे। भीड़ बढ़ने लगी तो पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त जसमीत सिंह सदल बल पहुंचे और बस के इंतजार में खड़े और चल रहे लोगों से कहा कि आनंद विहार बस अड्डे से कोई भी बस उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लिए



मंगलवार को भी भारी संख्या में प्रवासी मजदूर गाजीपुर बार्डर इस उम्मीद में पहुंच गए कि उन्हें उत्तर प्रदेश जाने वाली बस मिल जाएगी। दिन चढ़ने के साथ लोग सामान लेकर यहां पहुंचने लगे।

नहीं जा रही है। उन्होंने कहा कि हम लोगों से अपील करते हैं कि वे यहां बस अड्डे पर इकट्टा न हों। वे जहां से आए हैं वहीं सकुशल वापस चले जाएं। पुलिस की सख्ती के बाद मजदुरों का हजूम आनंद विहार से सटे कौशाम्बी बस अड्डे की ओर जमा हो गए जहां गाजियाबाद की पुलिस ने भी उन्हें समझा बुझाकर अपने ठिकाने पर जाने की

रविवार को भी इसी जगह पर भारी संख्या में मजदूर पहुंचे तब कहा गया था कि दिल्ली कांग्रेस बाकी पेज 8 पर अध्यक्ष अनिल

### प्रेस व ड्राई क्लीनर्स बाकी पेज 8 पर में व्यावसायिक वाहनों को सम-विषम लद्दाख व उत्तर सिक्किम सीमा पर भारत और

चीन ने तैनाती बढ़ाई

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)। भारत और चीन के बीच गैर चिह्नित सीमा पर

उत्तर सिक्किम और लद्दाख के पास कई इलाकों में तनाव बढ़ता जा रहा है और दोनों पक्ष वहां अतिरिक्त बलों की तैनाती कर रहे हैं। दोनों पक्ष के बीच इन इलाकों में कुछ दिनों पहले दो बार हिंसक झड़प हो चुकी है। आधिकारिक सुत्रों ने मंगलवार को बताया कि भारत और चीन दोनों ने डेमचक, दौलत बेग ओल्डी, गलवान नदी और लद्दाख में पैंगोंग सो झील के पास संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की है। गलवान के आसपास के इलाके दोनों पक्षों के बीच छह दशक से अधिक समय से संघर्ष का कारण बने हुए हैं। 1962 में भी इस इलाके को लेकर टकराव हुआ था।

सत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों ने गलवान नदी और पैंगोंग सो झील के आसपास अपने सैनिकों की तैनाती की है। इन इलाकों में दोनों पक्षों की ओर से सीमा गश्ती होती है। पता चला है कि चीन ने गलवान घाटी इलाके में काफी संख्या में तंब गाड़े हैं जिसके बाद भारत वहां कड़ी नजर बनाए हए है। पैंगोंग सो लेक इलाके में पांच मई को भारत और चीन के करीब 250 सैनिकों के बीच लोहे की छड़ों, डंडों से लड़ाई हुई और पथराव भी हुआ जिसमें दोनों पक्षों के सैनिक घायल हुए थे। एक अन्य घटना में सिक्किम के नाकू ला दर्रा क्षेत्र में नौ मई को भारत और चीन के करीब 150 सैनिक आमने-सामने हो गए। सुत्रों के मुताबिक घटना में दोनों पक्ष के करीब दस सैनिक जख्मी हुए थे। दोनों सेनाओं के बीच तनाव पर न तो सेना, न ही विदेश मंत्रालय ने कोई टिप्पणी की है।



कालापानी पर दावा

उत्तराखंड में धारचूला को लिपुलेख दर्रे के साथ जोड़ने वाली सामरिक रूप से महत्त्वपूर्ण सड़क पर निर्माण को लेकर नेपाल और भारत के बीच बढ़ते सीमा विवाद के बीच दोनों पक्षों के बीच तनातनी की खबर आई है।

लिपुलेख दर्रा कालापानी के पास स्थित है जो नेपाल और भारत के बीच विवादित सीमावर्ती क्षेत्र है। भारत और नेपाल दोनों कालापानी पर अपना

दावा करते हैं।

विदेश मंत्रालय ने तनातनी पर पिछले हफ्ते कहा था कि चीन के साथ सीमा पर वह शांति और धैर्य बनाए रखने का पक्षधर है और कहा कि सीमा के बारे में अगर साझा विचार होता तो इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता था। यह पता चला है कि उत्तर सिक्किम के कई इलाकों में अतिरिक्त सैनिकों को भेजा गया है।

चीन के सरकारी मीडिया ने सोमवार को खबर दी थी कि अक्साई चिन क्षेत्र की गलवान घाटी में चीन के बाकी पेज 8 पर

सड़कों पर फंसे मजदूरों को उनके घर पहुंचाने के लिए

उत्तर प्रदेश सरकार और विपक्षी दल कांग्रेस मिलकर बसों की

व्यवस्था में जुटे हैं, मगर इन बसों के चक्के तले राजनीति आ

गई है। जहां कांग्रेस सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह

प्रवासी मजदुरों की मदद नहीं करना चाहती, वहीं सरकार का

आरोप है कि कांग्रेस द्वारा प्रवासियों को घर पहुंचाने के लिए

सौंपी गई 1000 बसों की सूची में कई दो पहिया और कार जैसे

वाहनों के पंजीकरण नंबर हैं। उसने इसे कांग्रेस का 'बस

घोटाला' करार दिया है। इस बीच, कांग्रेस महासचिव प्रियंका

गांधी वाड़ा के निजी सचिव संदीप सिंह, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष

तथा अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज

किया गया है। सरकारी प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

लखनऊ, 19 मई (भाषा)।

## अर्णब का मामला सीबीआइ को सौंपने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

बलाया

रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्णब गोस्वामी को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से उस समय आंशिक राहत मिली जब शीर्ष अदालत ने पालघर में दो साधुओं सहित तीन व्यक्तियों की भीड द्वारा पीट-पीट कर हत्या की घटना से संबंधित कार्यक्रम के सिलसिले में नागपुर में दर्ज प्राथमिकी के अलावा शेष सभी मामले रद्द कर दिए लेकिन इसकी जांच सीबीआइ को सौंपने से उसने इनकार कर दिया। नागपुर में दर्ज प्राथमिकी मुंबई स्थानांतरित कर दी गई थी जिसकी जांच मुंबई पुलिस कर रही है।

न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचड और न्यायमूर्ति



एमआर शाह के पीठ ने अपने 56 पेज के फैसले में कहा कि यह प्राथमिकी निरस्त कराने के लिए अर्णब गोस्वामी को सक्षम अदालत के पास जाना होगा। हालांकि, पीठ ने अर्णब गोस्वामी को किसी भी प्रकार की बाकी पेज 8 पर

# श्रीनगर में मार गिराए गए हिज्बुल के दो आतंकवादी

एक अलगाववादी

संगठन तहरीक-ए-

हरियत के अध्यक्ष

का बेटा।

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 19 मई।

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के नवाकदल इलाके में सरक्षा

बलों ने 15 घंटे तक चली मुठभेड़ में हिज्बुल के मुजाहिदीन आतंकवादियों को गया। सीआइपीएफ और राज्य पुलिस के एक-एक कर्मी घायल हुए हैं।

मारे गए एक आतंकवादी की शिनाख्त अलगाववादी संगठन तहरीक-ए- हुर्रियत

के अध्यक्ष अशरफ सहराई के बेटे जूनय सहराई के तौर पर हुई है। वह हिज्बूल का शीर्ष कमांडर था।

दुसरे आतंकी की पहचान तारीक अहमद शेख के तौर पर की गई है, जो पुलवामा का रहने मारे गए आतंकियों में वाला था। वह मार्च में दहशतगर्दी में शामिल हुआ

> अधिकारियों मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान कुछ घरों में आग लग गई

> > बस विवाद

थी। यह मुठभेड़ दोपहर में खत्म हुई। इसके बाद आग लगने के कारण गुस्साए निवासी बाकी पेज 8 पर

### देश में संक्रमण के मामले 1,05,498 हुए

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 19 मई।

हुई थी, के

सभी

देश में कोरोना विषाणु संक्रमण के मामले मंगलवार रात 1,05,498 तक पहुंच गए। मंगलवार सुबह केंद्रीय

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकडों के 14 घंटे बाद संक्रमण के मामलों में 4,359 बढ़ोतरी हो गई। राज्यों के स्वास्थ्य विभागों से आंकड़े जमा करके एक समाचार एजंसी ने रात दस

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के मृताबिक देश में कोरोना विषाणु संक्रमण के मामलों में चौबीस घंटे के दौरान बाकी पेज 8 पर 4,970 वृद्धि हुई। इस



### डब्लूएचओं के कार्यकारी बोर्ड चेयरमैन के लिए हर्षवर्धन नामित

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 19 मई।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लएचओ) कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन के लिए नामित किए गए

मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार डब्लूएचओ के कार्यकारी बोर्ड की

बैठक में उनका इस पद पर आसीन होना तय माना जा रहा है। 34 सदस्यीय बाकी पेज 8 पर

सरकार मजदूरों की मदद नहीं करना चाहती : कांग्रेस

### एक जून से रोजाना 200 विशेष ट्रेनें

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 19 मई।

श्रमिक स्पेशल और राजधानी स्पेशल टेनें चलाने के बाद अब रेलवे देश भर में मेल एक्सप्रेस ट्रेन भी चलाने की तैयारी में है। रेल मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक, आगामी एक जून से रोजाना 200 विशेष ट्रेनें टाइम टेबल के हिसाब से चलेंगी। इन गाडियों में वेटिंग टिकट भी कटाया

जा सकता है। पीयूष गोयल ने ट्वीट किया कि आगामी एक जून से देशभर में 200 स्पेशल मेल एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनका संचालन टाइम टेबल के हिसाब से होगा। इन ट्रेनों में वेटिंग टिकट भी मिल सकते हैं, लेकिन तत्काल या प्रीमियम तत्काल जैसी व्यवस्था नहीं होगी। इन ट्रेनों की बुकिंग भी आइआरसीटीसी की वेबसाइट के जरिए ही होगी।

मजदूरों के लिए हजार बसें, मगर चक्के तले आई सियासत

कांग्रेस की सौंपी सूची 'बस घोटाला' : भाजपा

बर्सों की लिर—ट में ऑटो रिव–शा और बाइक के नंबर डालकर कांग्रेस कर रही गुमराह! अपने ही छल के जाल में फंस गई कांग्रेस, बसों की लिस्ट में भी निकला घोटाला। -केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

1000 बसों को खाली लखनऊ भेजना समय और संसाधान की बर्बादी, अमानवीय और गरीब विरोधी मानसिकता है। सरकार की यह मांग राजनीति से प्रेरित लगती है। -संदीप सिंह, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव

उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने मंगलवार कोकहा कि कांग्रेस ओछी राजनीति कर रही है और बसों की जो सूची भेजी है पर पंजीकृत ही नहीं हैं। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को प्रवासी



उसमें कई काली सूची में हैं और कई के नंबर बसों के नाम

श्रमिकों और सरकार से अपने कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। इससे पहले प्रदेश सरकार के मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने मंगलवार पत्रकारों से बातचीत में कहा, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा और पार्टी नेता राहुल गांधी की जो बस हैं वे कहीं एंबुलेंस निकल रही हैं, कहीं थ्रीव्हीलर और कहीं टाटा मैजिक। अभी हम लोगों ने प्रारंभिक जांच की है। यह जांच हमने भारत सरकार के वाहन पोर्टल से की है। हम एक-एक वाहन की जांच कर रहे हैं।'

दूसरी ओर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के कार्यालय ने कहा कि पार्टी प्रवासी मजदूरों को राज्य में वापस लाने के लिए जो एक हजार बसें चलाना चाहती थी, उन्हें सरकार ने आज सबह लखनऊ भेजने की मांग की थी जो साफ दर्शाता है कि योगी सरकार का यह कदम राजनीति से प्रेरित बाकी पेज 8 पर था। पार्टी ने

# जनसत्ता

### क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I, Manoj Kumar Mishra S/o Dharm Narayan Mishra R/o III/F, 526, Second Floor, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, UP-201010. Declare that I have changed my minor daughter's name Shagun Anand to Shagun Mishra for all future 0040537808purposes.

**I,** Manoj Kumar Mishra S/o Dharm Narayan Mishra R/o III/F, 526, Second Floor, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, UP-201010. Declare that I have changed my minor son's name from Aditya Shekhar to Aditya Mishra for all future 0040537807-1 purposes.

, KAMAL GUPTA, S/O NARESH CHANDRA GUPTA R/o-G-2002, 20TH-FLOOR, GREATER-NOIDA-WEST, ACE-CITY, BISHRAKH, GAUTAMBUDH-NAGAR, U.P.201306. changed my name KAMAL KUMAR GUPTA.

0040537818-2 , MAMTESH W/O MANOJ KUMAR R/O- A2/192 UGF JANAKPURI A-3 WEST DELHI-110058. have changed my name to MAMTESH TYAGI.

0040537841-2

0040537818-1

खोया+पाया

It is notified for the information that my Original **Qualifying Examination** Certificate of main Senior Secondary Examination of Year-2015 and Roll No.9149444,issued by CBSE has been actually lost. Vaishali Gupta 56-D.Platinum Enclave, sector-18, Rohini, Delhi-110089, Mobile No-

8130144058.

It is notified for the information that my Original **Oualifying Examination** Certificate of main Secondary Examination of year 2012-2014 and Roll No. 8164232 issued by CBSE has been actually mutilate. Name of the candidate Shubham Kumar Full Address- House No-70, Block-C, Street No-2, Bhajan Pura, Delhi- 110053, Mobile -9718155121 0010113627-1

जनसाधारण को सुचित करना है कि दिलांक १८-१३-२०२० को जब मैं प्लाट संख्या २/१९६ वास्तु खंड-२ गोमती नगर लखनऊ का विक्रव विलेख जहाँ अस्त देगम एवं मोहस्सद नसीम के पक्ष में रजिस्ट्री ऑफिस जा रहा या तो मेरी उपरांत्रत सम्पति का मूल आवंटन पर नहीं मिर गया हीरालाल केशवानी 9454411897

### रिक्त स्थान

सार्वजनिक सूचना शिप्रा सृष्टि अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन, 15, अहिंसा खंड-1 इंदिरापुरम, गाजियाबाद, UP-201014, Ph: 9717597954, Email: aoa.srishti@gmail. com के लिए वित्तीय वर्ष 2019-20 के सांविधिक लेखा-परीक्षा (Statutory Audit) के लिए चार्टर्ड एकाउंटैंट फर्म से आवेदन निमंत्रित करता है। आवेदन 27/5/2020 तक भेज सकते हैं। CA के पास 5 वर्ष से अधिक अनुभव होना चाहिए। हाउसिंग सोसाइटी के ऑडिट अनभव को प्राथमिकता दी जाएगी। सीए फर्म के सीए/पार्टनर का एओए के बोर्ड, एओए के सदस्यों या एओए के अकाउंटेंट के साथ किसी भी तरह का संबंध नहीं होना चाहिए।

सार्वजनिक सूचना मुवक्किल महेश चंद पुत्र स्वः श्री अमर नाथ शर्मा निवासी खसरा न. 815, फ्लैट न. A-2 फर्स्ट फ्लोर लाल डोरा एक्सटेंडिड बरार्ड दिल्ली-110084 ने अपने पुत्र नीरज शांडिल्य (पासपोर्ट न. G5327359 आधार न. 5692 8533 1343 D.O.B.17.01.1986.) उसकी पत्नी स्मिता कमारी को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध बिछेद कर दिये हैं। भविष्य में उनसे कोई भी किसी भी प्रकार का लेनदेन करता है तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा मे मुविक्कल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। KAMAL SINGH (Advocate) Enrl. No. D-748/14

PUBLIC NOTICE IE IT FROM TO ALL EDGEWARD THAT WA CLEWY SK. JASHOOF FAMOU SIZE SK. SKN. SPECK ROO A SEC THERE MODE ADDRESS. DEFFICE MODAL ADMINISTRAL - TREET PERSONAL PROPERTY OF ACROSS SECTIONS VIIIANCE PLEASURE TRANSPORT TENER CHESIMONIA, BIRTHATT ALMANANIA P 200044 HORES DECLARETHAT HE WAVE CONCURS. ANYWORLD AND DECIMAL DESIGNATION. 100' SONE MOVE TRANSPORT VERBORISAN FROM BLC MIDWARDS, TRANSPORTE PROPERTIES MINISTRANCE WAS REPORTED A SAME BEFORE'S STEEL OF SHE GUARTY DUE TO HE WISHTHAYTOOK MY CUIDAT HAVE WISO RESTRICT HIS AN INCOMESS, WHICH HAVE NOW ALC: NOTICE TO AND INCOMES LABOUR WAY THAT HATTY DICHER, NAT. MC CORD. SHALL MIT HE REPORTED FOR MAY DE HE ACTS AND CANADONS ARRANGED DECISIONS AND FA-INVESTIGATION SOUTH PROPERTY.

**CULSHAN CHANANA** 

PUBLIC NOTICE Notice is hereby given to public at large that my client Sh Ganga Din, aged about 57 years. Sio Late Sh Lata Ram, R/o RZ-5/hA, Shankar Park, West Sangagur, New Deihi 110046, has distributed discurred his son Mr Krishna Kemar, from all his properties and Estate: moveable, immovable and his self acquired properties situated at New Dethi or any other place in India with immediate effect, and have severed at his connection with him Anybody dealing with him presently or in future, in any meaner whatsoover is doing the same at his own rick and respondibility thereta: any my client shall in no meanier or way be responsible for any acts.

# विशेष रेलगाड़ियां चलाने के लिए गंतव्य राज्यों की सहमति जरूरी नहीं : रेलवे

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

श्रमिक रपेशल ट्रेनों में प्रवासी मजदूरों की यात्रा को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच विवाद के बाद रेलवे ने मंगलवार को कहा कि ऐसी ट्रेनों के परिचालन के लिए गंतव्य राज्यों की सहमति की जरूरत नहीं है।

केंद्र सरकार ने प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्यों में पहुंचाने के लिए इन ट्रेनों को चलाने के वास्ते रेलवे के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की, जिसमें कहा गया कि गृह मंत्रालय से चर्चा के बाद रेल मंत्रालय श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए मंजूरी देगा। एसओपी जारी होने के कुछ घंटे बाद रेलवे के

प्रवक्ता राजेश दत्त बाजपेई ने कहा, 'श्रमिक विशेष ट्रेनों को चलाने के लिए उन राज्यों की सहमति की आवश्यकता नहीं है जहां यात्रा समाप्त होनी है।' उन्होंने कहा, 'नई एसओपी के बाद उस राज्य की सहमित लेना अब आवश्यक नहीं है जहां ट्रेन का समापन होना है।' रेल मंत्रालय ने दो मई को जारी दिशा-निर्देशों में कहा था कि श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए रवानगी स्थल वाले राज्य को गंतव्य राज्य से अनुमित लेनी होगी और इसकी एक प्रति ट्रेन के प्रस्थान करने से पहले रेलवे को भेजनी होगी।

नई एसओपी के बाद अब गंतव्य राज्य से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। केंद्र ने कहा था कि पश्चिम बंगाल, झारखंड, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य इन ट्रेनों के लिए मंजूरी नहीं दे रहे हैं, जिससे लाखों प्रवासी मजदुर अपने घरों की ओर पैदल जाने को मजबूर हैं। हालांकि, राज्यों ने इन आरोपों को खारिज किया है।

केंद्र सरकार ने रेलवे के

लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गृह मंत्रालय से चर्चा के बाद रेल मंत्रालय विशेष ट्रेनें चलाने के लिए मंजूरी देगा

श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए अब सिर्फ रवानगी स्थल वाले राज्यों से ही मंजूरी की आवश्यकता होगी, जिससे प्रवासी मजदूरों को ट्रेन से यात्रा करने में आसानी होगी। अधिकारियों ने कहा कि रेलवे को अगले सप्ताह में ऐसी 300 ट्रेनें चलाने और शेष प्रवासी श्रमिकों को उनके घर

पहुंचाए जाने की उम्मीद है।

गत एक मई से रेलवे ने 1,565 प्रवासी श्रमिक ट्रेनों का परिचालन किया है और 20 लाख से अधिक प्रवासियों को उनके गृह राज्यों में पहुंचाया है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा कि उत्तर प्रदेश ने जहां 837 ट्रेनों को मंजूरी दी है, वहीं बिहार ने 428 और मध्य प्रदेश ने 100 से अधिक ट्रेनों को मंजूरी प्रदान की है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सोमवार शाम तक छत्तीसगढ़ ने केवल 19, राजस्थान ने 33 और झारखंड ने केवल 72 ट्रेन चलाने की अनुमति दी थी।

अधिकारियों के अनुसार, रेलवे के पास लगभग 300 ट्रेनें रोजाना चलाने की क्षमता है, लेकिन वह इसकी आधी संख्या में ही ट्रेनों का परिचालन कर पा रहा है क्योंकि गंतव्य राज्य पर्याप्त संख्या में अनुमति नहीं भेज रहे। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्य प्रवासी मजदरों को वापस भेजने को तैयार हैं, लेकिन कई गंतव्ये राज्य मंजूरी नहीं दे रहे।

# पिता को मौत के बावजूद भोजन बाटने का काम नहीं रोकेगा ऑटो चालक

पुणे, 19 मई (भाषा)।

विवाह के लिए बचाए पैसे से पणे में प्रवासियों और गरीबों को भोजन वितरित करने वाले 30 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक के पिता का निधन हो गया है, लेकिन उसका कहना है कि वह अपनी पहल जारी रखेगा। अक्षय कोथावाले के पिता का सोमवार शाम को निधन हो गया।

कोथावाले ने कहा कि मेरे पिता संजय कोथावाले का सोमवार की शाम दिल का दौरा पडने से निधन हो गया। उन्होंने कहा कि मैं भोजन वितरित करने के बाद घर लौट रहा था, रास्ते में मुझे अपने परिवार से फोन कॉल

CHHAYA

**ADVOCATE** 

Enr. No: D 259/2012

PUBLIC NOTICE

Our Client Mr. Hardeep Singh, S/

Hari Singh, R/o T-586/2, Gali No. 2

Baljeet Nagar, Patel Nagar Central

Delhi- 110008 do hereby confirm and

declare that as his son Mr. Sarabdee

Singh is not under his control, hence

our client Mr. Hardeep Singh disowe

his son from his all movable and

mmovable properties. If anyone deals

with him, that will be at their own risk

and cost and our client is no

PUBLIC NOTICE

My client Anju Devi W/o Sh. Ghasita

Singh R/o H. N. E-698/1, Street No

21, Ashok Nagar, Shahadara, Delhi-

110093, have disowned and debarred her son Pankaj Kumar

from her movable and immovable

properties and severed all relations

with him as he is not in control of my

Ch. No. 707-B, Western Wing,

Tis Hazari Courts, Delhi-110054

Mob.: 9899870597, 8902305867

PUBLIC NOTICE

he General Public is hereby informed that r

wife Saraswati Misra R/o H. No. 4648/21, Ansa

Road, Darya Ganj, Central Delhi-110002 have

severed all their relations with their so

including their children for the reason of the

sobedience and bad habits and have also

disowned them from all their moveable and

and acquired in future and they are no

son and daughter in law. Anybody dealing with

hem would be doing so at his/her entire

Enrol. No. D/3558/2015 Mob. # 981051056

It is hereby informed that I, Gurdeep

Kaur W/o Late Sh. Jasbir Singh R/o

ovable properties. I am not responsible

Nishtha Chawla

Advocate

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to

acceptance of advertising

copy, it is not possible to verify

its contents. The Indian

Express (P) Limited cannot be

held responsible for such

contents, nor for any loss or

damage incurred as a result of

transactions with companies.

associations or individuals

advertising in its newspapers

or Publications. We therefore

recommend that readers

make necessary inquiries

before sending any monies or

entering into any agreements

with advertisers or otherwise

acting on an advertisement in

any manner whatsoever.

for his actions.

PUBLIC NOTICE

Chamber No. 333, Civil Side Tis Hazari Courts, Delhi-54

(M. ASIF KHAN)

leshwar Misra and his wife Manju Misra

MS. CHANDER NIGAM

Enrl. No. D-1451/01

esponsible for the same.

आया, जिसमें सूचित किया गया कि पिताजी की तबीयत ठीक नहीं है। कोथावाले ने कहा कि उनके पिता भी एक ऑटोरिक्शा चालक थे। वह यकृत की बीमारी से भी पीड़ित थे। उन्होंने कहा कि हम उन्हें सैसून अस्पताल ले गए, लेकिन उनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

कोथावाले ने कहा कि मंगलवार को हम मृत्यु के बाद की रस्मों में व्यस्त थे, इसलिए भोजन वितरित नहीं कर पाए, लेकिन हम इसे बधवार से फिर शुरू करेंगे। उसने अपने विवाह के लिए पैसे बचाए थे। वह अपने मित्रों की सहायता से करीब 400 प्रवासियों और गरीबों को प्रतिदिन भोजन वितरित कर रहे हैं, जो पूर्णबंदी के चलते फंसे हुए हैं।

## जेईई मुख्य और नीट के पूर्वाभ्यास के लिए 'अभ्यास' जारी

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 19 मई

कोरोना विषाणु संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी पूर्णबंदी की वजह से राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) के अभ्यास केंद्र बंद पड़े हैं। ऐसे में इस साल संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य और राष्ट्रीय योग्यता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) देने वाले उम्मीदवार कंप्यूटर आधारित परीक्षा का अभ्यास नहीं कर पा रहे थे। इस समस्या के मद्देनजर एजंसी की ओर से कत्रिम बौद्धिमता पर आधारित 'अभ्यास' ऐप विकसित किया है। यह ऐप मोबाइल, लैपटॉप और डेस्कटॉप पर चल सकेगा। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने इस ऐप को जारी किया।

इस मौके पर निशंक ने कहा कि एनटीए ने इस ऐप को बहुत सही समय पर जारी किया है। इसके माध्यम से परीक्षा देने वाले उम्मीदवार परीक्षा का अभ्यास आराम से घर बैठे कर पाएंगे। इस पर हर दिन हर विद्यार्थी के लिए एक परीक्षा प्रारूप आएगा जिसे हल करके विद्यार्थी को फिर से अपलोड करना होगा। बाद में विद्यार्थी अभ्यास का परिणाम भी प्राप्त कर सकता है। परीक्षा का प्रारूप पूरी तरह से ऑफलाइन है। एनटीए की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक ऐप को डाउनलोड करने के बाद विद्यार्थी को खुद को पंजीकरण करना होगा। इसके बार उसे हर दिन मुफ्त परीक्षा प्रारूप मिलता रहेगा जिसे वह अपनी सुविधा अनुसार हल कर

लोगों को शुक्रवार को जमा किया था। इस पर यूसुफ के खिलाफ कर्फ्यू के उल्लंघन को लेकर कर्फ्यू के उल्लंघन के मामले में एक आरोपी आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने यूसुफ को को हिरासत में लिए जाने के विरोध में मंगलवार को यहां लोगों का समूह कर्फ्यू तोड़कर सड़क

जब मंगलवार को हिरासत में लिया, तो उसके समर्थन में कुछ लोग कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए बाहर निकले और रावजी बाजार पुलिस थाने पहुंच गए। चश्मदीदों के मुताबिक मामले में सौ से ज्यादा लोग सड़क पर उतर गए और उन्होंने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर जुलुस निकाला। कर्फ्यु का उल्लंघन करने वालों में बड़ी तादाद में महिलाएं भी शामिल थीं।

इंदौर में कर्फ्यू तोड़ सड़क पर उतरी भीड़, पुलिस पर पथराव

पुलिस अधीक्षक महेशचंद्र जैन ने बताया कि हमने इन लोगों को फौरन खदेड़ दिया था और रावजी बाजार क्षेत्र में फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं। मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि घटना के वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। इसमें पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंकते दिखाई दिए लोगों की पहचान की कोशिश की जा रही है। जैन ने बताया कि वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि ये पत्थर काफी दूरी से फेंके गए थे। इनसे कोई भी पुलिस कर्मी चोटिल नहीं हुआ है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रावजी बाजार क्षेत्र में लोगों द्वारा कर्फ्यू के उल्लंघन पर संबद्ध धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

इससे पहले. शहर के चंदन नगर इलाके में सात अप्रैल को कर्फ्य का उल्लंघन कर बाहर घुम रहे लोगों ने विवाद के दौरान एक पुलिस आरक्षक पर पथराव किया था। कोविड-19 योद्धाओं पर हमले के एक अन्य मामले में टाटपट्टी बाखल में स्वास्थ्य कर्मियों पर एक अप्रैल को पथराव किया गया था जिससे दो महिला डॉक्टरों के पैरों में चोटें आई थीं। यह दल कोरोना संक्रमण के एक मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढुंढ़ने गया था।



देहरादून में मंगलवार को श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सवार होने के लिए अपने बच्चे के साथ पहुंची मणिपुर की महिला।

### बताया कि रावजी बाजार क्षेत्र में मोहम्मद यूसुफ नाम के व्यक्ति ने एक कब्रिस्तान में करीब 50 तमिलनाडु के छोटे मंदिरों ने

की बिजली बिल माफ

पर उतर आया और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ

नारेबाजी कर जुलुस निकाला। कोरोना के प्रकोप

के कारण प्रशासन ने इंदौर की शहरी सीमा में 25

एक वीडियो में पुलिस लाठीचार्ज कर लोगों को

खदेडती दिखाई दे रही है. जबिक बल प्रयोग के

दौरान तितर-बितर होकर सड़क पर दौड़ रहे

समूह में शामिल तीन व्यक्ति पुलिसकर्मियों पर

पत्थर चलाते नजर आ रहे हैं। वीडियो के

मताबिक पुलिस पर दुर से पत्थर फेंकने के बाद

तीनों भाग गए। पुलिस के एक अधिकारी ने

इस बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए

करने की अपील चेन्नई, 19 मई (भाषा)।

इंदौर (मप्र), 19 मई (भाषा)।

मार्च से कर्फ्य लगा रखा है।

तमिलनाडु के विभिन्न मंदिरों ने दो महीने से जारी पूर्णबंदी से अपने राजस्व को हए नुकसान का हवाला देते हुए बिजली के बिल माफ करने की और गांव के पुजारियों व कर्मचारियों का मुआवजा बढ़ाने की मांग की है। आरोप है कि पुजारियों और कर्मचारियों को पूर्णबंदी के दौरान वेतन नहीं मिल रहा है।राज्य के 8,000 से अधिक ऐसे मंदिर हैं, जहां दिन में एक बार ही पुजा हो रही है और उनकी आमदनी भी कम है। ऐसे मंदिरों ने राज्य सरकार से बिजली के बिल माफ करने की अपील की है।

# कांग्रेस ने बुलाई मजदूरों की स्थिति पर विपक्षी दलों की बैठक

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

कांग्रेस ने शुक्रवार को समान विचार वाले विपक्षी दलों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक बुलाई है, जिसमें कोरोना महामारी के बीच प्रवासी श्रमिकों की स्थिति और कुछ राज्यों में श्रम कानूनों में बदलाव किए जाने पर मुख्य रूप से चर्चा होगी।

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करेंगी। सूत्रों का कहना है कि करीब 17 राजनीतिक दलों ने इस बैठक में शामिल होने पर सहमति दी है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने अब तक बैठक में शामिल होने की पृष्टि नहीं की है।

25 मार्च से देश में पूर्णबंदी लगने के बाद बड़ी संख्या में श्रमिक बड़े शहरों से अपने घर जाने के लिए पैदल निकल गए हैं। कई जगहों पर हुई दुर्घटनाओं में कई मजदूरों की मौत भी हो गई है। विपक्षी दलों ने सरकार पर प्रवासी श्रमिकों से जुड़े इस संकट से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाया है। कुछ राज्यों में श्रम कानूनों में बदलाव करते हुए कामकाज के घंटों को बढाया गया है।

# डॉक्टरों के लिए सस्ते निजी सुरक्षा उपकरण

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 19 मई।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली ने कोरोना विषाण संक्रमितों का इलाज कर रहे डॉक्टरों के लिए सस्ते और गुणवत्तापूर्ण निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) विकसित किए हैं। आइआइटी दिल्ली के कपड़ा एवं फाइबर इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने यह पीपीई विकसित की है जिसमें कवरऑल और जूते के कवर शामिल हैं। इसे तीन बार इस्तेमाल किया जा सकता है।

विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस डॉक्टर एसएम इशतियाक और उनके छात्र डॉक्टर बिसवा राजन दास ने इसे विकसित किया है जो परी तरह से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों के हिसाब से तैयार किए गए हैं। डॉक्टर इशतियाक के मृताबिक यह बहुत ही हल्की है और इसका कुल वजन 300 ग्राम है जिससे डॉक्टरों को इससे लंबे समय तक पहनने में परेशानी नहीं होगी। यह 99.5 फीसद बैक्टरिया को रोकने में सक्षम है। यह अन्य पीपीई की तरह डॉक्टरों से तरबतर नहीं करती है।

### हरियाणा से पिता को साइकिल पर बैठा 15 साल की लड़की पहुंची बिहार

दरभंगा, 19 मई (भाषा)।

पूर्णबंदी के दौरान प्रवासी कामगारों के हौसले की एक कहानी बिहार से सामने आई, जब हरियाणा के गुरुग्राम से अपने पिता को साइकिल पर बैठा 15 साल की एक लड़की बिहार के दरभंगा पहुंच गई।

दरभंगा जिले के मोहन पासवान गुरुग्राम में रह कर टेम्पो चला कर अपने परिवार का भरण-पोषण किया करते थे. पर इसी बीच वे दर्घटना के शिकार हो गए। दुर्घटना के बाद अपने पिता की देखभाल के लिए ज्योति कुमारी वहां चली गई थी, पर इसी बीच कोरोना विषाणु की वजह से देशव्यापी बंदी हो गई। आर्थिक तंगी के मद्देनजर ज्योति ने साइकिल से अपने पिता को सुरक्षित घर तक पहुंचाने की ठानी। बेटी की जिद पर उसके पिता ने कुछ रुपए कर्ज लेकर एक पुरानी साइकिल खरीदी। ज्योति अपने पिता को साइंकिल के कैरियर पर एक बैग लिए बिठाए आठ दिनों की लंबी और कष्टदायी यात्रा के बाद अपने गांव सिरहुल्ली पहुंची है।

# महिला स्व सहायता समूहों ने बनाए 39 लाख से अधिक मास्क

रायपुर, 19 मई (भाषा)।

WZ-902A, Guru Nanak Nagar, Gali No.14, Shahpura, New Delhi-110018 have disowned my son Sh. Gurdit Singh S/o Late Sh. Jasbir Singh R/o R/o WZ-902A, Guru Nanak Nagar, Gali No.14, Shahpura, New Delhi-110018 from my movable and imm-

मुख्य परिचालन अधिकारी एलिस लकड़ा ने मंगलवार को बताया कि मिशन के 'बिहान' माह से मास्क का निर्माण कर रही हैं। लकड़ा ने

राज्य में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जारी पूर्णबंदी के बाद मार्च माह के अंतिम सप्ताह से कार्यक्रम से जुड़ी 27 जिलों में 2165 महिला स्व यह कार्य शुरू किया था। उन्होंने बताया कि बीते सहायता समूह की 7,625 महिलाएं पिछले दो सोमवार तक समूहों ने 39,08,811 मास्क बना

पूर्णबंदी में बच्चों को कला और संस्कृति सिखा रहा है लेह का स्कूल नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

आमिर खान अभिनीत '3 ईडियट्स' फिल्म से प्रसिद्धि हासिल करने वाला केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह में स्थित स्कुल पूर्णबंदी के दौरान अपने छात्रों को स्थानीय कला और संस्कृति के साथ ही जड़ों की ओर लौटना सिखा रहा है। स्कूल के सभी छात्रों के पास

लेह के पहाड़ी इलाकों में इंटरनेट की पहंच नहीं है।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की 🛮 बताया कि स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने

छत्तीसगढ में मास्क और सेनेटाइजर की बढ़ती मांग के बाद राज्य के महिला स्व सहायता समृहों ने 39 लाख से अधिक मास्क और करीब 10 हजार लीटर सेनेटाइजर तैयार किया है।

·		TENDER	NOTI	CE		
SPL. No.	NAME OF BOARD/CORP./AUT	NAME OF WORK NOTICE TENDER	OPENING DATE CLOSING DATE (TIME)	AMOUNT / EMB (APPROX.) IN RUPEES	WEBSITE OF THE BOARD CORP./AUTH	NODAL OFFICER/CONTACT DETAILS/EMAIL
1	IRRIGATION & WATER RESCURCES DEPARTMENT RUBUNCHETIA	REMOVAL OF DESTRUCTIONS, SLUSH, GARBAGE AND VEGETATION ETC. FROM DITTERNAL SECTION OF SARAGVATI REVER DI REACH RD 210000 TO 242000 AND RD 265000 TO 271500 + 1 OTHER WORK	19.05.2020 26.05.2020	36/80 LACS	https://stendon.hrv.nc.in	01744-238500 somanavetidnikir@gmeil.com
3	PUBLIC HEALTH BHIGG, DIVISION NO. 1, SIRNA	ELICHABAD - TO CREATE TT PACILITY AT 7.5 MLD EXISTING STP BASED ON MISSR TECHNOLOGY POLLOWED BY CHICARDATION + 2 OTHER WORK	18/05/2020 28/05/2020	1984 IACS	https://whereters.fyry.nic.ry	9991195700 extens Specifiary and given
3	PLOKEC HEALTH ENGINEERING DIVERDIN HANCE DASWALL	A MITC. WATER SUPPLY SCHEME CHORMAR KHERA EISTT, SIRSA FOR THE YEAR 2020-2021. "SUPPLYING, EXECUTION, TESTING MID CONMISSIONING OF 30:00 HP-CLEAR WATER MOTOR AT WATER WORKS CHOMPAR KHERA AND ALL OTHER WORKS CONTINUENT THERETO."	39.05.2020 26.95.2020	1.61 Leou/ 3300 / Ser contractor / 1630 / for pociety	hergac/returnders.htm; sik. as	00668-223902 / ex mandalment@gmet.com
4	DEVILOPMENT AND ENICHAYATS DEPARTMENT	CORET: OF BRICK PRINTED RASTA AT VILLAGE BRAHMANMARIA BLOCK BARAINGARH (RE-CALL) + 1 OTHER WORK	19 05 2020 26 05 2020	39.79 LACS	https://etendon.hry.nk.as	(171-25533MA/ precently anti-Bloy rec. 31
1	WCD PALWAL	TRANSPORTATION WORK OF SHE SUPPLY TO AWCS.	15.05.2030 23.05.2030	1740 20000	https://www.brymic.br	9018293333 (mpwl.vent/Qumarl.com
(4.)	PUBLIC HEALTH ENGINEERING DEVELOP NO.1, BYDWARE	A HTC STORM WATER AND DRAINAGE SYSTEM BIGWARE TOWN , "CONST. OF REE BOAD SALE IN VARIENCE STREET OF BIJWARE TOWN AND ALL OTHER WORKS CONTINGENT THERETO".	16.05.2030 29.05.2030	30000/-	etenders bey mic in	Executive Engineer
9	PW (II & R.) DOPTT. PARIDADAD	SPECIAL REPAIR OF THE BUILDING OF PANCET SAWARAS LAL MENUS. GOVERNMENT COLLEGE SECTOR SLA PARIDABAD IN PARIDABAD DOITING T	19.05.2010 29.05.2010	36-46 LACS	attendeds boy mit.in	0120-2200107 psof-equilibrated try on a

#### www.readwhere.com

deeds and things done by him.

.P Sharma & Associate.

En. No. DI3986/2013 (Advocate)

अधिकतम-42.8 डि.से.

जनसत्ता, नई दिल्ली, 20 मई, 2020

न्यूनतम- 22.8 डि.से. सूर्यास्त- 19:08

### खबरों में शहर

### डॉक्टरों को होटल खाली करने के आदेश

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली 19 मई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया है कि विभिन्न होटलों में 14 दिन के लिए कोरंटाइन किए गए डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को यह आदेश दिया जाता है कि वे होटल तुरंत खाली कर दें। ऐसा न करने पर 14 दिन के अतिरक्त रुके दिनों का भुगतान डाक्टरों के वेतन में में किया जाएगा। अभी कोविड के इलाज में लगे व होटलों में रुकने वाले स्वास्थ्यकर्मियों के लिए दिए गए निर्देश में कोई बदलाव नही किया गया है।

### 'निर्माण विभाग नोडल अधिकारी नियुक्त करें'

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 19 मई।

दिल्ली के श्रम मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार मंगलवार को बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन वर्कर वेलफेयर बोर्ड की बैठक की। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्लूडी), सचिव (श्रम), सीपीडब्लूडी के मुख्य अभियंता और तीनों एमसीडी के अधिकारी शामिल हुए। विभाग को आदेश दिया गया कि निर्माण कार्य से सम्बंधित विभाग अपने यहां कार्यकारी अभियंता स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। नोडल अधिकारी निर्माण मजदूरों को सहायता, उनका पंजीकरण और बोर्ड द्वारा दी जाने वाली अन्य सहायता के बारे में जानकारी दें, ताकि श्रमिकों में उत्पन्न भय को दूर किया जा सके।

#### बुराड़ी मोड़ पर हुए सड़क हादसे में दो की मौत

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 19 मई।

दिल्ली के आउटर रिंग रोड के बुराड़ी मोड़ पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। दोनों मृतक दिल्ली के संगम विहार इलाके के रहने वाले थे। हादसा उस वक्त हुआ जब 38 साल का सागर अपने एक साथी के साथ आजादपुर मंडी से सब्जी लेकर वापस आ रहा था। तभी जहांगीरपुरी की तरफ से आ रहे एक टुक ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग सडक पर गिर पडे और सिर पर गंभीर चोटें आने से दोनों की मौत हो गई।

#### 'बाबूजी' कहकर फंस गयां फर्जी कांस्टेबल

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 19 मई।

कंझावला थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक फर्जी पुलिसकर्मी वीरेंद्र कुमार (42) को गिरपतार किया है। आरोपी रोहतक का रहने वाला है। पकड़े जाने के बाद आरोपी पुलिसकर्मियों से कह रहा था कि वह एक बदमाश का पीछा कर रहा है। मगर इसी बीच आरोपी ने एक पुलिसकर्मी को 'बाबूजी' बोल दिया, जिससे वह फंस गया। चूंकि पुलिसकर्मियों को पता है कि वह एक-दूसरे को 'जनाब व साहब' बुलाते हैं। पुलिस ने उसके पास से फर्जी आईकार्ड बरामद किया है। पुलिस

#### पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। टंडन बोले, स्कूल बंद है पढाई नहीं

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 19 मई।

निजी स्कूलों के एक संगढन एक्शन कमेटी अनएडेड प्राइवेट स्कूल के उपाध्यक्ष बीपी टंडन ने कहा कि कोरोना कोप के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के जरिए छात्रों को पढाने के लिए शिक्षक का योगदान हमेशा याद किया जाएगा। दिल्ली हाइकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के नजरिए का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अभिभावकों को फीस जमा करने के लिए आगे आना चाहिए। क्योंकि स्कूल बंद है पढाई नहीं। प्रबंधक व अध्यापकों की यह ऑनलाइन पहल को आगे बढाना है। उन्होंने कहा कि फीस जमा करने से स्कूल के सभी कर्मचारियों

को वेतन दिया जा सकेगा।

### ORISSA HIGH COURT DISMISSED THE WRIT PETITION CHALLENGING THE ONLINE ELECTION CONDUCTED BY THE

**ELECTION OFFICER, NATIONAL FEDERATION** OF SBI SC /ST EMPLOYEES AND VACATED THE **INTERIUM ORDER DATED 17-4-2020** 

The honorable Orissa High Court has dismissed the writ petition vide it's order dated 15-05-2020 (W.P. "(C)" No.11146 of 2020) filed against

conduct of online election of National Federation of SBI SC/ST Employees which is the apex body of all 17(Seventeen) Circles of State Bank of India and largest Federation of SC/ST Employees in the Financial Sector in the Country. Looking at the status of the Parties, the honorable

High Court also has vacated it's interim order dated 17-04-2020 which has stayed the notice dated 11-04-2020 in Annexure -6 of the Election Officer for conduct of online election since the Court has no jurisdiction over the matter.

Due to Covid-19 pandemic situation and lockdown, the delegates of the National Federation of State Bank of India SC/ST Employees of the entire Country have elected Shri K.L Chavan, from Bangalore circle as their all India Secretary General and Shri R.P Singh from Lucknow circle as their National President through this online Election.

तिथि: 20.5.2020

स्थानः दिल्ली

### कम दिखे कर्मचारी और व्यापार भी नहीं हुआ खास

# दिल्ली में खुले दुकानों के शटर

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 19 मई।

करीब दो महीने की पूर्णबंदी के बाद मंगलवार को दिल्ली के बाजार खुल गए। हालांकि सरकार के सम-विषम दिशानिर्देशों का पालन सभी जगह नहीं हो सका। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के निर्देशानुसार व्यापारियों ने मास्क और दस्ताने पहने और सामजिक दूरी का सख्ती से पालन किया। कंफडेरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दिल्ली के उप राज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर दुकान खोलने के सम-विषम नियम पर पुनर्विचार करने के लिए कहा है।

कनॉट प्लेस और खान मार्केट जैसे लोकप्रिय बाजारों में करीब आधे दिन सन्नाटा पसरा रहा जबकि तिलक नगर, करोल बाग और सरोजिनी नगर जैसे बाजारों में व्यापारी अपने दुकानों की सफाई करते हुए नजर आए। तिलक नगर मेन मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील खत्री ने कहा कि पहले दिन का उपयोग लोगों ने साफ सफाई करने और चीजों को सुव्यवस्थित करने में किया।

मध्य दिल्ली के वाणिज्यिक केंद्र कनॉट प्लेस में व्यापारी एक दूसरे से दूरी सुनिस्थित करने के लिए अपनी दुकानों के आगे गोल घेरा बनाते नजर आए। नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन

चौथी पूर्णबंदी में मिली बड़ी राहत के बाद

मंगलवार को शर्तों के साथ सार्वजनिक

परिवहन सेवा बहाल हो गई। सड़कों पर बस,

ऑटो व ई-रिक्शा दौड़ते नजर आए लेकिन

वाहनों से भी लोग उतर आए। इससे दिल्ली

के कई इलाकों में जाम दिखा। टैक्सी और

ऑटो वाले वाहनों में सेनेटाइजर रखे हुए थे।

बंदी में छूट मिलते ही सड़कों पर निजी

इनमें सवारियां सीमित संख्या में दिखी।



जनपथ में सम-विषम का पालन करते हुए दुकानें खोली गईं।

सभी फोटो : अरुष चोपड़ा

ने सभी दुकानों को जानकारी दी। खान मार्कट में कुछ व्यापारियों ने कहा कि सम-विषम फार्मूला इस बाजार में प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया जा सकता है। ऐसे में वे कोई और तरीका बनाने में जुटे हैं।

हालांकि करोल बाग का प्रसिद्ध गफ्फार मार्केट सम-विषम आधार पर काम करने लगा। मंगलवार को विषम नंबर वाली दुकानें खुलीं। सभी बाजारों में दुकानों पर कम कर्मचारी ही पहुंचे। व्यापारियों ने जिसकी एक वजह उनके कर्मचारियों का दिल्ली से अपने गृह राज्यों में पलायन का होना भी बताया। खासकर ठेले वाले, मजदूर और दिहाड़ी मजदूरों की उपस्थिति

ने बताया कि सार्वजनिक परिवहन को बहाल

करने के संबंध में विभाग सभी जरूरी

सावधानी बरत रहा है और लोगों से मास्क

पहनने और सामाजिक दूरी का पालन

कैलाश गहलोत ने जानकारी दी कि

सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है।

दिल्ली सरकार ने बस में चढ़ने से पहले

यात्रियों की थर्मल स्क्रींनिग शुरू की है। हम

सभी व्यस्त बस स्टैंड पर इसे लागू करने का

प्रयास करेंगे। डीटीसी और क्लस्टर बस सेवा

नदारत रही। कोई विशेष कारोबार नहीं हुआ। कैट ने कहा कि हालांकि दिल्ली समेत देशभर के किसी भी वाणिज्यिक बाजार में कोई व्यापार नहीं हुआ कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में अधिकतर व्यापारी और व्यापार संघ सम-विषम फार्मूला के आधार पर दुकानें खोलने के पक्ष में नहीं हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि दिल्ली में बाजारों को दस हिस्सों में बांटकर पांच हिस्से के बाजार सुबह आठ से एक और बाकी पांच हिस्से के बाजार एक से शाम पांच बजे तक खोले जा सकते हैं। या फिर इन्हें एक दिन छोड़कर एक दिन खोला जा सकता है।

#### सीमित सवारियों के साथ दिल्ली में दौड़े वाहन दो माह के बंद के बाद ये सेवाएं शुरू की गई सार्वजनिक परिवहन के नए प्रावधान हैं। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत

- टैक्सी कैब की चलेंगी, केवल 2 यात्रियों ही जाएंगे • चालक को सवारी सीट संक्रमण मुक्त करनी होगी
- कार में दो यात्री से ज्यादा होंगे • 2000 से अधिक बसें सड़कों पर उतारी गई
- 1200 बसें पुलिस व कार्य के लिए रखी गई

शुरू हो गई है। डीटीसी एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, कई बसें विशेष अनुबंध के काम में लगी हैं। आने वाले दिनों में स्थित में सधार होगा।

### बदला नजारा

बस में मार्शल कम नजर आए, खाली चली बसें : नई दिल्ली व पुरानी दिल्ली के लिए जाने वाली बसों में मार्शल कम ही नजर आए। मार्शल बस स्टॉप पर नजर नहीं आए। बसों में संख्या नियंत्रित करने की कोशिश चालकों ने की। सुबह के व्यस्तम समय में लोगों काफी इंतजार करना पडा। काफी गाडियां खाली चली।

ऑटो से जाना था पर करनी पड़ी टैक्सी: सवारियों के नए प्रावधानों की वजह से कई परेशानियां भी उठानी पड़ी। शास्त्रीनगर जाने के लिए ऑटो को इंतजार कर रहे गिरिश को अपनी पत्नी के साथ जाना था। लेकिन ऑटो में एक सवारी की अनुमति के चलते टैक्सी लेनी पड़ी। ऑटो चालक भी ज्यादा सवारी नहीं ले रहे थे। ग्रामीण इलाकों में कम निकली बसें

दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में मंगलवार को भी बस संकट रहा। क्योंकि पूर्णबंदी की अवधि का वेतन भुगतान नहीं होने के कारण चालक काम पर नहीं आए। ढिचाऊं कलां, कंझावला, कैर और बवाना डिपो से कई क्लस्टर बसें नहीं चलीं क्योंकि लंबित वेतन भुगतान की मांग कर रहे चालकों ने काम पर आने से मना कर दिया। दिल्ली इंटिग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डिम्ट्स) के तहत शहर में 2500 से ज्यादा क्लस्टर बसों का परिचालन होता है। डीटीसी करीब 3900 बसें चलाती है।



दिल्ली में एक ग्रामीण सेवा फटाफट चालक वाहन में सेनेटाइजर रखे हुए दिखा।

### ट्वीट-रिट्वीट

आर्ज से कुछ आर्थिक गतिविधियां शुरू हो रही हैं। हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि पूरे अनुशासन से रहें और करोना को कंट्रोल में रखें। मास्क जरूर पहने, सोशल डिस्टन्सिंग का

पालन करें और अपने हाथों को हैंड सैनिटायजर से साफ करते रहे । आप और आपका परिवार स्वस्थ रहें – ऐसी प्रभू से प्रार्थना है। हम अनुशासन से रहेंगे, तो प्रभू हमारी रक्षा करेंगे।

-अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री, दिल्ली



कोरोना ने दुनिया को संकट में डाला, लेकिन लॉकडाउन करते समय मजदूरों, स्टूडेंट्स, मरीजों इत्यादि को ध्यान में नहीं रखने के कारण हमारे देश में गंभीर संकट पैदा हुआ। दिल्ली सरकार ने प्रवासी मजदूरों का ध्यान रखा, उनके भोजन की व्यवस्था की। जरूरतमंद की मदद

करना हम सबका कर्तव्य है। -राजेंद्र पाल गौतम, समाज कल्याण मंत्री



गरीबों का हक। क्योंकि अभी कोई चुनाव -रमेश बिंधूड़ी, सांसद, दक्षिण दिल्ली नही है।



.*अरविंद* केजरीवाल ने दिल्ली वालों का भरोसा तोड़ दिया। आखिर झूठ बोलने की भी सीमा होती है। जनता को मरने के लिए छोड़ दिया। अब बचते

-विजय गोयल. नेता भाजपा

*उचित* दूरी का पालन करते हुए बस में 20 लोगों से पैसा क्यों लिए जाए ये लोग काम पर ही तो जा रहे है 🕝 जनता के लिए दिल्ली की बस सेवा मुफ्त कर दो। ग्राउंड पे मुख्यमंत्री नदारद रहे, ये अच्छी बात नहीं है।

जनता ने सिर्फ प्रेसवार्ता के लिए आपको मुख्यमंत्री नहीं बनाया। दिल्ली सरकार खराब व्यवस्था पर जवाब दे।

–मनोज तिवारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

# मरने वाले संदिग्ध कोरोना मरीजों का नहीं लिया जाएगा नम्ना

जनसत्ता सवाददाता नई दिल्ली, 19 मई।

जमसत्ता सवाददाता

नई दिल्ली, 19 मई।

कोरोना से होने वाली मौतों के लिए दिल्ली सरकार ने नए दिशानिर्देश जारी किए है। शव को अब नए दिशानिर्देशों के अनुसार प्रबंधित किया जाएगा। अभी तक मरने के बाद कोरोना मरीजों

अस्पताल तय करेगा कि यह जरूरी है कि नहीं। इसी तरह संदिग्ध कोरोना मरीजों की मृत्यु के बाद उनके नमूनों की रिपोर्ट आने का इंतजार न करते हुए उसको कोरोना मरीज मानते हुए प्रोटोकॉल के तहत अंत्येष्टि होगी।

का पोस्टमार्टम किया जाता था, लेकिन अब

### सरकार के नए दिशानिर्देश

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकार द्वारा जारी निर्देश में अब व्यक्ति की मृत्यु से पहले परीक्षण में अगर पुष्टि किया गया या जब वह जीवित था तब नमूने में पुष्टि हुई हो या डॉक्टरों के गंभीर लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती किया गया हो तो ऐसी स्थिति में मौत के बाद परीक्षण के लिए कोई नमूना शव से नहीं लिया जाएगा। हालांकि, अगर डॉक्टर नैदानिक परीक्षा से संतुष्ट हैं कि मौत का कारण संक्रमण हो सकता है, संदिग्ध संक्रमित मृत शरीर के रूप में छोडा जा सकता है।

#### टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लिमिटेड 7वां तल, विडियोकॉन टावर, झण्डेवालान एक्स्टेंशन, नई दिल्ली-110055

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

(प्रतिभृति हित प्रवर्त्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 (1) के अनुसार)

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभतिकरण एवं पनर्निर्माण तथा प्रतिभित हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 26 फर. 2020 जारी कर ऋणधारकों को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा कर लिय

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित संपत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय मांग सूचना की तिथि से उस पर ब्याज तथा दंड ब्याज, चार्जेज, लागत आदि के साथ नीचे वर्णित राशि के लिये टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लिमिटेड के चार्ज के अधीन होगा।

ऋण	देनदार⁄ सांविधिक	राशि एवं मांग	कब्जा	प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/अचल सम्पत्तियों का
खाता सं.	उत्तराधिकारियों / सांविधिक	सूचना तिथि	की	विवरण
	प्रतिनिधियों का नाम		तिथि	
	1. वीरेन्दर कुमार, पुत्र श्री श्याम		19 मई,	सम्पत्ति सं. 1: बुक नं. 1 वॉल नं. 117, पेज नं.
	लाल गुप्ता, प्लॉट 85 एवं 86,		2020	1 से 9 में पंजीकरण सं. 1935 के माध्यम से
	पॉकेट-6, सेक्टर-24, रोहिणी,	(रुपये पचासी		बिक्री प्रलेख तिथि 3.7.2013 के अनुसार उक्त
	दिल्ली-110085	लाख पाँच हजार		सम्पत्ति के नीचे भूमि में फ्रीहोल्ड अधिकार के
	2. श्रीमती शशि, पत्नी श्री वीरेन्दर	छः सौ अड़तीस एवं		साथ रोहिणी आवासीय योजना दिल्ली-110085
	कुमार, प्लॉट 85 एवं 86,	पैसे बाइस मात्र)		के लेआउट प्लान में स्थित पॉकेट-6, सेक्टर-24
	पॉकेट-6, सेक्टर-24, रोहिणी,	एवं तिथिः 26		में फ्रीहोल्ड निर्मित सम्पत्ति सं. 86, क्षेत्रफल माप
	दिल्ली-110085	फरवरी, 2020		60.00 वर्ग मी. के भाग में ऊपरी तल पर पानी
	3. श्री अंशुल जिन्दल, पुत्र श्री			टंकी के सामूहिक स्थान के साथ चालू दशा में
	वीरेन्दर कुमार, प्लॉट ८५ एवं			पृथक इलेक्ट्रिक तथा पानी के कनैक्शन, कॉमन
	86, पॉकेंट-6, सेक्टर-24,			सर्वर कनैक्शन के साथ युक्त बिना छत के
	रोहिणी, दिल्ली-110085			अधिकार के सम्पूर्ण भू तल जिसकी चौहद्दी इस
	4. श्री अंशुमन, पुत्र श्री वीरेन्दर			प्रकार हैः पूर्वः प्लॉट नं. 87, पश्चिमः प्लॉट नं.
	कुमार, प्लॉट 85 एवं 86,			85, उत्तरः प्लॉट नं. 93, दक्षिणः प्रवेश।
	पॉकेट-6, सेक्टर-24, रोहिणी,			सम्पत्ति सं.2: बुक नं. 1, वॉल नं. 115, पेज नं.
	दिल्ली-110085			76 से 85 में पंजीकरण सं. 1897 के माध्यम से
				उप रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत बिक्री प्रलेख तिथि
				1 जुलाई, 2013 में विशेष रूप से वर्णित उक्त
				सम्पत्ति के नीचे भूमि में फ्रीहोल्ड अधिकार के

प्रकार है: पूर्व: प्लॉट नं. 86, पश्चिम: प्लॉट नं. 84, उत्तरः प्लॉट नं. 94 तथा दक्षिणः प्रवेश प्राधिकृत अधिकारी, टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लिमिटेड के लिये

साथ रोहिणी आवासीय योजना दिल्ली-110085

के लेआउट प्लान में स्थित पॉकेट-6, सेक्टर-24

में फ्रीहोल्ड निर्मित सम्पत्ति सं. 85 क्षेत्रफल माप

60.00 वर्ग मी. के भाग में ऊपरी तल पर पानी

टंकी के सामृहिक स्थान के साथ चालू दशा मे

पृथक इलेक्ट्रिक तथा पानी के कनैक्शन, कॉमन सर्वर कनैक्शन के साथ यक्त बिना छत के

अधिकार के सम्पर्ण भ तल जिसकी चौहद्दी इस

# **PICKING UP THE PIECES AND REBUILDING: WHAT IS THE WAY** FORWARD FOR CORPORATE INDIA?



with

### Dr Naushad Forbes

Co-chairman, Forbes Marshall; former President, CII

Join us for a discussion with Naushad Forbes to understand Corporate India's challenges in getting back to work, and the strategies companies need to devise as they ramp up capacity and navigate the new normal.

Mr Forbes will be in conversation with

### P Vaidyanathan Iyer

Executive Editor (National Affairs), The Indian Express







To register, SMS - IEEXP <space> "JS" <space> "Your name and email ID" to 56161 Confirmation SMS will be your registration.



IndianExpress.com/apps

twitter.com/IndianExpress

facebook.com/IndianExpress

मौसम



# गाजियाबाद में एकांतवास को लेकर दिशा निर्देश जारी

जनसत्ता संवाददाता गाजियाबाद, 19 मई।

जनसत्ता सवाददाता

नोएडा. १९ मई।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने सूबे के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को गृह पृथकवास से संबंधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। प्रशासन केवल उन्हीं घरों में गृह

इसके लिए निर्धारित मानकों की 🌉 🎆 जानकारी भी सभी जनपदों को भेजी गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनके गुप्ता ने बताया गृह पृथकवास (होम कोरंटाइन) की निगरानी

के लिए सभी जिलों में निगरानी समितियां बनाई गई हैं। गाजियाबाद में भी 161 निगरानी समितियां काम कर रही हैं। इन समितियों को अध्यक्ष ग्राम प्रधान को बनाया गया है। समिति

पूर्णबंदी के चलते श्रमिकों का पलायन निरंतर

जारी है। श्रमिकों की कमी का असर शहर में

संचालित विकासीय योजनाओं पर दिखने लगा

है। यह योजनाएं प्राधिकरण या कार्यशील

औद्योगिक, व्यावसायिक व निमार्णाधीन इकाइयों

से संबंधित हैं। कार्य को सुचारू रूप से निष्पादन

के लिए बडी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता

होगी। इसके लिए प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक

अधिकारी के दिशा निर्देशन में नोएडा क्षेत्र में

निवासित श्रमिकों का एक डाटाबेस वॉलंटियर

तैयार किया जा रहा है। इसके लिए श्रमिकों को

प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी रित्

में आशा, आंगनबाडी और ग्राम सचिव को भी शामिल किया गया है। समितियों का दायित्व है कि बाहर से आए लोग गृह पृथकवास का पालन करें और यदि किसी की तबियत खराब होती है तो समिति तत्काल इसकी सचना स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराए।

गृह पृथकवास के लिए सबसे पहली जो घर मानकों के अनुरूप होंगे। यह है कि इसके लिए संभावित परीप के वि 🖳 🥦 अलग और हवादार कमरा उपलब्ध हो। इस कमरे के साथ शौचालय होना भी अनिवार्य है और घर के अन्य सदस्यों के लिए 🥟 अलग शौचालय हो। गृह पृथकवास की इजाजत केवल उसी घर में दी जा सकती है, जिस घर में 60 वर्ष से अधिक आयु का कोई बुजुर्ग, किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित, गर्भवती या बच्चे ना हों। क्योंकि इन सबकी

श्रमिकों की कमी पूरी करने के लिए प्राधिकरण तैयार करेगा डाटाबेस

पंजीकरण कराते ही औद्योगिक इकाइयों के संपर्क में आएंगे कामगार

भारत सरकार ने 24 मार्च से पूर्णबंदी घोषित कर

दी थी। जो वर्तमान में भी प्रभावी है। केंद्र व राज्य

सरकार से औद्योगिक, व्यवसायिक एवं निर्माण

गतिविधियों को सुरक्षा का पालन करते हुए दोबारा

संख्या में श्रमिक व कामगार की आवश्यकता है।

वर्तमान में कार्य कराने वाले एवं कार्य करने वाले

दोनों ही स्तंभो में आपसी सामंजस्य स्थापित ना

होने के कारण असमंजस की स्थिति है। इस

स्थिति से निपटने के लिए, श्रिमकों व इकाईयों के

मध्य समन्वय बनाए जाने के लिए नोएडा क्षेत्र के

श्रमिकों व कामगारों का एक डाटाबेस वालंटियर

प्राधिकरण के कर्मचारियों के माध्यम से तैयार

किया जा रहा है। जो सभी औद्योगिक,

कार्यों को सुचारू रूप से करने के लिए बड़ी

शुरू करने की संशर्त अनुमित मिली है।

माहेश्वरी के मुताबिक कोरोना विषाणु के चलते व्यावसायिक एवं निर्माण संबंधित एजंसियों को भी

करना होगा।

पलायन कम होगा।

गृह पृथकवास में मरीज के लिए एक अलग और हवादार कमरा होना चाहिए। इस कमरे के साथ शौचालय होना भी अनिवार्य है। जबकि घर के अन्य सदस्यों के लिए अलग शौचालय हो।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और संभावित मरीज के संक्रमित होने की स्थिति में उन लोगों के संक्रमण की चपेट में आने की आशंका अधिक होगी। ऐसे लोगों के साथ केवल उन्हीं घरों में गृह पृथकवास की इजाजत दी जा सकेगी, जहां घर काफी बड़ा हो और हवादार हो। इसके लिए एक जरूरी शर्त यह भी होगी कि संबंधित व्यक्ति को अनिवार्य रूप से अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करना होगा और उसे सदैव ऑन रखना होगा। साथ ही अपनी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के नियंत्रण कक्ष को भेजनी होगी।

उपलब्ध होगा। इसके लिए गूगल पर किसी भी

मोबाइल के माध्यम से लेबर बैंक में पंजीकरण

रिकल, पता, स्थान, फोन नंबर, पिछले कार्य

का स्थान, पहचान प्रमाण आदि भरकर

अपलोड करना होगा। इस डाटा के माध्यम

से औद्योगिक, व्यावसायिक एवं निर्माण से

संबंधित इकाइयां श्रमिक व कामगार परस्पर

सीधे संपंर्क में आ जाएंगे। जिससे औद्योगिक

व्यावसायिक एवं निर्माण संबंधित इकाइयां

को अपनी गतिविधियों को प्रारंभ किए जाने

रोजगार भी प्राप्त होगा और श्रमिकों का

सुविधा होगी। साथ ही कामगारों को

यहां आवेदक को नाम, आयू, अनुभव,

# सुलह कराने पहुंचे पुलिसकर्मियों पर चाकू से किया हमला

जनसत्ता संवाददाता नोएडा, 19 मई।

चोटपुर कॉलोनी में मंगलवार को एक मकान मालिक के किराएदार को जबरन घर से बाहर निकालने की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों पर मालिक ने चाकू और सरिये से हमला कर दिया। घायल पुलिसकर्मियों ने किसी तरह आरोपी मकान मालिक को कब्जे में लेकर सूचना थाना फेस थ्री पुलिस को दी। घायल पुलिसकर्मियों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।

एसएचओ अमित सिंह ने बताया कि चोटपुर कालोनी निवासी बनवारी लाल गुप्ता के मकान में रविन्द्र पुत्र तेजपाल किराए पर रहता है। पूर्णबंदी के चलते मकान मालिकों को किराए पर रहने वाले लोगो को जबरन मकान से निकालने पर रोक लगाई गई है। आरोप है कि रोक के बाद भी बनवारी लाल मंगलवार को जबरन रविदर के

### मकान मालिक किराएदार को जबरन निकाल रहा था बाहर

साथ मारपीट कर घर से बाहर निकाला रहा था। रविद्र ने इसकी सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष को दी, जिस पर पुलिसकर्मी बृजपाल और लक्ष्मण मौके पर पहुंचे। दोनों पुलिसकर्मियों ने मकान मालिक बनवारीलाल गुप्ता को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि इससे आक्रोषित होकर बनवारी लाल ने पुलिकर्मी बृजपाल पर सरिए और चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में दोनों पुलिसकर्मियों के पेट पर चाकू लगा और दोनों घायल हो गए। पुलिस पर हमले की सूचना मिलते ही थाना फेस थ्री पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बनवारी लाल को चाकू और सरिया सहित मौके से गिरफ्तार कर लिया। अस्पताल में भर्ती पुलिसकर्मियों की हालत खतरे से बाहर है।

### खबरों में शहर

नोबल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद युनुस ने दिया व्याख्यान जनसत्ता संवाददाता नोएडा, 19 मई।

कोविड–19 के दौरान छात्रों, शिक्षकों एव कर्मचारियों को बेहतर विश्व के निर्माण की जानकारी प्रदान करने के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में नोबल पुरस्कार से सम्मानित एवं बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक के संस्थापक प्रो मोहम्मद युनुस ने बेहतर विश्व का पुननिर्माण-कोविड के वक्त में समाजिक व्यापार पर जानकारी दी। प्रो मोहम्मद युनुस ने कहा कि कोविड 19 ने हमें विश्व के नवनिर्माण का

यह अवसर नहीं प्राप्त होगा। बसों का बेड़ा लेकर आगरा पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव जनसत्ता संवाददाता नोएडा, 19 मई।

अवसर प्रदान किया है। किसी भी अन्य पीढी को

मजदूरों को घर पहुंचाने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी दोपहर बसों का बेड़ा लेकर आगरा सीमा पर पहुंच गए हैं। लेकिन, उत्तर प्रदेश सरकार ने कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी को गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद आने की अनुमति नहीं दी। जिसके बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय संचिव रोहित चौधरी द्वारा 500 बसें आगरा के पास नगला गांव में खड़ी हुई है। कांग्रेस के युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पुरूषोत्तम नागर ने बतायाँ कि सभी बसें गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद के

डिपो में जमा की जाएगी।

### वर्षा जोशी के कार्यकाल में हुए तबादले होंगे रद्द

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 19 मई।

> कोरोना काल के दौरान हटाई गईं उत्तरी निगम आयुक्त वर्षा जोशी के कार्यकाल में हुए तबादलों को रद्द करने का काम शुरू कर दिया गया है। निगम से विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि आने वाले दिनों में कई लोगों की पुराने पदों पर वापसी हो सकती है। इसमें वरिष्ठता क्रम तोडते हुए कुछ कनिष्ठ लोगों को काम सौंपा गया था। जोशी ने कोरोना के दौरान हिंदू राव अस्पताल में ठेके पर

काम करने वाले एक डॉक्टर को तो मामूली आरोपों के बाद बर्खास्त कर दिया था, जिसे बाद में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद दोबारा बहाल किया गया।

### अब थूकने पर देना होगा १०० रुपए अर्थदंड

जनसत्ता संवाददाता

नोएडा, 19 मई।

प्राधिकरण ने सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर पहली बार में 500 रुपए और दूसरी बार में 1000 रुपए जुर्माना राशि निर्धारित की थी। लेकिन 16 मई को जारी शासनादेश के तहत अब जुर्माना राशि में संशोधन कर कम किया गया है। अब पहली व दूसरी बार थूकने पर 100 रुपए और तीसरी बार थूकने पर 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। जुमार्ना लगाने के लिए प्राधिकरण समस्त विशेषाकार्यधिकारी, समस्त तहसीलदार, वरि. परियोजना अभियंता, परियोजना अभियंता , वरि .

#### को अधिकारी दिए हैं। घर जाने की सूचना पर जमा हुए प्रवासी मजदूर

प्रबंधक, सहायक परियोजना अभियंता व प्रबंधक

जनसत्ता सवाददाता

नई दिल्ली, 19 मई।

पूर्णबंदी के चौथे चरण की शुरूआत में ही दिल्ली सरकार ने इन प्रवासी मजदूरों को मैसेज के जरिए यह बताया कि उन्हें ट्रेनों के माध्यम से घर पहुंचाया जा रहा है। खबर मिलते ही उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके के एक स्कूल में बने शेल्टर

होम में प्रवासी मजदूर भारी संख्या में जमा हुए।

### सील क्षेत्र से अलग की जाएं औद्योगिक इकाइयां : एनईए

नोएडा, 19 मई। पूर्णबंदी-4 में राज्य सरकार की तरफ से सील क्षेत्र (कंटेनमेंट जोन) की नई नीति जारी की गई है। जिसमे शर्तों के साथ एक केस होने पर शहर क्षेत्र में 250 मीटर और एक से ज्यादा केस होने पर 500 मीटर का दायरा (रेडियस) तय किया गया है। ऐसे में इस परिधि से बाहर औद्योगिक इकाइयों के संचालन की अनुमित दी जाए। यह बात मंगलवार को नोएडा एंट्रेन्यप्रियोर्स एसोसिएशन ने जिलाधिकारी सुहास एलवाई के समक्ष रखी। एनईए ने बताया कि एमएसएमई औद्योगिक इकाइयां बंद होने से प्रत्येक महीने सरकार को करीब 300 करोड़ रुपए का राजस्व हानि भी हो रहा है। एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन वर्तमान में पूर्णबंदी के कारण एमएसएमई सेक्टर के अधिकांश उद्योग बंद है। जिसके कारण इस सेक्टर के उद्योगों को आर्थिक नुकसान पहुंच रहा है।

ऐसे में राज्य सरकार के नए निदेशों के अनुसार जो भी उद्योग सील क्षेत्रों के बाहर हैं, उन्हें शुरू करने की अनुमति दी जाए। मल्हन ने बताया कि औद्यौगिक क्षेत्र के आस-पास सेक्टर-5, 8, 9,10 व सेक्टर-11 में प्राधिकरण की अरबों रुपए की जमीन पर लोगों ने झुग्गी-झोपड़ी बना कर कब्जा किया गया है। जिसका दुषप्रभाव औद्यौगिक इकाइयों पर पड़ रहा है। इन झुग्गियों में कोरोना संक्रमित मरीज सबसे ज्यादा निकल रहे है, घनी आबादी होने के कारण यहा कोरोना संक्रमण कम होने में समय लग सकता है। यदि औद्यौगिक क्षेत्रों को इन सील क्षेत्रों से अलग नहीं किया गया तो नोएडा के काफी उद्योग चल ही नही पाएंगे।(जनसत्ता संवाददाता)

व्यापारियों को मिल सकती

प्रोजेक्ट

को प्राप्त

पंजीकरण कराना होगा।

# 3 BMK ₹ 26 Lakhs orwards | Sector 70, Garugram

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2.67 लाख रुपये की सब्सिडी



शहर एवं ग्राम्य नियोजन विभाग, हरियाणा सरकार की विनांक 19/08/2013 की अधिस्वना सं PF-27/48921 एवं विनांक 22/07/2015 अधिसूचना सं PF/27/2015/SECY/211 और उसमें संशोधन के अनुसार उक्लिखित नीति के नियमों और शतौ पर विकासित किए जा रहे अफोर्डेंबल सूध हाउसिंग प्रोजेक्ट के तहत आवासीय अपार्टमेंट की बुकिंग के लिए सर्वसाधरण से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। [विवरण विभागीय वेबसाईट www.tcpharyana.gov.in पर उपलब्ध हैं)

2000	蜂	Tim 25	02.2	026=1	इंड मेमी सं	ZP-1355	JD(RD)/20	26/5074	
स्यान	्स	सेवटर २०. गुरूग्राम, हरिकाणा							
प्रोजेक्ट बे	प्राक्तमान किया गुल्ब (कार्डेट एरिया पर) — ४०००/ - प्रति स्थ्यापर । (शक्तकनी गुल्ब अतिरिक्त ५००/ - प्रति स्थापर फूट)								
दोत्रफल संबधी	हाजमिंग स्थिम के आंगरामत 5.5625 एक्ट्य में युवा 618 अज्योंनेट रायतथ हैं जिनमें से 95%(प्रतिचत) आयर्थनेट सावेदकों के लिए उपलब्ध हैं, तथा 5%(प्रतिचत) अपार्थनेट मेनेजमेंट कोटा(MQ) के लिए रिज़र्य है। आयोर्थेयत हाजमिंग पालिसी 2013 के अंजरतात समुदाय स्विधाय - एक सामुद्धायिक भवन और एक अंगरावादी-सेह-केच। युवी जगह , लिक्ट , मोटर सार्थिक पार्थिंग								
अपार्टमेंट		dévis	CONT.	दुनित भारता	कार्त्तर इंदिस वर्गभूट (स्टाप्टर)	शासनी परिया पर्वश्र (संस्थर)	विक्रव पृत्य (र)	अन्यापन व्यं समय कृषिक राजि (6)	
के दिवरण	1.	занк	A	270	643.65	98.00	26,23,600	1,31,180	
	2.	38HK	8	280	645.25	75,40	26.18.700	1,30,935	
	-0.0					140000000000000000000000000000000000000	POST INTO SEE	I POSS DE CONTROL SAN	
र और	3.	18HK	A	112	314.55	53.28	12,84,849	64,242	
दर और भुगतान	3.	18HK 18HK	A B	112 58	314,55 337,11	53.28 56.51	12,84,840 13,76,695	64,242 68,835	
दर और भुगतान	in the same	Market Inc.	- Total		The Property of				
आयंटन दर और भुगतान के नियम	4	18HK	B	58	337,11	56.51	13,76,695	68,835	

प्रोजेक्ट के विवरण

िलोगाइकार / डेक्सपर: पिलमिड डीम होमल एस. एस. पी.

THE REPHARERA/GGM/394/126/2020/10

दिनांकः 16.03.2020 । प्रोतंक्ट स्वीकृति (मधन बोजना)

लाइसेंस न १०५, २०१५ जिलक 11,04,2019

### अपार्टमेंट के बारे में सामान्य विवरण

• ड्राइग/ लॉबी फ्लांरिंग: टाइल्स/ आईपीएस • ड्राइग/ लॉबी दीवार छत: ओबीडी/ कलर ग्रीश • बेडलम यलीरियः टाइल्स/ आईपीएस • बेडलम की दीवार की छता ओबीडी/ कलर वॉश • शौचालय की दीवार और शैद्यालय फर्श: टाइल्स 4 फीट और ओबीडी/ कलर बॉश शेम एरिया में टाइन्स/ अर्डपीएस • रसोई फर्श टाइन्स/ आईपीएस • रसोई की वीबार प्रत्यंचे टाइल्स काउंटर के कपर 2 फीट कंची टाइल्स और हैए क्षेत्र में ओबीडी/ कलर वीश • फिक्सबर और फिटिंग: एकल बाउल स्टील शिक और सीमी√ पीवीसी फिटिंग • बालकनी फ्लोरिंग: टाइल्स√ आईपीएस • विडो सर्हवुड/ एसएस जेड़-सेक्शन/ फाइबर/ कन्पीजिट/ एल्यूमीनियम/ फ्रेम विंडो आदि। • डोर फ्रेम/ दरवाले: फ्रेम-हार्डवृक्ष/ एम। एस 🗸 फाइबर दरवाजे-कम्पोजिट/ फाइबर/ एल्य्मीनियम/ फलश दरवाजे आदि। • सामान्य क्षेत्र एलोरिंगः पत्थर/ टाइल्स/ आईपीएस • लिफ्ट लॉबी: स्टोन/ टाइल्स/ आईपीएस • चाइनावेयर: स्टेंडर्ड फिटिंग • विषयुतः आईएसआई प्रमाणित जल्पाय ताचें, स्विव और सर्विट के लिए • सरका गेटेड वर्गेम्स्वेयस

#### पेमेन्ट प्लॉन भूगतान की प्रक्रिया सं विवरण कुल बिकी मूल्य का 9% आचंदन पत्र जारी होने के 15 दिन 🛎 शीतन करा किसी मुखा कर 20% आवंदन प्रश्न वाले होने वे 06 महीने के मीतर | वहन विक्री मूल्य का 12.5% आवंदान पात्र जागी होने के 32 महीने के फैतर | कुल विक्री मूला जा 12,5% आवटन पत्र जार्थ होने के १८ महीने के भीतर किल विकी मृत्य का 12.5% आगदन प्रत्र जारी होने से 24 महीने के भीतर किल बिडरी मुख्य का 12.5% आयटन पत्र जानी होने के 30 महीने के भीतर | गुप्त बिको मुन्य का 12.5% आवंदन पत्र जाती होने से 38 महीने के भीतर | कुल बिक्री मुख्य का 12.5%

1) आदेदन पत्र दिनांक 21/05/2020 से आवेदन कुरूक 1000 रूपये का मुगतान कर देवलघर: पिरामिड द्वीम होमस एक एक पी., 217ए, 217की पुतीय तल. सनसिटी बिजनेस टॉवर, गोल्फ कोसे बीट, संक्टर-54 गुरुवाम से प्राप्त किया ा सकता है। अंतिम वारीख 30.05.2020

1. आवेदक पर किसी मौजूदा कानून के तहत कानूनी तौर पर सरिवा करने पर

 आवेदन कोई मी कर सकता है शालांकि एलीटमेंट में प्राथमिकता पीएमएवाई लाभार्थियों को दी जाएगी जिनमें आवेदक ममेत उनकी पत्नी (या पति) या आश्रित सतान शामिल है। जिनकी पहचान प्रधानमंत्री अध्यास योजना - सबके लिए आवास प्रोत्राम के राहत राहरी स्थानीय निकाय विनाग, हरियाणा के सहरा की गई हो। पहली प्राथमिकता कथित शहर में पहचान किए गए लाभावियों की यी आएनी। इसके बाद हरिशाणा शज्य के अन्य पीएमएवाई लामार्थियों को दी जाएगी। इसके बाद बचे पलैट के एलॉटमेंट में ऐसे अवेदक समेत चनकी पत्नी (या पिट) या आधित संतान को प्राथमिकता दी जाएगी जिनका हुटा की किसी। कॉलोनी / सेक्टर या हरियाणा शहरी क्षेत्र या केंद्र शारीत प्रदेश चंटीगढ़ और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की किसी लाइशेंस्ड कॉलोमी में ऊपना पतिट / प्रतीट नाही हो । ऐसे सभी आवेचक इस आशव का एक शपथ पत्र प्रस्तुत.

3. एक स्परित एक ही आवेदन कर सकता है। इस नीति के तहत सफल कोई भी आवेदक इस नीति के तहत अन्य किसी कोलीनी में अन्य पलेट ले लिए आवंटन योग्य नहीं माना जाएगा। यदि कोई आवंदक एक से अधिक कॉओनी में आवंटन के लिए सफल बीता है तो पसंद का केवल एक पतेंट चुनना बीगा।

 अपार्टमेंट का आवंदन एक समिति के सामने लॉट्टी से होगा। नामिति में. उपायुक्त या उनके प्रतिनिधि (मर्नतम इतियाणा लोक क्षेत्रा स्तर के अधिकारी) वरिष्ट भगर निर्मालक (सर्कल कार्यालक), संबद्ध जिले के बीटीपी और संबद्ध वर्गलीनाइजर के प्रतिनिधि होने।

 लॉट्टी की तिथि निर्वारित करने के बाद ठेवलपर एसी समाचार पत्र में विकापन देंगे जिसमें यह मूल विकापन प्रकाशित होगा। विकापन में आवेदकों को लॉडी की तिथि और स्थान के विवरण विए जाएंगे।

 मानको की पूरी जानकारी और आरंभिक जीव और आवंटन के लिए निपारित समय सीमा के लिए आवेदक अफोकंबल हात्तरिंग पॉलिसी 2613 के विवरण देखें जो 18:08:2013 दिनाक अधिसूचना स PF-27/48921 और उसने संशोधन में उपलब्ध है। (विवरण विभागीय वेबसाइट www.tcpharyana.gov.in पर

जानकारी के लिए कॉल करे : + 91 9911971197

पिरामिड इन्फ्राटेक प्रा. लि., 217ए. 217बी दृतीय तल, सनसिटी बिज़नेस टॉवर, गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-54, गुरुग्राम फोन : +91-124-4274045: ईपेल :customercare@pyramidinfratech.com, बैग: www.pyramidinfratech.com

#### कि लगातार पूर्णबंदी से बाजार बंद है, दुकाने बंद मंडल ने उपश्रमायुक्त पीके सिंह से बाजार खोलने है व्यापारी दुकान की पूंजी से ही अपना भरण-से संबंधित दिशा निर्देश पर भी चर्चा की। कोरोना: फरीदाबाद में 13 नए मामले

फरीदाबाद, 19 मई (जनसत्ता)।

जनसत्ता सवाददाता

आर्थिक और मानसिक मार झेल रहे

व्यापारियों के लिए पूर्णबंदी-4 थोड़ी राहत भरी हो

सकती है। इसके लिए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार

प्रतिनिधि मंडल नोएडा इकाई के एक प्रतिनिधि

मंडल ने जिलाधिकारी से बातचीत कर बाजारों को

खोलने की मांग उठाई। साथ ही उपाश्रमायुक्त के

साथ बैठक कर बाजार खोलने की रूपरेखा तैयार

की गई। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि जल्द

नोएडा इकाई के अध्यक्ष नरेश कुच्छल ने बताया

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल

ही बाजारों को खोलने की अनुमति दी जाएगी।

नोएडा, 19 मई।

फरीदाबाद में एक तीन साल की बच्ची और चार पुलिसवालों समेत 13 लोगों को कोरोना संक्रमित होने की पृष्टि हुई है। इन मे एक पत्रकार, एक तेरह साल की किशोरी,

स्वास्थ्य कर्मी, दो बुजुर्गों और एक मजदूर शामिल है। मंगलवार को आए 13 नए मामलीं के बाद कोरोना संक्रमण के 163 मरीज हो गए हैं। हालांकि की कोरोना संक्रमण के चलते छह लोगों की मौत हुई है पर इन सभी को कोई न कोई दुसरी बिमारी थी।

• बातचीत के दौरान जिलाधिकारी ने दिए

• बाजार खोलने की क्या होगी रूपरेखा

पोषण कर रहा है। यदि अब बाजार नहीं खोले

गए तो स्थिति और खराब हो सकती है। उन्होंने

व्यापारियों की तरफ से जिलाधिकारी को आश्वस्त

किया कि पूर्णबंदी में व्यापारियों ने अपनी अहम

भूमिका अदा की है। आगे भी करते रहेंगे। दुकाने

खोलने के दौरान कोविड-19 के सभी नियमों व

निदेशों का पालन किया जाएगा। वहीं, प्रतिनिधि

बाजार खोलने के संकेत

डीएलसी के साथ हुई बैटक

महामारी में बढ़ी साइकिलों की मांग

साइकिल बनी सवारी

लंबे सफर का साथी बनी साइकिल

# मजबूर मजदूरों का सहारा बन रही साइकिल

निर्भय कुमार पाडेय नई दिल्ली, 19 मई।

पूर्णबंदी में घर जाने को परेशान मजबूर मजदूरों के लिए साइकिल ही परिवहन का एक बड़ा माध्यम बचा है। जो श्रमिक हजारो किलोमीटर पैदल सडक नहीं नाप सकते वे अपने बचे-कुचे पैसे से साइकिल खरीद रहे हैं। पूर्णबंदी में दिल्ली के प्रमुख बाजारों में मजदूरों को चोरी छिपे साइकिल बेंची जा रही है, हालांकि दुकानदार बीमारी को देखते हुए फुटकर में रोजाना कुछ मजदुरों को चार से पांच साइकिल ही बेंच रहे हैं। खतरा मोल लेकर साइकिल उपलब्ध करा रहे दुकानदारों ने इस बंदी में घाटा पुरा करने के लिए लगे हाथ कीमत भी बढ़ा दी है।

झंडेवालान में साइकिल कारोबार से जुड़े एक दुकानदार नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि अन्य दिनों में भी साइकिलों को मजदूर ही खरीदते थे। पर मांग बहुत कम थी, लेकिन पूर्णबंदी के दौरान एकदम से मांग बढ़ गई है। कोई साधन नहीं होने की वजह से साइकिल ही उनके सामने एक मात्र विकल्प बचा है।



एक अन्य विक्रेता ने बताया कि यह बाजार का निमय है कि मांग बढ़ने और आपर्ति कम होने से वस्तओं के दाम बढ जाते हैं। बीते एक-दो महीने से स्टैंडर्ड साइकिल की मांग अचानक से बढ़ गई है। यही कारण है कि जहां यह साइकिल की कीमत पहले 3000 रुपए थी। वहीं साइकिल आजकल 4000 रुपए से लेकर 4700 रुपए तक बिक रही है। मंगलवार से एक बार फिर से बाजार खुले हैं। यदि आपूर्ति ठीक-ठाक रही तो मांग घट सकते हैं। पर आपूर्ति पर असर पड़ने पर कीमत बढ सकते हैं।

कोई और विकल्प नहीं

साइकिल खरीदने वाले मजदूरों का कहना है कि कोई और विकल्प नहीं बचा है। झारखंड निवासी प्रवासी श्रमिक राम कुमार ने बताया कि वह लक्ष्मी नगर में एक होटल में काम करता था। होटल बंद है। अब पैसों की तंगी होने लगी। तभी उसने टीवी पर देखा के कई लोग साइकिल से ही अपने गांव जा रहे हैं। उसने भी खूजरी खास साइकिल बाजार से जाकर ज्यादा कीमत पर एक साइकिल खरीदी और कुछ जरूरत के सामान लेकर वह अपने गां्व चला गया।

याद रहेंगे यह दृश्य

राजमार्गों पर लंबी साइकिल कतारों में चल रहे मजदूरों को पुलिस हर जगह रोकती दिख रही है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश से बिहार के लिए दिल्ली होकर जा रहे एक श्रमिक ने पांच सौ रुपए में एक पुरानी साइकिल खरीदी थी। साइकिल के आगे डंडे पर वह अपने दो छोटे बच्चों को बैठाकर बिहार जा रहा था। इसी तरह एक पत्र सोशल मीडिया पर काफी चर्चित रहा जिसमें एक मजबूर पिता ने घर पहुंचने के लिए साइकिल चोरी की थी। उसका पत्र पढ़कर लोगों की काफी संवेदनाएं उस मजबूर पिता के लिए दिखी थी।

### खबर कोना

#### इजराइली विदेश मंत्री ने सबसे पहले भारत को किया फोन

यरूशलम, 19 मई (भाषा)।

इजराइल के नवनियुक्त विदेश मंत्री गाबी अश्केनजी ने मंगलवार को भारत को फोन किया और पदभार संभालने के बाद उनके द्वारा किसी देश को किया गया यह पहला फोन है। उन्होंने इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर से बातचीत की। इससे एक दिन पहले, इजराइल और भारत के विदेश मंत्रियों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भागीदारी के लिए बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत और विस्तारित करने के उद्देश्य से मिलकर काम करने का संकल्प लिया था। इजराइल के नए विदेश मंत्री की यह सामान्य शिष्टाचार कॉल थी। इस दौरान उच्च स्तरीय यात्राओं को शुरू करने, द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी को और मजबूत करने व कोरोना वायरस

महामारी के मद्देनजर सहयोग को और आगे ले जाने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट किया, 'फोन करने के लिए धन्यवाद इजराइल के विदेश मंत्री गाबी अश्केनजी।'

#### पंचेन लामा कहां हैं, तत्काल बताए चीन : अमेरिका

वाशिंगटन, 19 मई (भाषा)।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने चीन से कहा कि उसे तत्काल यह सार्वजनिक करना चाहिए कि पंचेन लामा कहां हैं और साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता को बढावा देने की अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का पालन करना चाहिए। पचेन लामा तिब्बती बौद्ध धर्म की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण हस्तियों में से एक हैं जिनका स्थान आध्यात्मिक प्राधिकार के रूप में दलाई लामा के बाद दूसरे नंबर पर है। ।

#### ब्रिटेन से 2,288 भारतीयों को खदेश लाया गया

लंदन, 19 मई (भाषा)।

कोरोना विषाणु से सक्रमण के चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगी रोक की वजह से ब्रिटेन में फंसे करीब 2.288 भारतीयों को वंदे भारत मिशन के पहले चरण में स्वदेश लाया गया है। उधर ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआइ) कार्डधारक भी भारत वापसी का इंतजार कर रहे हैं लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया, 'हमनें 17 मई तक एअर इंडिया की आठ उडानों के जरिये ब्रिटेन में फर्स 2.288 भारतीयों को वापस भेजा गया है। वंदे भारत मिशन भारतीयों की वापसी के लिए जारी रहेगा।'

### स्वदेशी पर स्पष्टीकरण आने तक सीएपीएफ की कैंटीन में खरीद रुकी

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

चलने वाले अपने कैंटीन के लिए 400 से अधिक वेंडरों से अपनी खरीद के सभी ऑर्डर फिलहाल स्थगित रखे हैं। इन कैंटीन से करीब 50 लाख अर्द्धसैनिक बल के कर्मी और उनके परिवार सामानों की खरीद करते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 13 फरवरी को घोषित किया था कि ये कैंटीन एक जून से केवल स्वदेशी उत्पादों की बिक्री करेंगे ताकि घरेलू उद्योगों को बढ़ावा दिया जा सके।

हाल में आदेश जारी कर हर तरह की सामग्री के ऑर्डर पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई। यह रोक तब तक रहेगी जब तक कि गह मंत्रालय से स्वदेशी कंपनियों और उत्पादों को लेकर निर्देश प्राप्त नहीं हो जाता है। इसने सभी अर्द्धसैनिक या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को सुचित किया कि जो ऑर्डर दिए जा चुके हैं और जो आपूर्ति होने वाले हैं, उन्हें स्वीकार किया जाएगा। बहरहाल, पहले दिए गए जो जिन आंडर को भेजने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है, उन्हें स्थिगित किया जा रहा है या फिलहाल रद्द किया जा रहा है। इसने कहा कि वर्तमान भंडारित माल को बेचने पर भयभीत होने की जरूरत नहीं है और जो माल नहीं बिका है उसे आपूर्तिकर्ता को वापस लौटाने की जरूरत नहीं है।

48 लाख से अधिक कोरोना संक्रमित, 3.18 लाख लोगों की मौत

# रूस, ब्राजील और भारत में संक्रमण बढ़ा, दुनिया हुई चिंतित

- रूस और ब्राजील में कोरोना संक्रमितों की संख्या अमेरिका से पीछे
- रूस में संक्रमितों की संख्या तीन लाख के करीब पहुंच गई है

मॉस्को, १९ मई (एपी)।

दुनिया में कोरोना विषाणु से 48 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। उनमें से करीब 3,18,000 लोगों की मौत हुई है। संक्रमण के मामले रूस, ब्राजील और भारत में बढ़ने से दुनिया की चिंता बढ़ गई है। रूस और ब्राजील में संक्रमितों की संख्या अब केवल अमेरिका से पीछे हैं। दुनिया भर में कोरोना वायरस के इलाज के लिए बन रहे संभावित टीकों में करीब एक दर्जन टीके परीक्षण के पहले चरण में पहुंच गए हैं या इसके करीब हैं।

जॉन हॉपिकस विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में कोरोना वायरस से 48 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। उनमें से करीब 3,18,000 लोगों की मौत हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि संक्रमितों की यह संख्या विभिन्न कारणों से वास्तविक संक्रमितों से बहुत कम है।

रूस में मंगलवार को संक्रमितों की संख्या

• ब्राजील में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2.5 लाख पहुंच गई है

• भारत में कोरोना संक्रमितों की संख्या एक लाख के पार हो गई है

में फिर उछाल आया है और 14.7 करोड़ की आबादी वाले इस विशाल देश के कई स्थान संक्रमण के नए केंद्र (हॉटस्पॉट) के रूप में उभरे। रूस में गत 24 घंटे में कोविड-19 के 9.263 नए मामले सामने आए हैं. इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या तीन लाख के करीब पहुंच गई है। रूस के कुल संक्रमितों में 50 फीसद अकेले मॉस्को में हैं। रूस के प्रशासन के मुताबिक अबतक 2,837 लोगों की कोरोना वायरस से मौत हुई है। हालांकि, इन आंकड़ों पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं। रूस का दूसरा सबसे बड़ा शहर सेंट पीटर्सबर्ग प्रमुख संक्रमण केंद्र के रूप में उभरा है। प्रशासन ने अतिरिक्त एहतियात के तहत अब सभी शवों को बंद ताबृत में दफनाने का निर्देश दिया है, चाहे मौत का कारण कुछ भी हो। पहले यह निर्देश केवल कोविड-19 से होने वाली मौतों के मामले में शवों को दफनाने के लिए था। संक्रमण के मामले में रूस अब केवल

अमेरिका से पीछे है जहां 15 लाख लोग

संक्रमित हुए हैं और करीब 90 हजार लोगों ने कोविड-19 से जान गंवाई है।

लातिन अमेरिका में अबतक 4,83,400 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पृष्टि हो चुकी हैं और 30,900 लोगों की मौत हुई है। संक्रमितों की संख्या सबसे अधिक ब्राजील में है जो सोमवार शाम को 2,50,000 कोविड-19 मरीजों के साथ दुनिया का तीसरा सबसे प्रभावित देश बन गया। यह स्थिति तब है जब सीमित संख्या में जांच हो रही है। रियो डी जेनिरियो और साओ पाउलो में गहन चिकित्सा बिस्तर 85 प्रतिशत तक भर चुके हैं। कुछ देशों में नये सिरे से संक्रमण फैलने से खतरे की घंटी बज गई है। ईरान जहां पर अप्रैल महीने में नये संक्रमितों की संख्या में गिरावट आई थी वहां मई में फिर से मामले बढ़ रहे हैं। भारत में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या एक लाख के पार हो गई है और उन राज्यों में मामले बढ़ रहे हैं जहां पर लॉकडाउन की वजह से कामधंधा छटने के बाद प्रवासी कामगार आ रहे हैं।

# कोरोना पर डब्लूएचओ की जवाबी कार्रवाई की होगी जांच

जिनेवा, 17 मई (एएफपी)।

कोरोना वायरस महामारी से निपटने में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के तौर तरीके की अमेरिका द्वारा की जा रही निंदा के बीच, डब्लूएचओ के सदस्य देश इस वैश्विक संकट के प्रति संयुक्त राष्ट्र की इस एजंसी की जवाबी कार्रवाई की स्वतंत्र जांच पर मंगलवार को सहमत हो गए। डब्लूएचओ की वार्षिक सभा में हिस्सा ले रहे देशों ने इस संकट के प्रति संयुक्त जवाबी कार्रवाई की अपील करते हुए आम सहमति से एक प्रस्ताव पारित किया। पहली बार यह सभा आभासी रूप से हुई।

यूरोपीय संघ द्वारा पेश प्रस्ताव में इस महामारी के प्रति अंतरराष्ट्रीय जवाबी कार्रवाई के निष्पक्ष, स्वतंत्र व समग्र मूल्यांकन की मांग की गई है। प्रस्ताव में कहा गया कि जांच में यह शामिल हो कि कोविड-19 महामारी के संबंध में डब्लूएचओ ने कब-कब, कौन कौन से कदम उठाए। अमेरिका ने इस आम सहमति से अपने आप को अलग नहीं किया जैसा कि कुछ देशों को आशंका थी। अमेरिका ने इस सभा के पहले दिन सोमवार को डब्लूएचओ को फटकार लगाई थी और चीन की भी, उसकी भूमिका को लेकर निंदा की थी।

• यूरोपीय संघ द्वारा पेश प्रस्ताव में इस महामारी के प्रति अंतरराष्ट्रीय जवाबी कार्रवाई के निष्पक्ष, स्वतंत्र व समग्र मुल्यांकन की मांग की गई है।

• प्रस्ताव में कहा गया कि जांच में यह शामिल हो कि कोविड-19 महामारी के संबंध में डब्लूएचओ ने कब-कब, कौन कौन से कदम उढाए।

मंगलवार के प्रस्ताव में देशों से कोविड-19 के खिलाफ किसी भी उपचार या टीके तक पारदर्शी, समान और समय से पहुंच सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया है। वैसे यह प्रस्ताव बाध्यकारी नहीं है और उसमें किसी भी देश का उसके नाम से उल्लेख नहीं है। प्रस्ताव में इस वायरस के उद्भव के विवादास्पद मुद्दे को भी संबोधित किया गया है और डब्लूएचओ से इस वायरस के जानवर संबंधी स्रोत और उसके इंसान में पहुंचने के मार्ग की जांच में मदद करने की अपील की गई है। यह वायरस सर्वप्रथम पिछले साल के आखिर में चीन में सामने आया था।

## 13 फीसद संग्रहालय शायद दोबारा कभी नहीं खुल पाएं

संयुक्त राष्ट्र, 19 मई (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक एजंसी ने आगाह करते हुए कहा कि हो सकता है विश्व में 13 फीसद संग्रहालय कभी दोबारा ना खुलें। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण विश्वभर में करीब 90 फीसद संग्रहालय अभी बंद हैं। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (सोमवार को) पर संयक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक व सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) और अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय परिषद ( आइसीओएम) द्वारा जारी किए दो अध्ययनों में कहा गया कि कोविड-19 का संग्रहालयों पर काफी असर पडा है, करीब 90 फीसद या 85.000 से अधिक संस्थान लंबे समय से बंद हैं। वहीं अफ्रीका और छोटे द्वीपों पर स्थित विकासशील देशों (एसआइडीएस) में केवल पांच फीसद ही दर्शकों को ऑनलाइन सामग्री मुहैया करा सकते हैं। एजंसी ने बयान में कहा, 'विश्वभर में करीब 13 फीसद संग्रहालय शायद कभी दोबारा नहीं खुलेंगे।' दोनों अध्ययन संग्रहालय और संग्रहालय संस्थानों पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन करने के लिए किए गए। इसमें कई देशों के लोगों और संग्रहालय पेशेवरों को भी शामिल किया गया। इनका लक्ष्य यह क्षेत्र महामारी से कैसे निपट रहा है और इन संस्थानों की कैसे मदद की जाए. यह पता लगाना भी था। यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे एजोले ने कहा, 'संग्रहालय समाज को बदलने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।'

## बलुचिस्तान में आतंकी हमले, सात पाकिस्तानी सैनिकों व वाहन चालक की मौत

कराची. १९ मई (भाषा)।

पाकिस्तान के बलुचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग आतंकी हमलों में सात पाकिस्तानी सैनिकों और एक वाहन चालक की मौत हो गई। मंगलवार को जारी आधिकारिक वक्तव्य में यह जानकारी दी गई।

पाकिस्तानी फौज के मीडिया विभाग अंतर-सेवा जनसंपर्क (आइएसपीआर) ने कहा कि आतंकियों ने सोमवार रात को पीर गैब क्षेत्र में फ्रांटियर कोर के एक वाहन को आइईडी विस्फोट से उडा दिया, जिससे पाकिस्तानी सेना के छह सैनिकों की मौत हो गई। इस हमले में एक वाहन चालक की भी मौत हो गई। चालक फौजी नहीं था। बलचिस्तान के कैच इलाके में एक अलग घटना में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक अन्य सैनिक की मौत हो गई। घटना तड़के हुई, जब सुरक्षाबल के जवान सीमा पर बाड लगाने का काम कर रहे थे। संसाधन संपन्न बलुचिस्तान पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिमी भाग में स्थित है और इसकी सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। बलुचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा और सबसे गरीब प्रांत है। बलूच राष्ट्रवादी अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाते रहते हैं।

# डोनाल्ड ट्रंप ले रहे हैं मलेरिया की दवा, विशेषज्ञों ने असुरक्षित करार दिया

वाशिंगटन, १९ मई (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह कोरोना विषाण से बचने के लिए मलेरिया रोधी दवा 'हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन' ले रहे हैं। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि ऐसा करना असुरक्षित हो सकता है। ट्रंप के जानकारी देने के कुछ देर बाद ही वाइट हाउस के डॉक्टर सीन पी. कॉनले ने कहा कि राष्ट्रपति एकदम स्वस्थ हैं और उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं हैं।

टंप ने वाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'मैं करीब डेढ़ सप्ताह से (हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन) ले रहा हं।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं हैं। अमेरिका में पिछले तीन महीने में इस महामारी से 90 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं। ट्रंप ने कहा, 'वाइट हाउस के

चिकित्सक ने दवा लेने की सलाह नहीं दी। मैंने उनसे पूछा था कि उनका इस बारे में क्या विचार है ? उन्होंने कहा कि क्या आप दवाई लेना चाहते हैं। मैंने कहा कि हां, मैं दवाई लेना चाहता हं। टुंप ने कहा कि वह रोज मलेरिया रोधी दवा की एक गोली लेते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं रोज एक गोली लेता हं। कुछ समय बाद मैं इसे लेना बंद कर दुंगा। मैं चाहता हुं कि इसका इलाज मिले या इसका टीका बने और यह एक दिन जरूर होगा। मुझे लगता है कि बहुत जल्द ऐसा होगा।' हाइडॉक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्य) मलेरिया

रोधी सबसे पुरानी और जानी-मानी दवाओं में से एक है। ट्रंप इस दवा को कोरोना विषाण के खिलाफ लडाई में 'बाजी पलटने वाली' दवा करार दे चुके हैं। टुंप द्वारा एचसीक्य को बार-बार कोरोना विषाण की दवा बताए जाने के बाद एफडीए ने परामर्श जारी कर कहा कि कोविड-19 के उपचार में दवा सुरक्षित और प्रभावी नहीं पाई गई है।

केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों ने देश भर में

केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडारण निकाय ने

# यूपी व बिहार पैदल लौट रहे प्रवासी कामगारों को शिविरों में भेजा

कन्नूर (केरल), 19 मई (भाषा)।

केरल से उत्तर प्रदेश और बिहार स्थित घरों को जाने के लिए पैदल ही निकले कम से कम 100 प्रवासी कामगारों को पुलिस ने मंगलवार को रोककर उन्हें उनके शिविरों में वापस भेज

कामगारों का आरोप है कि उन्हें शिविरों में पर्याप्त मात्रा में खाना नहीं मिल रहा है और न ही सरकार उनके लौटने के लिए रेलगाडियों की व्यवस्था कर रही है। उत्तर प्रदेश और बिहार के कामगारों ने कहा, 'हम अपने गृह प्रदेशों को लौटना चाहते हैं। दिन में एक बार खाना दिया जा रहा है और हमारे पास पैसे नहीं है। कोई काम भी नहीं है।' पानी की बोतल और अपना

 उत्तर प्रदेश और बिहार के कामगारों ने कहा, 'हम अपने घर लौटना चाहते हैं। दिन में एक बार खाना दिया जा रहा है और हमारे पास पैसे नहीं है। कोई काम भी नहीं है।' पानी की बोतल और अपना कुछ समान लेकर ये कामगार प्लाईवुड उद्योग के केंद्र वल्लापटनम से घरों के लिए निकले थे लेकिन आरपीएफ के जवानों ने उन्हें देखाँ और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

कुछ समान लेकर ये कामगार प्लाईवड उद्योग के केंद्र वल्लापटनम से घरों के लिए निकले थे लेकिन रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने उन्हें देखा और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

कछ मजदरों ने आरोप लगाया कि चार व्यक्तियों के परिवार को केवल दो किलो गेहं मिल रहा है और सवाल किया कि ऐसे में वे कैसे गुजारा करें। कामगार सुशील कुमार ने कहा, 'हम घर जाना चाहते हैं। हम यहां तक कि घर

पैदल जाने को तैयार हैं।' कामगारों के इन समृहों को पुलिस ने रोका और पूछताछ के बाद शिविरों में वापस भेज दिया। बाद में इन प्रवासी कामगारों को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों से संबंधित शिविरों में भेजा गया।

इस बीच, जिले के अधिकारियों ने कहा कि कामगारों की शिकायतों पर गौर किया जाएगा। 15 मई तक 29 श्रमिक विशेष रेलगाड़ियों से करीब 33 हजार प्रवासी कामगारों को केरल से उनके गृह प्रदेश भेजा गया है।

# सरकारी अस्पताल में संक्रमितों के इलाज की याचिका हाई कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

विषाणु से संक्रमित और अन्य गंभीर रूप से उनपर जुर्माना लगाया जाएगा। बीमार लोगों को तुरंत अस्पताल में भर्ती करने और उन्हें पर्याप्त इलाज मुहैया कराने के वास्ते आप सरकार को निर्देश देने के लिए दायर जनहित याचिका में अहम तथ्यों की कमी है।

न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कि अगर उन्होंने कोई और याचिका यूं ही दायर

याचिकाकर्ता, उपभोक्ता अधिकार कार्यकर्ता बेजॉन कुमार मिश्र ने अपनी याचिका वापस ले ली और कहा कि वह सामग्री के साथ एक बेहतर याचिका दायर करेंगे। पीठ ने अपने आदेश में कहा, कुछ दलीलों के बाद, याचिकाकर्ता के वकील ने रिट याचिका को वापस लेने की

सुनवाई करते हुए, याचिकाकर्ता को चेतावनी दी अनुमित मांगी। हम पाते हैं कि इसमें मामले के गुण-दोष को प्रभावित करने वाले अहम तथ्यों का दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि कोरोना की तो अदालत का वक्त जाया करने के लिए अभाव है। उन्होंने कहा कि वह अहम तथ्यों के

साथ एक बेहतर याचिका दायर करेंगे। अदालत ने कहा कि लिहाजा याचिका वापस लेने की इजाजत के साथ खारिज की जाती है। पीठ ने कहा, हम साफ कर दें कि अगर याचिकाकर्ता ने यूं ही कोई दूसरी याचिका दायर हैं। की तो अदालत का समय व्यर्थ करने के लिए उनपर जर्माना लगाया जाएगा।

# 'कुड़ामुक्त पांच सितारा' शहरों में राजकोट, इंदौर, नवी मुंबई शामिल

### दिल्ली को मिली तीन सितारा रेटिंग

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

सरकार ने मंगलवार को कचरा प्रबंधन के लिए शहरों की रेटिंग जारी करते हुए छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर और मध्य प्रदेश के इंदौर सहित छह शहरों को 'कड़ा मुक्त पांच सितारा शहर' घोषित किया। केंद्र ने कहा कि कोविड-19 महामारी से निपटने में स्वच्छ भारत मिशन सबसे बडी ताकत है।

आवास एवं शहरी मामलों के केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कुड़ा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग के परिणामों की घोषणा की। कुल 141 शहरों की रेटिंग हुई है इनमें छह को पांच सितारा, 65 को तीन सितारा और 70 को एक सितारा मिला है। अंबिकापुर और इंदौर के अलावा गुजरात के राजकोट और सुरत, कर्नाटक के मैसूर और महाराष्ट्र के नवी मुंबई को भी पांच सितारा रेटिंग मिला है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली, करनाल, चंडीगढ़, आंध्र प्रदेश का तिरुपति, विजयवाड़ा, छत्तीसगढ़ का भिलाई नगर और गुजरात का अमदाबाद, मध्य प्रदेश का भोपाल और झारखंड का जमशेदपुर 'तीन सितारा कूड़ा मुक्त रेटिंग' वाले शहरों में

वहीं दिल्ली छावनी, रोहतक (हरियाणा), ग्वालियर, वडोदरा, भावनगर उन शहरों में • 141 शहरों की हुई रेटिंग, छह को पांच सितारा, 65 को तीन सितारा और 70 को मिला एक सितारा

• सितारा रेटिंग आकलन के लिए 1435 शहरों ने किया था आवेदन

शामिल हैं जिन्हें कुड़ा मुक्त होने के संबंध में एक सितारा दिया गया है। पुरी ने कहा कि कोविड-19 संकट के कारण सफाई और प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन महत्त्वपर्ण है। उन्होंने कहा, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी अगर शहरी इलाके में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए पिछले पांच साल में स्वच्छ भारत मिशन की महत्त्वपूर्ण भूमिका नहीं होती तो मौजूदा (कोविड-19 से पैदा) स्थिति और खराब होती।

आवास और शहरी मामलों के सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने कहा कि सितारा रेटिंग आकलन के लिए 1435 शहरों ने आवेदन किया था। उन्होंने कहा कि कवायद के दौरान 1.19 करोड नागरिकों की प्रतिक्रिया. 10 लाख से ज्यादा संग्रहित तस्वीरों का मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा मूल्यांकन करने वाले 1210 लोगों ने 5175 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों का निरीक्षण किया।

# श्रमिक के बेटे का जन्मदिन मनाने केक लेकर पहुंचे एएसपी

हापुड़, 19 मई (भाषा)।

पर्णबंदी के बीच दिल्ली से आजमगढ के पैदल सफर पर परिवार के साथ निकले प्रवासी मजदूर देवीदीन को मंगलवार को यहां पुलिस का मानवीय चेहरा देखने को मिला, जब उसके बच्चे का जन्मदिन मनाने खुद एएसपी केक लेकर पहुंच गए।

राजमार्ग से गुजर रहे इस प्रवासी श्रमिक के परिवार ने जब पुलिस को बताया कि उनके बेटे का आज जन्मदिन है और उनको घर पहुंचने की जल्दी है तो जनपद हापुड़ के एएसपी अपनी टीम के साथ खुद केक लेकर मौके पर पहुंचे और बच्चे का जन्मदिन मनाया। देवीदीन अपनी पत्नी लक्ष्मी और बेटे आशीष के साथ दिल्ली से

आजमगढ जाने के लिए दो दिन से पैदल यात्रा कर रहे थे। मंगलवार की सुबह बृजघाट पार्किंग में पहुंचने के बाद अपने घर जाने के लिए पुलिसकर्मियों से जल्दी जाने के लिए आग्रह किया। पुलिसकर्मियों के पूछने पर बेटे के जन्मदिन की बात कही। पुलिसकर्मियों ने जन्मदिन की बात जिले के उच्च अधिकारियों को बताई तो मौके पर जिले के एएसपी सर्वेश मिश्रा पहुंचे और सभी के साथ अखिल का केक काटकर 13वां जन्मदिन मनाया। एएसपी सर्वेश मिश्रा ने कहा कि देश संकट की घडी में है. बच्चे भगवान का रूप होते हैं। इस मौके पर उप जिलाधिकारी विजय वर्धन तोमर. गढ कोतवाल राजपाल तोमर, चौकी प्रभारी सत्यपाल सिंह सहित कई अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

नायर अस्पताल कोरोना के इलाज के लिए समर्पित

और भी हैं बीमारियां

केईएम के 400 बिस्तर कोरोना के लिए आरक्षित

## मुंबई के सरकारी अस्पतालों में गैरकोरोना मरीजों की लगीं कतारें निजी अस्पताल गर्भवती महिलाओं को भेज रहे हैं सरकारी अस्पतालों में

मुंबई , 19 मई (भाषा)।

मुंबई के अस्पताल कोरोना विषाण के बढ़ते मामलों से जुझ रहे हैं वहीं निगम और राज्य सरकार के अस्पतालों के बाह्य रोगी विभागों (ओपीडी) में इलाज के लिए गैर कोविड-19 मरीजों की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। मई के पहले हफ्ते से मुंबई में कोविड-19 के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इससे राज्य और निगम संचालित अस्पतालों पर दबाव ही नहीं बढ़ा है बल्कि गैर कोविड-19 मरीजों खासकर गर्भवती महिलाओं की उपेक्षा हो रही है।

सरकारी केईएम अस्पताल और इसके बगल में बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा

• मुंबई के सभी सरकारी अस्पतालों में प्रसव के मामलों में इजाफा हुआ

संचालित नायर अस्पताल अध्ययन का विषय हो सकते हैं कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण अस्पतालों के संसाधन कितने सीमित हो चुके हैं। नायर अस्पताल को कोविड-19 के मरीजों के लिए समर्पित कर दिया गया और मरीजों से अस्पताल के पूरी तरह भर जाने पर सरकार ने संक्रमण से प्रभावित लोगों के इलाज के लिए केईएम अस्पताल में 400 बेड को आरक्षित कर दिया। इससे गैर कोविड-19 मरीजों पर गहरा असर पड़ा है। ऐसे में अस्पताल की ओपीडी

में आने वाले मरीजों की लंबी-लंबी कतारें

लग रही है । केईएम अस्पताल के डीन डॉ हेमंत देशमुख ने बताया, 'हम मरीजों को मना नहीं कर सकते। हालांकि, बेड की उपलब्धता बड़ी चुनौती है । अपने बीमार परिजन के लिए बेड पाने की उम्मीद में कई लोगों को रात तक इंतजार करना पड़ा।' अधिकारी ने बताया कि राज्य प्रशासन पर कोविड-19 के मरीजों के वास्ते और चिकित्सा सुविधा तैयार करने का भी काफी दबाव है। मौजूदा

अस्पतालों के अलावा सरकार ने शहर में कोई कोविड-19 उपचार केंद्र तैयार नहीं किया। सबसे ज्यादा गर्भवती महिलाओं को दिक्कतें हो रही हैं।

स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, 'गैर कोविड-19 मरीजों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है लेकिन प्रशासन को गर्भवती महिलाओं के मुद्दे के समाधान के लिए जूझना पड़ रहा है क्योंकि निजी अस्पतालों में उन्हें मना कर दिया जाता है और सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने को कहा जाता है।' मुंबई में निगम और राज्य सरकार के लगभग सभी अस्पतालों में प्रसव की संख्या में इजाफा हुआ है क्योंकि निजी अस्पताल उन्हें सरकारी केंद्रों में भेज देते हैं।

# ै जनसता

## महामारी की मार

क्लेप लिया गया था कि इक्कीस दिन की पहली पूर्णबंदी के जरिए कोरोना संक्रमण का चक्र तोड़ने में कामयाबी पा लेंगे। मगर मामले बढते रहे और स्वाभाविक ही राज्य सरकारों की घबराहट भी बढ़ गई। नतीजतन बंदी को आगे बढ़ाना पड़ा। अब इसका चौथा चरण चल रहा है। मगर संक्रमण की रफ्तार लगातार बढ़ी हुई ही दर्ज हो रही है। अब संक्रमितों की संख्या एक लाख से ऊपर पहुंच गई है। चिंता की बात यह है कि हर दो दिन में दस हजार के आंकड़े पार हो जाते हैं। जाहिर है, इस संक्रमण को रोकने के लिए जैसी तैयारी होनी चाहिए थी, वह अब तक नहीं हो पाई। कुछ लोगों का तर्क है कि पहले जांच की रफ्तार धीमी थी, इसलिए संक्रमितों की पहचान भी कम हो पा रही थी। पर जैसे-जैसे जांच में तेजी आ रही है, वैसे-वैसे कोरोना संक्रमण के मामले भी बढ़े हुए दर्ज हो रहे हैं। फिर यह भी तर्क है कि एक समय ऐसा आता ही है जब संक्रमितों की संख्या शीर्ष पर पहुंचती है और फिर धीरे-धीरे सपाट होकर नीचे का रुख कर लेती है। पर कुछ स्वास्थ्य विशेषज्ञों का दावा है कि जून-जुलाई के महीने में संक्रमण अपने चरम पर पहुंचेगा और फिर नीचे उतरना शुरू करेगा। यानी अगले दो महीने अभी और भयावह स्थिति रहने की आशंका है।

पूर्णबंदी के चलते अर्थव्यवस्था पर पड़ती मार को देखते हुए बंदी के चौथे चरण में काफी हद तक व्यावसायिक गतिविधियों को खोल दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि कोरोना का प्रभाव लंबे समय तक बना रहेगा, इसलिए इसके साथ ही हमें जीने की आदत डालनी होगी। यानी खुद एहतियात बरतनी होगी। सामाजिक दूरी और मुंह ढंक कर रखने जैसी आदतें विकसित करनी होंगी। पर जिस तरह शहरों और औद्योगिक नगरों से बड़े पैमाने पर प्रवासी श्रमिकों की घर वापसी का सिलसिला शुरू हुआ है, उससे सरकारों की चुनौतियां और बढ़ गई हैं। फिर बाजार खुलने से भी इसके संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। अभी तक तो लोग घरों में बंद थे, जब वे बाहर निकलेंगे, तो संक्रमण का संचार बढ़ने का खतरा और बढ़ेगा। जो श्रमिक अपने गांव-घर पहुंच रहे हैं, उनके जरिए वहां भी संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में सामुदायिक संक्रमण का भय स्वाभाविक है। अभी तक अच्छी बात यह है कि इलाज के बाद स्वस्थ होने वाले संक्रमितों की संख्या भरोसा पैदा करती है। मगर दूर-दराज के गांवों में संक्रमण फैलना शुरू हुआ, तो उसे संभालना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती साबित होगा।

अभी तक इस विषाणु का कोई कारगर टीका नहीं बन पाया है, इसलिए चिकित्सकों के सामने कठिन स्थिति है। निजी सुरक्षा के लिए समुचित पहनावे आदि की गुणवत्ता और उपलब्धता को लेकर भी शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। इस वजह से चिकित्साकर्मियों, पुलिसकर्मियों और कोरोना से लड़ने के लिए तैनात दूसरे कर्मचारियों के संक्रमित होने का सिलसिला बंद नहीं हुआ है। शहरों से गांवों की तरफ लौट रहे लोगों की बेकली जहां-तहां भीड़ के रूप में प्रकट हो जा रही है। उन्हें सही ढंग से वापस भेजने, बेरोजगार हुए लोगों को भोजन आदि उपलब्ध कराने में सरकारों के पसीने छूट रहे हैं। एक शिकायत यह भी है कि जांच और इलाज में अब भी अपेक्षित तेजी नहीं आ पाई है। ऐसी तैयारियों के साथ सरकारें कोरोना संक्रमितों की संख्या रोक पाने में कहां तक कामयाब हो पाएंगी, कहना मुश्किल है।

## साख और जाच

रोना महामारी के दौर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की भूमिका पर जिस तरह सवाल उठे हैं, उससे इस वैश्विक संस्था की साख को गहरा धक्का पहुंचा है। पिछले दो महीने से दुनिया के कई देश मांग कर रहे हैं कि चीन की तरफदारी करने के लिए डब्ल्यूएचओ की जांच होनी चाहिए। इस बात पर अब डब्ल्यूएचओ महानिदेशक ने सहमित दे दी है और अब इस संस्था की भूमिका और कोरोना की उत्पत्ति को लेकर वैज्ञानिक और विशेषज्ञ हर स्तर पर, हर कोण से जांच कर बताएंगे कि आखिर हुआ क्या और कहां डब्ल्यूएचओ विफल रहा। डब्ल्यूएचओ पर सबसे बड़ा आरोप यही लगा है कि उसने जानते-बूझते दुनिया को कोरोना महामारी के बारे में पहले से सतर्क नहीं किया और इसी का नतीजा रहा कि लगभग सभी देश इस महामारी की चपेट में आ गए और बचाव के लिए पहले से कोई तैयारी नहीं कर पाए। आरोप यह भी है कि डब्ल्यूएचओ ने ऐसा चीन के दबाव में किया। पर जो हो, अब जांच होगी और हकीकत सामने आएगी, इसकी उम्मीद की जानी चाहिए।

लेकिन अब ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि यह जांच कितनी निष्पक्ष होगी ? कौन इसमें सक्रिय तौर पर हिस्सा लेगा और कौन परदे के पीछे से इसमें अपनी भूमिका निभाएगा? हालांकि यह किसी से छिपा नहीं है कि डब्ल्यूएचओ की घेराबंदी दुनिया के दो ताकतवर मुल्कों की लडाई का नतीजा है। चीन और अमेरिका के बीच अरसे से व्यापार युद्ध को लेकर जिस तरह से ठनी हुई है, उसे लेकर दोनों देश किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। जिनेवा में ऑनलाइन हुई डब्ल्यूएचओ की बैठक में जिस तरह का प्रस्ताव पेश किया गया और जिस तरह उसके समर्थन में कुछ देश उतरे, वह कम हैरान करने वाला नहीं है। बैठक के पहले दिन यूरोपीय संघ ने डब्ल्यूएचओ के खिलाफ जांच का प्रस्ताव पेश किया और भारत, रूस, तुर्की, सऊदी अरब, ब्रिटेन, मलेशिया सहित कई देशों ने इसका समर्थन किया। लेकिन इस प्रस्ताव में न चीन का कहीं नाम लिया गया है और न ही अमेरिका का नाम है। सवाल है कि अमेरिका ने क्यों नहीं इस प्रस्ताव का समर्थन किया। जबिक अमेरिका खुद यह कहता रहा है कि वह किसी भी सूरत में कोरोना विषाणु की उत्पत्ति का पता लगा कर रहेगा।

चीन और अमेरिका के बीच लड़ाई खत्म होने वाली नहीं है। अब अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ पर इस बात के लिए निशाना साधा है कि उसने अपनी बैठक में ताइवान को नहीं बुलाया और यह कदम भी उसने चीन के इशारे पर ही उठाया। चीन ताइवान को स्वंतत्र राष्ट्र नहीं, बल्कि अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका उसे एक संप्रभु देश कहता आया है। जाहिर है, अमेरिका का मकसद डब्ल्यूएचओ के जरिए चीन को घेरने की है। इस वक्त दुनिया के जिम्मेदार राष्ट्रों को दो देशों की राजनीति और तनातनी से अलग हट कर ऐसे प्रयास करने होंगे, जिससे डब्ल्यूएचओं के अस्तित्व पर कोई आंच न आए। डब्ल्यूएचओ वैश्विक संस्था है, जिसका काम दुनिया के सभी सदस्य देशों, खासकर विकासशील और गरीब देशों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े अभियानों में मदद करना है। स्वास्थ्य संबंधी वैशिवक मानक यही संस्था तय करती है, जिसका संबंधित देश पालन करते हैं। लेकिन यह संस्था जिस तरह विवादों में आ गई है, उससे सबसे बड़ी मुश्किल यह खड़ी होगी कि अब इस संस्था को ज्यादातर देश संदेह की नजर से देखेंगे। ऐसे में डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने जांच कराने का फैसला कर सही कदम उठाया है।

### कल्पमधा

अमीर गरीब सबकी जरूरतें होती हैं, इसलिए वे गरीब होते हैं। अमीरों की जरूरतें ज्यादा होती हैं, इसलिए वे दूसरों की अपेक्षा गरीब भी ज्यादा होते हैं। - शेख सादी

# चीन की शह पर उछलता नेपाल

ब्रहमदीप अलूने

नेपाल भारत पर से अपनी निर्भरता कम करना चाहता है और इसके पीछे उसकी स्पष्ट नीति रही है कि चीन नेपाल में सड़कों, रेलमार्गी, बंदरगाहों और औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण में भारी निवेश करेगा। इस समय नेपाल के स्कूलों में चीनी भाषा मंदारिन को पढ़ाना अनिवार्य कर दिया गया है और इस भाषा को पढ़ाने वाले शिक्षकों के वेतन का खर्चा नेपाल स्थित चीन का दूतावास उठा रहा है।

स्मिन्यवाद की हिंसक और कुटिल विचारधारा का ह्यजीयो और जीने दोह्न की मानवीय विचारधारा से कोई सामीप्य नहीं हो सकता, लेकिन भौगोलिक परिस्थितियों की विषमताओं और भिन्नताओं के अनुसार राष्ट्रीय हितों की अभिवृद्धि करना किसी भी संप्रभु राष्ट्र की मजबूरी होती है। भारत के उत्तर पूर्व में स्थित नेपाल सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिमालय की ओर से आने वाली अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने और अपने पारंपरिक प्रतिहृंद्धी चीन को रोकने के लिए भारत के लिए नेपाल से मजबूत रिश्तों और उनका सुरक्षित रहना अनिवार्य माना जाता है। भारत से सांस्कृतिक, भौगोलिक, आर्थिक और सामाजिक मजबृत संबंधों के बाद भी यह देखा गया है कि नेपाल की विदेश नीति लगातार भारत की सामरिक अनिवार्यता को नजरअंदाज करने को तत्पर रहती है। दरअसल, इस समय कालापानी की जमीन को

लेकर नेपाल का आक्रामक रुख उसकी उन नीतियों

की पृष्टि करता है जिसके अनुसार भारत विरोध उसकी राष्ट्रीय राजनीति का एक अहम हिस्सा बन गया है। नेपाल के पश्चिमी छोर पर स्थित कालापानी भारत के उत्तराखंड राज्य में स्थित है। नेपाल और तिब्बत से लगा यह समूचा इलाका भारत के लिए सामरिक दृष्टि से बेहद महत्त्वपूर्ण है। करीब तीन सौ बहत्तर वर्ग किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र में फिलहाल भारत का नियंत्रण है, लेकिन नेपाल ने इस पर दावा कर इसे विवादित बनाने की कोशिश की है। कैलाश पर्वत और मानसरोवर कि धार्मिक यात्रा के साथ प्राचीनकाल से व्यापारियों और तीर्थयात्रियों के लिए यह आवागमन का मार्ग है जो भारत और तिब्बत को जोडता है। भारत और नेपाल के बीच सामरिक रिश्तों का बड़ा

आधार दोनों देशों के बीच 1950 में हुई शांति और मैत्री संधि है, जिसके अनुसार तिब्बत, नेपाल और भूटान के मध्य दरों पर भारत और नेपाली सैनिक संयुक्त रूप से नियुक्त किए जाने की बात है। यह भी

बेहद दिलचस्प है कि इस संधि के अंतर्गत ही काठमांडो में एक भारतीय सैनिक मिशन स्थापित किया गया था, जिसका कार्य नेपाली सेना को प्रशिक्षण देना था। लेकिन अब वही नेपाली सेना भारत को चुनौती देने का साहस करती हुई दिखाई दे रही है।

भारत के नेपाल के साथ विशिष्ट संबंध हैं और भारत की नीति उसे बरकरार रखने की है। तराई, जंगल, वन और नदियां भौगोलिक रूप से भारत और नेपाल को इस प्रकार जोड़ती हैं कि कई स्थानों पर यह अंदाजा लगाना मुश्किल होता है कि यह किस देश में है। यही कारण है कि दोनों देशों के नागरिक बेरोकटोक एक

दूसरे के यहां आते-जाते रहे हैं। रोटी-बेटी के संबंध हैं, दोनों देश एक दूसरे से सांस्कृतिक, भाषायी और आर्थिक संबंधों में गुंथे हुए हैं। भारत में बहने वाली अधिकांश निदयों का उदगम स्थल नेपाल में है, इसलिए नेपाल जल संसाधन और प्राकृतिक संसाधन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस प्रकार भारत और नेपाल एक दूसरे पर निर्भर हैं। भारत लगातार नेपाल के विकास में अपना अहम योगदान देता रहा है। कुछ साल पहले नेपाल में आए भूकंप के बाद उसके पुनर्निर्माण के लिए भारत ने बडी सहायता की थी, लेकिन नेपाल की वामपंथी सरकार ने इसके विपरीत परिणाम दिए।

भारत द्वारा चीन की महत्त्वाकांक्षी परियोजना- वन बेल्ट वन रोड का व्यापक विरोध नजरअंदाज करके नेपाल इस परियोजना में शामिल हो गया। नेपाल भारत

पर से अपनी निर्भरता कम करना चाहता है और इसके पीछे उसकी स्पष्ट नीति रही कि चीन नेपाल में सडकों, रेलमार्गों, बंदरगाहों और औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण में भारी निवेश करेगा। इस समय नेपाल के कई स्कूलों में चीनी भाषा मंदारिन को पढ़ाना अनिवार्य कर दिया गया है और इस भाषा को पढ़ाने वाले शिक्षकों के वेतन का खर्चा नेपाल स्थित चीन का दुतावास उठा रहा है। चीन और नेपाल के बीच रेल लाइन भी बिछाई गई, ताकि दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़े। अपने पहले कार्यकाल में भी प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चीन का दौरा किया था और व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके पीछे नेपाल की रणनीति यह थी की चीन तिब्बत से लगते हुए सड़कों का जाल फैलाए और नेपाल को भी जोड़े, जिससे भारत पर से उसकी निर्भरता कम हो। नेपाल और चीन के बीच तिब्बत के केरुंग से लेकर काठमांडू तक रेलवे लाइन बिछाने के समझौते के

मित्र हमारे मित्र हैं और नेपाल के शत्र हमारे शत्र।

भारत ने नेपाल की बेहतरी के लिए अपने दरवाजे हमेशा खुले रखे हैं। अभी तक नेपाल भारत के लिए एक ऐसे भुभाग से जुड़ा देश है जिसका लगभग सारा आयात और निर्यात भारत से होकर जाता है। भारत के कोलकाता और अन्य बंदरगाहों से नेपाल को व्यापार सविधा और भारत होकर उस व्यापार के लिए पारगमन की सुविधा प्रदान की गई है। लेकिन पिछले कुछ सालों से नेपाल की राजनीति में वामपंथी विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टियों का प्रभाव बढने से इसका असर भारत नेपाल रिश्तों पर पडा है। इस समय नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली जिस वामपंथी गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं, उसमें यूसीपीएन-माओवादी जैसे चीन समर्थित दल शामिल हैं। ओली पुराने मुद्दों को उभार कर नेपाल में भारत विरोध को बढ़ाने की अपनी राजनीतिक विचारधारा को हवा देते रहे हैं।

> नेपाल 1816 में ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच हुई सुगौली संधि को आधार बताता रहा है, वहीं भारत 1950 की शांति और मैत्री संधि को प्राथमिकता देता है। सुगौली संधि जो अब पूरी तरह से अप्रासंगिक हो चुकी है, के अनुसार काली नदी को पश्चिमी सीमा पर ईस्ट इंडिया और नेपाल के बीच रेखांकित किया गया था, जबकि 1962 में भारत और चीन में युद्ध हुआ तो भारतीय सेना ने कालापानी में चौकी बनाई, यह स्थिति इस समय भी बनी हुई है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ओली ने भारत के नए नक्शे का विरोध कर भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न की। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद भारत ने

नया नक्शा जारी किया था। चीन ने नेपाल में व्यारत स्तर पर परियोजनाएं शुरू करके अपने प्रभाव को भारत के तराई क्षेत्रों तक बनाने में कामयाबी हासिल कर ली है। इसके साथ ही वह नेपाली कम्युनिस्ट और माओवादी गुटों को आर्थिक और सैन्य मदद देकर भारत विरोधी भावनाएं भड़काने की साजिशें रचने में कामयाब होता दिख रहा है। पूर्वकाल से ही नेपाल के राजा महाराजाओं ने अपने देश की पहचान को भारत से अलग रखने के लिए कई कोशिशें की है। यह सब जानते हुए भी भारत ने नेपाल को लेकर लगातार बेहद उदार रवैया अपनाया, लेकिन इस समय भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए नेपाल को सख्त संदेश देने की यथार्थवादी नीति

अपनाने पर विचार करना चाहिए।

बाद चीन की स्थिति बेहद मजबत हो गई है और वह भारत की उत्तरी पूर्व की सीमा के और नजदीक तक आ जाने की स्थिति में आ गया है। इस प्रकार नेपाल चीन की भारत को घेरने की नीति में मददगार बन गया है।

कालापानी सहित पूर्वोत्तर के सरहदी इलाके और भारत-तिब्बत के बीच स्थित नेपाल की सुरक्षा भारत के लिए संवेदनशील विषय रहा है। चालीस के दशक में भारत की आजादी और चीन में साम्यवाद के उभार के समय भारत और चीन के संबंध बेहद मधुर थे, लेकिन इसके बाद भी भारत ने नेपाल के सामरिक महत्त्व को समझते हुए नेपाली सीमा पर अपने सैनिक तैनात किए और नेपाली सेना का आधुनिकीकरण भी किया। भारत के पहले राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद ने 1956 में अपनी नेपाल यात्रा के दौरान यह साफ कहा था कि नेपाल के

# उम्मीद की किरण

### बुजमोहन आचार्य

कि सी शायर ने कहा है कि 'हो के मायूस न आंगन से उखाड़ो पौधे, धूप बरसी है तो बारिश भी यहीं पर होगी।' कुछ भी हो जाए, पूर्णबंदी से बेपटरी हुई देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और देश वापस उसी पटरी पर दौड़ने लगेगा। यह सही है कि इस समय देश और दुनिया को महामारी से निपटने की दरकार है। उसके बाद ही आर्थिक सुधार की उम्मीद की जा सकती है। इसके चलते दुनिया में आर्थिक गाडी के पहिए एकदम से थम गए हैं। विश्व के अधिकांश देशों में लोगों को काम नहीं मिल रहा है। हर तरफ उदासी और मायुसी का आलम है। श्रमिक तो क्या, धनाढ्य वर्ग भी चिंता के सागर में हिचकोले खा रहा है। जहां कहीं बैठते हैं या कहीं चर्चा होती है, तो देश के आर्थिक हालत बहस का मुख्य मुद्दा होती है और इस बहस का कोई अंतिम छोर निकलता नजर नहीं आता है। हालांकि देश और दुनिया में किसी न किसी कारणों से आर्थिक संकट उत्पन्न होता है और इसके हल भी खोजे जाते हैं। इस समय आर्थिक बदहाली अपने देश के लोग झेल रहे हैं। ऐसी स्थिति तो नोटबंदी के

दौरान भी नजर नहीं आई थी। हालांकि उस वक्त लोग नोट बदलवाने के लिए सुबह से शाम तक लंबी कतार में खड़े रहते थे और उन्हें एक सीमा तक रुपयों की अदला-बदली करने का मौका मिल जाता, लेकिन इस समय जो हालात पैदा हुए हैं, उनसे निपटने के लिए लंबा समय गुजारना पड़ेगा।

यह सही है कि इतिहास भविष्य तय करता है, लेकिन अभी तो इतिहास स्वयं दफ्न हो चुका है।

ऐसा नहीं कि देश में कोरोना दुनिया मेरे आगे की वजह से ही आर्थिक गाड़ी बेपटरी हुई है। आजादी से पहले भी आर्थिक हालात विकट हुए थे। लेकिन उस समय देश के नेताओं ने इन हालात को सुधारने के बजाय आजादी का झंडा फहराने का सपना संजोया हुआ था, जिसे पुरा किया गया था। आजादी से पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश की आर्थिक गाडी का संचालन अपने हाथों में ले लिया था और अपनी मर्जी के मुताबिक इसे घुमाती रही। इतिहास के पन्नों को पलटते हैं तो ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश में ऐसा काम किया जो न भूतो न भविष्यति हुआ। जब देश आजाद हुआ तब जाकर आर्थिक स्थिति में सुधार होता नजर आया। पर बढ़ती बेरोजगारी और

जनसंख्या में इजाफा होने के कारण यह सधार भी

बौना नजर आने लगा। इसी तरह 1943 में बंगाल में पड़े भयंकर अकाल से भी आर्थिक स्थिति डांवाडोल हो गई थी। इस अकाल में करीब तीन लाख लोगों के मरने की जानकारी थी। इसके बाद देश के कई हिस्सों में समय-समय पर अकाल का साया मंडराने लगता है और सरकारें काम के बदले अनाज योजना चला कर पीड़ितों का पेट भरने का इंतजाम करती हैं, लेकिन आदमी को जीवन में

केवल अनाज नहीं चाहिए,

उसकी अन्य आवश्यकताएं भी होती हैं, उनको भी पुरा करने की दरकार होती है। अमर्त्य सेन ने अकाल के संबंध में कहा था कि अकाल जटिल आर्थिक और सामाजिक ढांचे के विश्लेषण की मांग करता है। देश में जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपना साम्राज्य फैलाया, तो लोगों की नाराजगी सामने आने लगी थी। लेकिन जब नमक पर कर लगाया तो आर्थिक असंतोष का गुब्बारा फूट गया था। उस वक्त लोगों के गुस्से को देखते हुए महात्मा गांधी ने अठहत्तर सत्याग्रहियों को साथ लेकर 12 मार्च, 1930 को दांडी यात्रा शुरू कर दी, जो पांच अप्रैल 1930 को समाप्त हुई थी। यहां पर महात्मा गांधी ने एक चूटकी नमक बना कर नमक कानून तोड़ने की घोषणा की थी। नमक पर कर लगाना भी देश में आर्थिक मुद्दा बन गया था।

खैर, इस समय देश में जो आर्थिक हालात पैदा हुए हैं, उनसे निपटना नितांत आवश्यक है। इस वक्त मजदूरों का पलायन भी एक बड़ी समस्या बन गई है। देश की आर्थिक स्थिति में जितना योगदान बड़ी-बड़ी कंपनियों और धनाढ्य वर्ग का है, उससे कहीं अधिक इन श्रमिकों का भी है। सरकार ने कोरोना महामारी से निपटने के बाद वापस आर्थिक स्थिति को सुधारना ही पहली प्राथमिकता होगी। इसलिए छोटे-छोटे उद्योग-धंधों को बढावा और श्रमिकों को उनके शहर में ही काम की प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय स्तर पर कारखानों को बढ़ावा देना जरूरी है और स्थानीय व्यक्ति को ही इसमें काम पर लगाया जाए। इसके अलावा स्वदेशी विचार को बढ़ावा देना होगा। स्वदेशी के बल पर ही महात्मा गांधी ने विदेशी वस्तुओं की होली जलाई थी। उन्होंने कहा भी था 'स्वदेशी वह विचार और भावना है, जो अपने आसपास उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं तक उपभोग को सीमित करने की प्रेरणा देती है, उन वस्तओं के बजाय जो दर हैं।' स्वदेशी एक धार्मिक अनुशासन है, जिसकी पालना होनी चाहिए, भले ही इससे लोगों को असुविधा महसूस हो।

### निशाने पर मजदूर

भ कानून श्रमिकों को लाभ देने के लिए नहीं, बल्कि उनका शोषण रोकने के लिए बने हैं। मगर इसमें संसोधन करना, प्रावधानों को आंशिक या परी तरह निरस्त करना यही दशार्ता है कि सरकार पूरी तरह व्यापारियों, उद्योगपितयों, नियोक्ताओं के हितों के समर्थन में पूरी तरह से आ चुकी है। महामारी की आड़ में सरकार के पास पहले से ही असीमित अधिकार, आ चुके हैं। इसी के तहत कुछ राज्य सरकारों के माध्यम से श्रम कानून के प्रावधानों को निरस्त कराया जा रहा है। मजदूर यूनियनें विरोध की बातें तो कर रही हैं, जिसमें संघ से जुड़े बीएमएस ने आवाज उठाई है, लेकिन ये सब घडियाली आंस ज्यादा प्रतीत हो रहे हैं। इन बदलावों की गाज असंगठित क्षेत्र पर पड़ने वाला है। देश का नब्बे फीसद श्रम शक्ति असंगठित क्षेत्र में ही कार्यरत हैं। अफसोस कि इनके लिए कोई यूनियन पहले से नहीं है। माना जाता है कि जब जनता पर संकट आता है तब सरकार उनकी मदद के लिए हर मुमकिन प्रयास करती है। लेकिन यहां उलटा होता दिख रहा है। मजदूरों के हकों को कम करके शोषण को बढ़ावा देकर सरकार संकट में पड़ी हुई जनता के दुखों को और बढाने की कोशिश कर रही है।

• जंग बहादुर सिंह, गोलपहाड़ी, जमशेदपुर

### समन्वयं का तकाजा

वैश्विक महामारी के चलते देश में चौथी बार लॉकडाउन में बढ़ोतरी के बावजूद स्थिति गंभीर है। लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अत्यधिक लंबी बंदी देश की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित करती है। इसके साथ ही यह कोई भी देख सकता है कि मौजूदा हालात आप्रवासी मजदूरों,

दिहाडी कामगारों, बेरोजगारों और किसानों के लिए अकल्पनीय कठोर हालात पैदा करने वाले हैं। इसके लंबा खिंचने की वजह से देश में अकाल और भुखमरी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। सही सकती है, क्योंकि आम लोगों के बीच जागरूकता की वजह से स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सेवाएं देना अत्यधिक आसान हो जाता है। सरकार को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों का समुचित प्रयोग करके लोगों को जागरूक करना चाहिए।

गणराज्य जैसे तमाम देशों से बहत कछ सीखने की जरूरत है, क्योंकि इन देशों ने बेहतरीन समन्वय और टेस्टिंग के जरिए अपने देश की अर्थव्यवस्था को बचाते हुए इस वैश्विक महामारी को नियंत्रित किया मायनों में देखा जाए तो सामुदायिक स्तर की है। इन देशों की अर्थव्यवस्था सुधरी हुई है और जागरूकता ही हमें इस वैश्विक महामारी से बचा उनके हालात भी काफी हद तक ठीक हैं। भारत में आपसी समन्वय की बहुत कमी दिखी है, जिसका खामियाजा उन गरीब मजदूरों को उठाना पड़ रहा है जो अपने गंतव्य स्थानों की ओर पैदल या अन्य साधनों से जा रहे हैं।

योगेन्द्र गौतम, उन्नाव

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-८, सेक्टर-7, नोएडा २०१३०१, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

इस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए सबसे बढिया माध्यम जांच है। धीमी गति से जांच इस रोग से लड़ाई को मुश्किल बनाएगा। सरकार को सिरो-लॉजिकल जांच जो कि रक्त नमूनों पर आधारित होता है, उसी का सहारा लेना चाहिए। इसके जरिए हम बहुत जल्द टेस्टिंग कर सकते हैं। जिन क्षेत्रों को हॉटस्पॉट पाया गया है, वहां यह टेस्ट काफी उपयोगी सिद्ध साबित हो सकते हैं।

कोरोना के नियंत्रण में कई बार केंद्र और राज्य सरकारों में समन्वय की कमी दिखी है। कई राज्यों ने टेस्टिंग किट की कमी और निजी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार और दोषी ठहराया है। भारत को दक्षिण कोरिया, जापान, स्वीडन, ताइवान, हांगकांग और चेक

### अर्थव्यवस्था की गति

वर्तमान वैश्विक संकट ने पूरे विश्व की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। ऐसे में उत्पादन कार्य भी लगभग ठप है। लिहाजा पहले से ही सुस्ती की मार झेल रही भारतीय अर्थव्यवस्था अब संकट के दौर में प्रवेश कर चुकी है। हमारा ऋण जीडीपी का अनुपात पहले से ही अच्छा नहीं है। सरकार जीडीपी का 66.8 प्रतिशत कर्ज ले चुकी है, जो 136 लाख करोड़ से भी अधिक की राशि है। यानी आज के समय में प्रति व्यक्ति के हिसाब से देखा जाए तो हर भारतीय नागरिक पर एक-एक लाख का कर्जा है पिछले दो महीनों की तालाबंदी से ही सरकार को लगभग चार लाख करोड़ के राजस्व से भी हाथ धोना पडा है। यह सिलसिला आगे

भी कमोबेश जारी ही रहेगा। इसके अलावा सरकार गरीब कल्याण योजना में 1.7 लाख करोड़ भी पहले से ही दे चुकी है। ऐसे में आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से बैंकों, उद्योगों और लोगों की सहायता के लिए बीस लाख करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा उम्मीद जरूर पैदा करती है। हांलािक इसमें पूर्व की घोषणाओं के अतिरिक्त कितनी राशि दी जाएगी, यह अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो सका है। आशंका यही है कि कहीं इस पैकेज की घोषणा पहले की कई घोषणाओं की तरह महज वादा बन कर न रह जाए।

वीरेंद्र बहादुर पांडेय, गोंडा

### समातर प्रयास

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि हमें एडस वायरस की तरह बिना वैक्सीन के ही कोरोना वायरस के साथ जीना पड़ सकता है। ऐसे में कोरोना वायरस का एकमात्र उपचार बचाव ही उपचार रह जाता है। इसमें नागरिकों की भूमिका बढ़ जाती हैं। यह कहा जा सकता है कि पिछले तीन चरणों में नागरिकों ने अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन किया है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से संक्रमित रोगियों के आंकड़ों में भारी इजाफा हो रहा है, जो वाकई चिंताजनक है।

हालांकि राहत की बात यह है कि हमारे देश में संक्रमित मरीजों के ठीक होने की दर दुनिया के बाकी देशों से बेहतर हैं। लेकिन भारत के सामने दूसरा संकट यह उभर कर आ रहा है कि हाल में अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने देश में बढ़ती गरीबी के जो आंकड़े. जारी किए हैं, वह भारत के लिए काफी चिंताजनक और डरावने हैं। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने की सख्त दरकार है। सरकार को चाहिए कि वह इस संदर्भ में योजनाबद्ध ढंग से विशेष प्रयास करे, जिससे कि भुखमरी और बेकारी पर अंकुश लग सके।

अली खान, जैसलमेर



20 मई, 2020 7



चिकित्सा विभाग के आंकड़ों के अनुसार पहली पूर्णबंदी के 21 दिन में प्रदेश में 447 केस और 7 मौतें हुईं तो 75 मरीज ठीक भी हुए। पहली पूर्णबंदी में 8037 नमूने जांच के लिए गए। पूर्णबंदी के दूसरे चरण के 19 दिन में जांचें दोगुनी होकर 16834 हो गई तो मरीजों की संख्या ५४० । मौतों की संख्या ३३ हुई और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 325 रही। प्रदेश में तीसरे चरण के लाकडाउन के 14 दिन में 20496

नमूनों की जांच में 531 केस सामने आए 22 की मौत हुई और 455 मरीज ढीक होकर भी गए। प्रदेश में अब चौथे चरण में मिली रियायतों के तहत शहर में कई तरह की गतिविधियां शुरू भी हो गई हैं और इसका आगे देखने को मिल सकता है। प्रदेश में मंगलवार से ही कई सरकारी दफ्तरों में 50 फीसद उपस्थिति के साथ कामकाज शुरू भी हुआ और सड़कों पर वाहनों की रेलमपेल भी दिखी।

# मनुष्यता की मोत

मुकेश भारद्वाज

'मैंने अनवर इसलिए बांधी कलाई पर घड़ी वक्त पूछेंगे कई मजदूर भी रस्ते के बीच।'

मजदूरों तक मंत्री की वो आवाज नहीं पहुंचेगी कि आप उनका समय क्यों खराब कर रहे थे, लेकिन बहुतों के पास तो जिंदा रहने का भी समय नहीं था। उनके पेट और उम्मीदें इतने खाली थे कि चलने के अलावा और कुछ सोच भी नहीं सकते थे। जंगल को काट कर सीमेंट की जो सड़क बनाई थी चिलचिलाती धूप में नंगे पांवों को कोयले की तरह जला रही थी। पैर में चप्पल नहीं है लेकिन मुंह पर मास्क है। कोरोना काल में बिना मास्क चलना अपराध है तो देखिए ये कानून का कितना सम्मान करते हैं। वो आपकी मजबूरी समझते हैं कि नंगे पांव और खाली पेट चलना न तो अपराध घोषित होगा और न ही उसकी जिम्मेदारी तय होगी। एक स्त्री खाली पेट चल रही है और उसके गर्भ में एक और पेट खाली है। खाली पेट के अंदर का वो खाली पेट सोच रहा है कि मेरी मां मेरा बोझ ढोकर चल सकती है लेकिन उसकी भूख का बोझ उठानेवाली सभ्यता अब तक विकसित क्यों नहीं हो पा रही है, कहां जाकर मनुष्यता का गर्भपात हो रहा है।

कोरोना का संकट पूरी दुनिया का है। लेकिन भारत की सड़कों जितना अमानवीय रूप कहीं नहीं दिखा। जब विमान, रेल, गाड़ी सब बंद हो गए तो सड़कों पर छूटे हुए लोग चल पड़े। अभी तो दुनिया के सारे दृश्य उपग्रह में कैद हो रहे हैं। उपग्रह से बनी होगी तस्वीर पूर्णबंदी के समय चलना शुरू कर चुके मजदूरों की। उपग्रह से तो चींटी की तरह दिखे होंगे अभी, लेकिन हमने क्या नागरिक की तरह इन्हें कभी देखा भी था? बाजार और कारखाने की जरूरतों को पूरा करने के बाद चींटी की तरह असुविधाओं और बदइंतजामी के बिल में घुस जाते थे। पूर्णबंदी के समय जिम्मेदारों को नहीं दिखे ये बिल। घरों में सुरक्षित बैठ खाना खा रहे लोगों के उलट इनकी भूख का कोई इंतजाम नहीं था तो निकल पड़े अपनी उस मिट्टी की ओर जहां से उम्मीद है कि अब भी बूढ़ी मां हर शाम बनाती है उनके हिस्से की एक रोटी और सबह देती है गाय को। अगर घर तक पहुंच कर मर भी गए तो बढ़ा बाप देगा चिता को आग और कब्र की मिट्टी में होगी अपनों के आंसुओं की नमी। लेकिन बहुतों को तो यह भी नसीब कहां था कि अपनों के बीच मरें। मां को पता चला कि जो बेटा उसकी मीठी लोरी के बाद नरम गोद में मृश्किल से सोता था आज उसे जंगल के बीच लोहे की पटरी पर ऐसी नींद आई कि रेल से कट कर मर गया। रेल उसके बेटे को गांव तक नहीं पहंचा

सुनी सड़कों पर दम तोड़ते र्ये कौन लोग हैं? ये देश के नागरिक हैं, स्वतंत्र इंसान या उत्पादन का साधन भर यानी बंधुआ मजदूर? कारखाने का इजन चलाते, सड़क, बहुमंजिला इमारत बनाने के बाद इनकी क्या उपयोगिता थी? अगर कभी ये सड़क पर अपनी मांग को लेकर आते थे तो हम इन्हें नुकसान के रूप में ही देखने के आदी थे। लेकिन जब सब कुछ बद हो गया तो किसी ने भी इनके नुकसान के बारे में नहीं सोचा।



पाई लेकिन गांव तक पहुंचने में उसके थके शरीर को कुचलने जरूर पहुंच गई। गांव तक रेल लाई भी तो उसकी लाश। ट्रक में जानवर की तरह दब कर बैठ गए तो मंजिल पर पहुंचने से पहले मिली मौत। मजदूरों के पसीने से बनी सड़क जब उनके ही खून से लाल हो गई है तो इसका जिम्मेदार कौन, ये सवाल पूछना ही इनकी मौत का अपमान करना है। इनसे बड़ा शहीद कौन होगा जिन्होंने किसी से कुछ नहीं मांगा। हमारी जरूरतों को पूरा करनेवालों को जब हम बोझ समझने लगे तो पैदल चल पड़े सैकड़ों किलोमीटर दुर अपनी गर्भनाल के पास।

सूनी सड़कों पर दम तोड़ते ये कौन लोग हैं? ये देश के नागरिक हैं, स्वतंत्रे इंसान या उत्पादन का साधन भर यानी बंधुआ मजदूर? कारखाने का इंजन चलाते, सड़क, बहमंजिला इमारत बनाने के बाद इनकी क्या उपयोगिता थी? अगर कभी ये सडक पर अपनी मांग को लेकर आते थे तो हम इन्हें नुकसान के रूप में ही देखने के आदी थे। लेकिन जब सब कुछ बंद हो गया तो किसी ने भी इनके नुकसान के बारे में नहीं सोचा।

पुलिस की लाठी खाते और हादसों में मरते मजदूरों के प्रति राज्य की भूमिका को कैसे देखें ? सड़क पर निकले इन मजदूरों की यह संख्या करोड़ों में है। ज्यादातर मजदुर बिहार, बंगाल, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से पलायन कर आए हैं जिनकी आर्थिक हालत पहले से खस्ताहाल है। ये राज्य कृषि प्रधान हैं जहां लोगों को मौसमी रोजगार ही मिल सकता है। नवउदारवादी अर्थव्यवस्था के विकास ने बड़ी संख्या में गांवों पर निर्भर मजदरों को शहर भेज दिया। कछ तो पलायन होकर शहर पर निर्भर हो गए. स्थायी रोजगार में चले गए। लेकिन अभी भी बहत बडा तबका है जिसे सालों भर खेत में काम नहीं मिलता है। ऐसी स्थित में वह कछ समय के लिए बाहर निकलता है और खेती के समय में लौट जाता है। महानगरों में प्रवासी

मजदूरों की यह संख्या सबसे ज्यादा है जिनका यहां पर कोई सामाजिक दायरा नहीं है। न तो दुकानदार से कोई स्थायी जुड़ाव और न आस-पड़ोस में ऐसा रिश्ता जो मुसीबत में मदद करे। ज्यादातर ठेके पर हैं और किसी तरह से भी संगठित नहीं हैं। महानगर में लंबे समय तक नहीं रह सकते और अपना विकल्प अपनी जड़ों में ही देखते हैं। शहर में इतना भी आधार नहीं है कि कारखाना खुलने का इंतजार करें। दिहाड़ी करने वाले, भवन निर्माण से जुड़े मजदूरों की संख्या विशाल है और इन्हें तत्काल कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। इनका मालिक और ठेकेदार इन्हें छोड़ चुका है तो ये उस राज्य पर बोझ हैं। दूसरी तरह इनका मूल राज्य भी खस्ताहाल है। वे राज्य सोच रहे हैं कि इतनी बड़ी संख्या में आएंगे तो हम क्या करेंगे और संक्रमण फैलने का डर अलग से। यही वजह है कि ज्यादातर राज्य अपने मजदूरों को आने नहीं देना चाहते, और जिस राज्य में हैं वहां के मकान मालिक से लेकर सरकार तक उन्हें बोझ मान रहे हैं। ये कहीं भी वोट बैंक नहीं हैं तो किसी भी राजनीतिक दल के लिए खतरा भी नहीं हैं। इसलिए भाजपा से लेकर कांग्रेस इन्हें लेकर उदासीन बयानबाजी कर रही हैं। उत्तर प्रदेश में योगी जी का शुरुआती उत्साह गायब है और कांग्रेस तो देर करने की खास पहचान बन ही चुकी है।

ये मजदूर संगठित ताकत नहीं हैं इसलिए इनसे कोई नहीं डर रहा है। केंद्र और राज्य सरकारें मिल कर इन्हें बचाने की योजना बना सकती थीं। तीन महीने पहले ही इनके खातों में जीवन निर्वाहक रकम डाली जा सकती थी, इन्हें भुखे नहीं मरने देने का आश्वासन तो दिया ही जा सकता था। लेकिन राजनेता बस यही बोलते रहे कि यह राजनीति करने का समय नहीं है क्योंकि इन्हें पता है कि इसका कोई राजनीतिक नुकसान नहीं होगा। सड़क पर मरते, खुदकुशी करते लोगों के ऊपर सरकार को उस बाजार के लिए बेगार करने की जरूरत महसूस हुई जो कोरोना की छींक के साथ ही वेंटीलेटर पर जा चुका था। बाजार को बचाने के लिए एक राज्य ने श्रमिक ्ट्रेन तक रद्द कर दी ताकि मजदूर न लौट सकें और दूसरे राज्य ने इसे अपने मजदूरी को उपलब्धि घोषित कर दिया। सरकार ऐसी क्रूरता इसी भरीसे कर रही हैं क्योंकि उन्हें इस सर्वहारा से किसी तरह की हार मिलने का खौफ

मजदूरों पर राजनीति नहीं करने का राजनीतिक फायदा कितना होगा ये तो वक्त बताएगा। लेकिन इससे हुए मानवीय नुकसान को मानवीय सभ्यता दर्ज कर चुकी है। मनुष्यता के इतिहास में हमारी करारी हार लिख गए हैं शहर से हारे ये मजदुर।

# मरीजों और मौत ने झकझोर दिया

राजीव जैन

कोरोना संक्रमण के पूर्णबंदी के चौथे दौर में प्रवेश के साथ ही राजस्थान देश भर में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। प्रदेश में मंगलवार तक कोरोना मरीजों का आंकडा 5 हजार 629 को पार कर गया। राजस्थान के सबसे बडे दोनों शहर जयपुर और जोधपुर में कोरोना ने हालात को चिंताजनक बना दिया है। इसके साथ ही तालाबंदी के तीसरे चरण के आखिर में उदयपुर और आदिवासी बहुल डूंगरपुर जिले में कोरोना विस्फोट ने सरकार को भी सकते में डाल दिया। जयपुर जेल में तो करीब 150 कैदी और स्टाफ कोरोना से संक्रमित हो गए। प्रदेश के करीब 70 फीसद मरीज और इतनी ही मौतें इन दोनों शहरों की है। प्रदेश में तालाबंदश्रमिकों को लेकर बन गई है।

प्रदेश में अब तक ग्रीन जोन में शामिल राजस्थान कई जिले अब प्रवासी श्रमिकों के कोरोना संक्रमित पाए जाने पर ओरेंज जोन में आ गए हैं। प्रवासी श्रमिकों के कोरोना पीडित मिलने का सिलसिला शुरू होते ही मंगलवार सवेरे प्रदेश में जो 122 नए मरीज सामने आए, उनमें प्रवासियों की संख्या ही 103 है। इसके साथ ही चौथे चरण में मिली कई रियायतों के कारण अब कई इलाकों में आवाजाही भी बढ़ गई है तो दुकान शुरू हो गई हैं पर हालात अभी भी दूसरे और तीसरे चरण की तालाबंदी वाले ही दिख रहे हैं। जयपुर में तो रामगंज इलाके में ही शहर के 80 फीसद मरीज हैं। प्रदेश में मंगलवार सवेरे तक 5 हजार 629 मरीज सामने आ चुके थे और 139 मौतें हो गई थीं। तालाबंदी के तीसरे चरण में मिली रियायतों के बावजूद लोगों में अभी भी भय का माहौल बना हुआ है। प्रदेश में अब प्रवासी मजदुरों की आवाजाही का दौर

चलने से भी प्रशासन के साथ लोगों की चिंता बढ गई

है। प्रदेश में अन्य राज्यों से आने वाले मजदूरों को 14 दिन एकांतवास में रहने की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

प्रदेश के चिकित्सा विभाग के आंकडों के हिसाब से 33 में से 31 जिलों में कोरोना फैल चुका है। इनमें भी जयपुर और जोधपुर ही ऐसे जिले हैं जहां प्रदेश के 70 फीसद मरीज हैं। चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा का कहना है कि राज्य में अभी तक 2 लाख 43 हजार से ज्यादा जांचें हो गई हैं। इनमें भी 70 हजार से ज्यादा जयपुर और जोधपूर में हुई हैं। इसके साथ ही प्रदेश में ठीक होने वाले मरीजों की तादाद भी देश में सबसे ज्यादा है। जयपुर में 1625 मरीजों में से 983 ठीक हो गए हैं और अब 532 ही एक्टिव मरीज हैं। इसी तरह से जोधपुर में 1071 मरीज हैं और 787 ठीक हो चुके हैं।

> जयपुर के सबसे बड़े हाटस्पाट बने रामगंज इलाके में हालात नियंत्रण में है और बडी संख्या में लोगों को एकांतवास में भेज कर सफलता की तरफ कदम बढ़ाए गए हैं। सरकार का ध्यान अब जयपुर और जोधपुर में हालात संभालने पर है। प्रदेश में जांच का दायरा बढाया जा रहा है।

चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह का कहना है कि योजना बना कर कोरोना के हाटस्पाट पर लगातार निगरानी की जा रही है। जयपूर और जोधपुर के अलावा कोटा में 313, अजमेर में 257, टोंक 150, उदयपुर में 411, नागौर 190, भरतपुर 129 मामले होने से इन शहरों पर भी निगरानी रखी जा रही है। विभाग ने भीलवाड़ा जैसे छोटे शहर को मार्च और अप्रैल के मध्य में ही नियंत्रित कर लिया था। भीलवाड़ा में सोमवार को एक साथ 26 कोरोना मरीज मिलने से हड़कंप मच गया। इनमें ज्यादातर प्रवासी राजस्थानी ही है। राजस्थान में कोरोना मरीजों के इलाज को लेकर पूरी तरह से गंभीरता बरती जा रही है।

# उद्योग-धंधे और पर्यटन क्षेत्र तबाह

सुनील दत्त पाडेय

उत्तराखंड 22 मार्च से कोरोना महामारी के कारण पूर्णबंदी का दंश झेल रहा है जिस वजह राज्य की अर्थव्यवस्था पटरी से उतरती हुई दिखाई दे रही है। राज्य के उद्योग धंधे पर्यटन बागवानी खेती-बाडी धार्मिक तीर्थाटन ट्रैवल व्यवसाय और फिल्मोद्योग व्यवसाय पर बहुत विपरीत असर पड़ा है। राज्य के चारों धामों बद्रीनाथ केदारनाथ गंगोत्री यमुनोत्री के कपाट तो खुल गए हैं परंत् पूर्ण बंदी की वजह चारधाम के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं के आने पर पाबंदी लगी हुई है। सिखों के पवित्र धाम हेमकुंड साहिब के कपाट भी खुले ही नहीं है।

सावन के महीने में हरिद्वार ऋषिकेश में लगने वाले कांवड़ मेले पर भी अभी से प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। 15 दिन तक चलने वाले इस मेले में तीन से चार करोड़ तक लोग आते

हैं और करीब 2 अरब रुपए का स्थानीय व्यापारियों का व्यवसाय इस दौरान चलता है। उत्तराखंड की आर्थिक रीढ़ कहलाए जाने वाले सिडकुल औद्योगिक क्षेत्र वीरान पड़ा है। जिला उद्योग विभाग की महाप्रबंधक अंजलि रावत के मृताबिक हरिद्वार ,भगवानपूर ,लक्सर, देहरादुन ,पंतनगर ,रुद्रपुर में सिडकुल क्षेत्र में छोटे-बड़े उद्योग लगभग 64 हजार 827 की तादाद में है जिनमें करीब 4 लाख 50 हजार

की तादाद में लोग बाग काम करते हैं। उत्तराखंड सिडकुल मैन्युफैक्करर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग के मृताबिक राज्य में इस समय उद्योग 40 फीसद ही चल रहे हैं और जिनमें उत्पादन भी करीब 30 से 40 फीसद तक हो रहा है और पूर्णबंदी के बाद करीब 25 से 30 फीसद प्रवासी श्रमिक उत्तराखंड से अपने-अपने प्रदेशों में जा चुके हैं। पूर्ण बंदी के कारण उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, बिजनौर ,मुरादाबाद ,पीलीभीत से इन उद्योग

धंधों में काम करने वाले मजदुर भी नहीं आ पा रहे हैं। दुसरे माल की ढुलाई के साधन भी पूर्णबंदी के कारण उपलब्ध नहीं है। परंतु वही पूर्व बंदी के समय राज्य के दवा उद्योग ने दवा उत्पादन में महत्त्वपूर्ण सहयोग दिया है। सिडकुल हरिद्वार के एकम्स दवा उद्योग के प्रबंध निदेशक संदीप जैन का कहना है कि अन्य उद्योग धंधों के मुकाबले राज्य का दवा उद्योग पूर्णबंदी में अपनी क्षमताओं का करीब 70 से 80 फीसद इस्तेमाल करने में सफल रहे हैं और उत्तराखंड का दवा उद्योग देश के दवा उत्पादन में करीब का 20 से 25 फीसद योगदान करता है।

तीसरे चरण में कोरोना संक्रमित मरीजों की तादाद में एकदम उछाल आया और जो बढकर 104 हो गई। 12 मई से राज्य के विभिन्न प्रांतों में रह रहे उत्तराखंड प्रवासियों के आने का सिलसिला शुरू हुआ तब

से 8 दिन में कोरोना संक्रमित मरीजों की तादाद उत्तराखड में एकदम उछाल आया। 11 मई को राज्य में कोरोना संक्रमित मरीजों की तादाद 68 थी जिनमें से 46 ठीक होकर घर चले गए थे केवल

21 मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था और उत्तराखंड में ठीक होने वाले मरीजों का फीसद 67.65 था और जो घटकर 50 फीसद रह गया है। राज्य के 13 जिलों में से 6 पर्वतीय जिले बागेश्वर, चमोली ,चंपावत ,पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और टिहरी कोरोना महामारी से दूर थे परंत आज 8 दिन बाद केवल तीन पहाडी जिले ही पिथौरागढ़ ,रुद्रप्रयाग और टिहरी उत्तराखंड के मुख्य सचिव उत्पल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तराखंड के प्रवासियों में से 2 लाख 30 हजार 798 प्रवासियों ने राज्य में आने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया है जिनमें से 1 लाख 11 हजार 713 प्रवासियों को लाए जा चुके हैं। राज्य के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत का कहना हैं कि राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हमने वित्त विशेषज्ञों की एक समिति का गठन पूर्णबंदी के पहले चरण में किया था।

किसान बने कालोनाइजर, प्रवासियों का हुआ पलायन : कौन करेगा खेती?

### आत्मनिर्भरता से विकास की ओर

कोरोना के वैश्विक महामारी से लड़ते-लड़ते सरकार की भूमिका केवल इस महामारी से बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे भी निकाल कर देश को आगे चलाना है और बढ़ाना भी है। राजग सरकार ने पुरे देश में आत्मविश्वास जगाने का काम किया और मानसिक बल बढ़ाया।

केंद्र सरकार ने तात्कालिक सहायता के रूप में सरकारी प्रशासन के साथ जनता का भी सहयोग लिया और तुरंत राहत देने हेतु पीडीएस योजना के माध्यम से राशन की आपूर्ति की। मुफ्त राशन की घोषणा की। शेल्टर होम में रहने वाले सभी लोगों के लिए तीन वक्त खाने की व्यवस्था बना कर तुरंत राहत देने का काम किया।

सरकार ने केवल तात्कालिक ना सोच कर 20 लाख करोड इतनी बड़ी रकम जो देश की जीडीपी का 10 फीसद है, उसका प्रावधान इस आपदा के लिए किया है। फ्रांस, इटली, इंग्लैंड और चीन इन देशों की जीडीपी फीसद से बढ़कर यह रकम जनता को देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भरता का संकल्प भी लिया है। आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास की वृद्धि होती है और समृद्धि का रास्ता प्रशस्त होता है। स्वदेशी से समृद्धि और समृद्धि से सशक्त भारत का मुलमंत्र दिया गया है। करोड़ों रुपए उज्वला गैस की लाभार्थी महिलाओं के खाते में सीधे जमा हुई। किसानों के खातों में सम्मान राशि पहुंची। विधवाओं व वरिष्ठ नागरिकों के खाते में रकम गई। गरीब, मजदूर, किसान को केंद्र बिंदु में रखते हुए उद्योग व छोटे उद्योगों पर भी सरकार ने ध्यान दिया है।

भारत में 130 करोड़ का उपभोक्ता बाजार है और यही हमारा शक्तिपुंज है। हमारे पास जमीन है, काम करने वाले हाथ हैं, प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। हमने पहले ही स्किल इंडिया व मेक इन इंडिया को बढावा दिया है। हमारी आत्मनिर्भरता की बानगी यह है कि आज देश में 250 से ज्यादा मोबाइल तैयार करने की इंडस्ट्री काम कर रही हैं और इसके उत्पादन में हमारा विश्व में दूसरा नंबर है। केवल विदेशी गाड़ी की जगह स्वदेशी का उपयोग इतना ही इसका अर्थ नहीं है तो विदेशी गणवत्ता की गाडी का निर्माण इस देश में करने की बात उसमें निहित है। प्रवासी मजदूर, खेतिहर कामगार, देश का किसान, छोटा उद्यमी सभी प्रकार के लोगों को मदद के साथ साथ हिम्मत विश्वास और आगे जाने के लिए सहलियत का इजाफा सरकार ने दिया है। यह सही है कि हर बदलाव के पहले ठहराव जरूर आता है पर हम यहां रुकने वाले नहीं हैं।

**-श्याम जाजू,** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा

# लाखों मजदूरों के पलायन से उद्यमियों-किसानों की सांसें अटकी

संजीव चंडीगढ।

हरियाणा से पूर्णबंदी तीन के दौरान प्रवासी मजदुरों का पलायन लगातार जारी है। और अब चौथा चरण 31 मई तक जारी रहेगा। पैदल पलायन करने वालों को पंजाब अपनी सीमा से आगे हरियाणा की तरफ धकेल देता है और हरियाणा या तो उन्हें वापस भेज देता है या फिर आगे युपी व राजस्थान की सीमा में। तंत्र की मजबूरी के कारण पलायन करने वाले

प्रवासी मजदूर कई दिनों से दयनीय हालत में हैं और एक-दूसरे राज्यों के हारयाणा लिए फुटबाल बने हुए हैं। चुनाव के दौरान नेताओं के लिए बडा वोट बैंक बने इन प्रवासियों की तरफ अभी तक किसी ने ध्यान नहीं दिया है।

सरकार के दावे एक तरफ हैं और इन मजदूरों की बेबसी एक तरफ। हरियाणा से अब तक एक लाख 88 हजार प्रवासी मजदूर पलायन कर चुके हैं। हरियाणा से करीब नौ लाख प्रवासी मजदूरों ने अपने पैतृक राज्यों में जाने के लिए पंजीकरण

कराया है। पलायन करने वाले मजदूरों के साथ इनके बच्चे व परिवार भी हैं। इस पलायन के परिणाम हरियाणा को आने वाले कई सालों तक भगतने पड़ेंगे।

हरियाणा के उद्योग खाली हो चुके हैं और खेतों में धान की रोपाई करने के लिए कोई मजदूर नहीं मिल रहा है। हरियाणा के ज्यादातर सरकारी स्कूलों में इन्हीं प्रवासी मजदूरों के बच्चे पढ़ते थे। पलायन के कारण सरकारी स्कूलों के भविष्य पर भी तलवार लटक चुकी है।

भारतीय किसान यूनियन के प्रधान गुरनाम सिंह चढूनी बताते हैं कि इन दिनों खेतों के काम में भारी संकट पैदा हो गया है। गेहूं की कटाई तो मशीनों के साथ हो गई है लेकिन धान की रोपाई को लेकर संकट है।

किसानों के बच्चे पढे-लिखे होने के कारण खेतों से मुंह मोड़ चुके हैं और नौकरी वगैरह को तरजीह दे रहे हैं। चढ़नी बताते हैं कि हरियाणा में हर साल फरवरी माह में 60 हजार प्रवासी मजदुर यूपी व बिहार से आते हैं और गेहूं की कटाई व धान की रोपाई के बाद लौटते हैं। इस साल कोरोना के कारण यह प्रवासी भी

केंद्रीय पल में सर्वाधिक खाद्यान्न देने वाले राज्य पंजाब से प्रवासी मजदूरों के पलायन के बाद पंजाब पूरी तरह से खाली होता जा रहा है। राज्य की अमरिंदर सरकार इस दिशा में कोई प्रयास नहीं कर रही है कि इन मजदरों को यहीं पर रोक लिया जाए। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब में करीब 11 लाख प्रवासी मजदूर हैं। इनमें से छह लाख अकेले लुधियाना जिला में हैं।

पूर्णबंदी तीन में जब से पलायन शुरू हुआ है तब से दो लाख से अधिक प्रवासी मजदूर पंजाब छोड़कर जा चुके हैं। इससे पहले पूर्णबंदी के दूसरे चरण में पैदल तथा अपने वाहनों से चोरी-छिपे भी पंजाब से करीब 40,000 लोगों ने

पलायन किया है।

पंजाब से करीब 10 लाख लोगों ने पलायन के लिए पंजीकरण कराया है। सबसे ज्यादा मजदूर उत्तर प्रदेश, फिर बिहार, फिर मध्य प्रदेश, फिर उत्तरांचल और उड़ीसा के हैं। अगर पजाब सभी मजदूर पंजाब से चले जाते हैं तो यह यहां की किसानी तथा इंडस्ट्री के लिए बड़ा झटका होगा। पंजाब में ढाई लाख उद्योग हैं, जिनमें आधिकारिक रूप

से करीब 12 लाख लोग काम करते हैं। गैर पंजीकृत हैं वे अलग हैं। पंजाब में साइकिल के पुर्जे, ट्रैक्टर, मशीनरी टूल, नट बोल्ट, खराद,

सिलाई मशीनें वह इनके कल पूर्जे मुख्य तौर पर बनाए जाते हैं। विभिन्न अन्य किस्म के उत्पादों में हौजरी का सामान है। सामान तैयार

होकर असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, भूटान के लिए रेल और सड़क से भेजा जाता है।

पंजाब के राजनीतिक व कृषि मामलों के विशेषज्ञ केवल सिंह राणा मानते हैं कि पंजाब में ज्यादातर किसान खेतीबाडी छोडकर भवन निर्माण के कारोबार की तरफ आकर्षित हुए हैं। कई वर्षों से खेती का काम प्रवासी मजदर ही संभाल रहे हैं। अब इनके

पलायन से बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस पलायन को राजनीति से उपर उठकर रोकना होगा। पंजाबवासियों का हित इसी में है। इस पलायन को अगर नहीं रोका गया तो भविष्य में गंभीर परिणाम सामने होंगे।

हैंड टूल निर्यातक एसोसिएशन के प्रधान गुरशरण सिंह का कहना है कि पंजाब उद्योग का तो वैसे ही बुरा हाल है। ऊपर से कोरोना महामारी के कारण यहां से जाने वाले श्रमिक वापस आएंगे, इसमें संशय है। पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्टी पंजाब चैप्टर के उपदेशक आरएस सचदेवा के अनुसार मजदूर चले गए तो पंजाब के उद्योग तबाह हो जाएंगे।

हरियाणा में नहीं आए। हरियाणा सरकार ने प्रवासी मजदूरों के नाम पर केवल राजनीति की है। पहले सभी जिलों में प्रवासियों को एकत्रित कर लिया गया और फिर उन्हें भेजने के नाम पर राजनीति

की गई।

पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्टी हरियाणा चैप्टर के चेयरमैन एवं गुरुग्राम स्थित द माल्ट कंपनी के निदेशक मोहित जैन के अनुसार प्रवासी मजदूरों के कारण उद्योगों के सामने भी बड़ा संकट आ गया है। सरकार ने भले ही कार्यावधि आठ से बढ़ाकर 12 घंटे कर दी है लेकिन मजदुरों के अभाव में उद्योग खाली हो

चके हैं। आज हर श्रेणी के उद्योग के सामने कुशल व अकुशल मजदूरों का संकट है। सरकार को इस संकट के समाधान के लिए भी कुछ करना चाहिए।



# मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है: शिवराज

भोपाल, 19 मई (भाषा)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड-19 के कारण प्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है लेकिन राज्य सरकार ने जरूरतमंदों की सहायता के लिए 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में डाली है।

चौहान ने सोमवार रात दूरदर्शन के माध्यम से प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए कहा, कोरोना के कारण जब प्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई, तब हमने गरीबों, मजदूरों, किसानों, बच्चों, माताओं, बहनों आदि की सहायता के लिए 16,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में डाली है, जिससे समाज के किसी भी वर्ग को दिक्कत एवं तकलीफ न होने पाए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस संकट से ध्वस्त अर्थव्यवर-था को दोबारा खड़ा करने के लिए विभिन्न आर्थिक पैकेज दिए हैं। हम इन्हें आदर्श रूप से जमीन पर उतारेंगे।'

चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया है, हम उस पर चलकर मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाएंगे। इसके लिए खाका तैयार किया जा रहा है तथा उसे शीघ्र ही आपके समक्ष रखा जाएगा। सब मिल कर



कहा, हमें पूरी सावधानी के साथ एवं संतुलित रूप से चलना होगा जिससे कोरोना सक्रमण फैले नहीं और जिंदगी भी रफ्तार पकड़े। काम किंदन है परंतु हमारा हौसला बुलंद है।' जनता के हित में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारे प्रवासी मजूदर भाई-बहन बिल्कुल भी चिंता न करें। सभी को बसों एवं ट्रेनों से उनके घर तक पहुंचाया जा रहा है। इस काम के लिए 91 से अधिक ट्रेनों और हजारों बसें लगाई गई हैं।

मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें। हमें अभी कुछ समय और कोविड-19 के साथ जीना है और अपनी अर्थव्यवस्था को भी तक भी मजदूरों को पहुंचाया जा रहा है।' गति देना है।'

साथ एवं संतुलित रूप से चलना होगा जिससे कोरोना संक्रमण फैले नहीं और जिंदगी भी रफ्तार पकड़े। काम कठिन है परंतु हमारा हौसला बुलंद है।' जनता के हित में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारे प्रवासी मजूदर भाई-बहन बिल्कुल भी चिंता न करें। सभी को बसों एवं ट्रेनों से उनके घर तक पहुंचाया जा रहा है। इस काम के लिए

91 से अधिक ट्रेनों और हजारों बसें लगाई गई हैं। साथ ही प्रदेश के एक जिले से दूसरे जिले चौहान ने कहा, जिन मजदूर भाइयों के पास चौहान ने कहा, 'हमें पूरी सावधानी के राशन कार्ड नहीं है, उन्हें भी निशुल्क राशन दिया जा रहा है।

> जो कार्य करना चाहते हैं तथा जिनके पास जॉब कार्ड नहीं है, पंचायतों के माध्यम से उनका जॉब कार्ड बनवा कर उन्हें काम दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि ये संबल योजना के भी पात्र होंगे। संबल योजना गरीब का सुरक्षा कवच है जो उनकी हर आवश्यकता की पूर्ति करता है।

## तूफान 'अम्फान' से बंगाल और ओड़ीशा हाई अलर्ट पर

जनसत्ता <mark>ब्यूरो</mark> नई दिल्ली, 19 मई।

महाचक्रवात 'अम्फान' मंगलवार को पश्चिम बंगाल और ओडीशा में भारतीय तटों की ओर बढ़ा। इसके साथ ही पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर यह हल्का कमजोर होकर 'अत्यंत भीषण चक्रवाती तुफान' में तब्दील हो गया। तूफान के कारण पश्चिम बंगाल और ओड़ीशा में जोखिम वाले इलाकों से लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दोनों राज्य हाई अलर्ट पर हैं। चक्रवात के चलते तेज रफ्तार हवाएं चल रही हैं और ओड़ीशा के कई क्षेत्रों में बारिश हुई है।

गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने जानकारी दी कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और ओड़ीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से बात की और उन्हें स्थिति से निपटने में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश नदी क्षेत्र मोर्चे और इच्छामती नदी की सुरक्षा के लिए तैनात अपनी तीन चलती फिरती सीमा चौकियों या जहाज और 45 अन्य गश्ती नौकाओं को चक्रवात अम्फान के मद्देनजर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है। बीएसएफ का दक्षिण बंगाल फ्रंटियर इन जहाज और नौकाओं का इस्तेमाल इस क्षेत्र में 350 किलोमीटर लंबे नदी क्षेत्र की चौकसी के लिए करता है। चक्रवात ओड़ीशा के पारादीप से लगभग 520 किलोमीटर दक्षिण में और पश्चिम बंगाल के दीघा से 670 किलोमीटर दक्षिण–दक्षिणी पश्चिम में पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित है। यह 14 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर–उत्तरी पश्चिमी दिशा की ओर बढ़ रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि लगभग तीन लाख लोगों को राज्य के तटीय क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लोगों को चक्रवात आश्रय केंद्रों में भेजा गया है। तुफान की स्थिति को देखते हुए दोनों राज्यों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने 41 टीमें तैनात की हैं। अधिकारियों के मुताबिक, कोरोना विषाणु संक्रमण को देखते हुए लोगों के बीच शारीरिक दूरी बनाए रखने के नियम का पालन करने पर भी ध्यान रखा जा रहा है।

### श्रमिकों के लिए बसों को लेकर सस्ती राजनीति कर रही है योगी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि श्रमिकों के लिए उसकी ओर से एक हजार बसों की व्यवस्था किए जाने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार सस्ती राजनीति कर रही है और असंवेदनशीलता का परिचय दे रही है।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को श्रमिकों की सेवा से जुड़े कांग्रेस के प्रयास में 'गंगा की तरह मन साफ' करके सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रशासन को भेजे गए विवरण में टाइपिंग की कुछ गलती पर उत्तर प्रदेश के मंत्री सवाल उठा रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश की सीमा पर खड़ी सैकड़ों बसें उन्हें नजर नहीं आ रही हैं। सुरजेवाला ने वीडियो लिंक के माध्यम से कहा कि आदित्यनाथ जी कहते थे कि नर सेवा नारायण सेवा है, लेकिन अब वह मजदुरों की सेवा पर सस्ती राजनीति कर रहे हैं और असंवेदनशीलता दिखा रहे हैं।

### लद्दाख व उत्तर सिक्किम सीमा पर भारत और चीन ने तैनाती बढ़ाई

पेज 1 का बाकी

सैनिकों ने सीमा नियंत्रण उपाय मजबूत किए हैं। सरकारी 'ग्लोबल टाइम्स' ने सेना के अज्ञात सूत्रों के हवाले से खबर दी, 'गलवान घाटी क्षेत्र में चीनी क्षेत्र में हाल में भारत द्वारा अवैध रक्षा निर्माण' के बाद चीन ने यह कदम उठाया है।

भारत में सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण करने के बाद उनके नेपाल दौरा करने की परंपरा रही है लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि जनरल एमएम नरवणे नेपाल का दौरा जल्द करेंगे या नहीं। उनसे पहले जनरल बिपिन रावत ने सेना प्रमुख बनने के तीन महीने के भीतर नेपाल का दौरा किया था। चीन ने मंगलवार को कहा कि कालापानी भारत और नेपाल के बीच का मुद्दा है और उम्मीद जताई कि दोनों पड़ोसी 'एकतरफा कार्रवाई' करने से बचेंगे और दोस्ताना सलाह-मशविरा से अपने विवादों का उचित समाधान करेंगे।

### श्रीनगर में मार गिराए गए हिज्बुल के दो आतंकवादी

पेज 1 का बाकी

सड़कों पर उतर आए। जुनय सहराई मार्च 2018 से लापता था और बाद में एके-47 थामे हुए उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। सहराई ने कश्मीर विश्वविद्यालय से एमबीए की अपनी डिग्री पुरी की थी। यह पहला ऐसा मामला है, जहां जम्म कश्मीरी के किसी अलगाववादी नेता का बेटा आतंकी संगठन में शामिल हुआ। घाटी लौटने और हिज्बुल मुजाहिदीन में शामिल होने से पहले वह दिल्ली में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर के नवाकदल के अभियान में दो आतंकवादी मारे गए। मौके से हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए हैं। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादियों की गोलीबारी में सीआरपीएफ का एक जवान और जम्मृ कश्मीर पुलिस का एक जवान घायल हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सोमवार रात को पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ देर रात करीब दो बजे शुरू हुई और उसके बाद करीब पांच घंटे तक कोई गोली नहीं चली। इसके बाद सुबह करीब आठ बजे एक बार फिर आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ शुरू हो हुई। एहतियात के तौर पर शहर में बीएसएनएल पोस्टपेड सेवा को छोड़ कर सभी मोबाइल इंटरनेट और सभी मोबाइल फोन सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

### डब्लूएचओ के कार्यकारी बोर्ड चेयरमैन के लिए हर्षवर्धन नामित

पेज 1 का बाकी

डब्लूएचओ के कार्यकारी बोर्ड को संगठन की असैंबली में लिए गए निर्णय को लागू करना होता है। बोर्ड के चेयरमैन को डब्ल्एचओ के महानिदेशक टेड़ोस अदनोम घेब्रेयसस के साथ काम करना होता है। सुत्रों के मुताबिक के मृताबिक कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन के पद का चुनाव एक औपचारिकता मात्र है। इस पद पर डॉक्टर हर्षवर्धन का चुना जाना तय है। गौरतलब है कि पिछले साल ही यह तय किया गया था कि कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन के रूप में नई दिल्ली को चुना जाएगा। चेयरमैन का पद हर साल बारीबारी से क्षेत्रीय समूह को मिलता है। डॉक्टर हर्षवर्धन जापान के स्वास्थ्य मंत्री के अंतरराष्टीय मामलों के सलाहकार डॉक्टर एच नकातानी की जगह लेंगे।

# पूर्णबंदी 4.0 ढील : दिल्ली सीमा पर चींटी की तरह रग वाहन

पेज 1 का बाकी

प्रवेश की अनुमति दे रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कालिंदी कुंज बैराज फ्लाईओवर और डीएनडी फ्लाईओवर से होकर दिल्ली से नोएडा जाने वाले लोग अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं।**'** 

उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंगलवार सुबह दिल्ली-नोएडा सीमा पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। उन्होंने कहा, 'हम हर वाहन की जांच कर रहे हैं. लेकिन कभी-कभी वाहनों की संख्या बढ़ने के कारण यह बहुत मुश्किल हो जाता है। वैध पास वाले लोगों को अनुमति दी जा रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई पास नहीं रखे है और दवा जैसा कुछ महत्वपूर्ण सामान ले जा रहा है, तो उन्हें भी अनुमति दी जा रही है। पूर्णबंदी चार में फरीदाबाद सीमा पर किसी तरह की कोई ढील नजर नहीं आई। यहां नाके पर तैनात पुलिसकर्मी पहले की तरह मुस्तैद

दिखाई दिए। एसीपी ट्रैफिक अभिमन्यू खुद सीमा पर व्यवस्था का जायजा लेते नजर आए। इस दौरान दिल्ली की ओर से पुल से होते हुए कुछ लोग यहां पहुंचे, जिन्हें सीमा पर तैनात फरीदाबाद पुलिस ने रोक दिया। इससे गुस्साए लोगों ने हंगामा भी किया। हरियाणा रोडवेज डिपो बल्लभगढ से मंगलवार को कोई भी बस रूट पर नहीं चली। आइटीओ और यमुना ब्रिज इलाके में भी वाहनों की लंबी कतारें दिखीं।

दूसरी ओर सराय काले खां, पटपड़गंज, खारी बावली, चांदनी चौक इलाके में सडकों पर वाहनों की लंबी कतारें नजर आईं। इसका एक कारण लोगों का बस अड्डे पर आना भी था। हालात को देखते हुए दिल्ली पुलिस के पूर्वी जिला उपायुक्त जसमीत सिंह को अपील करनी पड़ी कि आनंद विहार बस अड्डे से कोई भी बस उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लिए नहीं जा रही है। इसलिए लोग बस अड्डे पर न आएं

# राज्यों में पटरी पर लौटी जिंदगी

पेज 1 का बाकी

दिखे। विभिन्न राज्यों ने पूर्णबंदी के नियमों के दायरे में गतिविधियों की इजाजत देनी शुरू कर

राजस्थान ने मजदूरों के लिए विशेष बसें चलानी शुरू की हैं। वहां की लगभगतीन लाख छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों में से करीब 40 फीसद में उत्पादन शुरू हो गया है। हालांकि, औद्योगिक इकाइयों में काम पर 30 से 40 फीसद श्रमिक ही पहंच पाए हैं। मांग कमजोर होने से 50 फीसद उत्पादन क्षमता का भी उपयोग नहीं हो पा रहा है।

महाराष्ट्र के दफ्तरों में और औद्योगिक इकाइयों में कामकाज शुरू हुआ है। हालांकि, सिर्फ 23 फीसद हाजिरी दर्ज होने की खबर है। हालांकि सडकों पर निजी वाहन दिखे। झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक समेत विभिन्न राज्यों में सीमित यात्रियों की अनुमति के साथ बस सेवाएं बहाल की गई हैं। हालांकि, अधिकांश राज्यों में अंतरराज्यीय बसों और हैदराबाद महानगरीय बस सेवा पर रोक जारी है। कर्नाटक में मंगलवार को सड़कों पर ऑटोरिक्शा, कैब और बसें चलने लगीं। बड़ी संख्या में टैक्सी, बस और ऑटोरिक्शा सडकों पर उतरीं।

# देश में संक्रमण के मामले 1,05,498 हुए

पेज 1 का बाकी

वृद्धि के साथ संक्रमितों की संख्या 1,01,139 पहंच गई है। वहीं, इस महामारी से मरने वालों की संख्या एक दिन में 134 बढ़कर 3,163 हो गई है। अब तक 39,173 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं जिनमें से 2,350 चौबीस घंटे के दौरान स्वस्थ हए हैं। 58,802 मरीजों का इलाज चल रहा है जबिक अब तक 38.73 फीसद मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।

मंत्रालय के मुताबिक चौबीस घंटों में मरने वालों में गुजरात के 51, गुजरात के 35, उत्तर प्रदेश के 14, दिल्ली के आठ, राजस्थान के सात पश्चिम बंगाल के छह, मध्य प्रदेश के चार, तमिलनाडु के तीन, पंजाब के दो, जम्मू कश्मीर के दो, बिहार का एक और तेलंगाना का एक मरीज शामिल है। देश में अब तक कोरोना से सबसे अधिक 1249 मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। इसके बाद गुजरात में 694, मध्य प्रदेश में 252, पश्चिम बंगाल में 238, राजस्थान में 138, दिल्ली में 168, उत्तर प्रदेश में 118, तमिलनाड़ में 81, आंध्र प्रदेश में 50, कर्नाटक में 37, पंजाब में 37, तेलंगाना में 35, हरियाणा में 14, जम्मू-कश्मीर में

15, बिहार में नौ, केरल में चार, ओड़ीशा में चार, झारखंड में तीन, चंडीगढ़ में तीन, हिमाचल प्रदेश में तीन, असम में दो और मेघालय, उत्तराखंड व पुदुचेरी में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। मंत्रालय के मुताबिक मृतकों में से 70 फीसदी पहले से ही अन्य बीमारियों से ग्रस्त थे।

कोरोना विषाण से देश भर में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 35058 लोग संक्रमित हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 11760, गुजरात में 11745, दिल्ली में 10054, राजस्थान में 5507, मध्य प्रदेश में 5236, उत्तर प्रदेश में 4605, पश्चिम बंगाल में 2825, आंध्र प्रदेश में 2474, पंजाब में 1980, तेलंगाना में 1597, बिहार में 1391, जम्म-कश्मीर में 1289, कर्नाटक में 1246, हरियाणा में 928, ओड़ीशा में 876, केरल में 630, झारखंड में 223, चंडीगढ़ में 196, त्रिपुरा में 167, असम में 107, उत्तराखंड में 93, छत्तीसगढ़ में 93, हिमाचल प्रदेश में 80, लद्दाख में 43, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 33, गोवा में 38, पुदुचेरी में 18, मेघालय में 13, मणिपुर में सात और मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश व दादर-नगर हवेली में संक्रमण के एक-एक मामला सामने आया है।

# दिल्ली और मुंबई में जुटे सैकड़ों प्रवासी मजदूर

पेज 1 का बाकी चौधरी ने इन प्रवासियों को अपनी गाडी में

बैठाकर यहां लाने का काम किया। इसी बात पर अनिल चौधरी को पहले घर

में नजरबंद किया गया फिर गाजीपुर थाने में कोविड उल्लंघन के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। मंगलवार को तो दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर श्रमिकों के लिए 300 बसें चलाने की अनुमति मांगी है। उन्होंने पत्र में लिखा कि हजारों की संख्या में प्रवासी मजदुर जो दिल्ली में रहते हैं, अपने-अपने प्रदेशों को वापस लौट रहे हैं। इसलिए पलायन करते हुए बेसहारा प्रवासी श्रमिकों के प्रति कांग्रेस पार्टी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए करीब 300 बसें दिल्ली के विभिन्न बॉर्डरों से चलाना चाहती है। मंबई के बांद्रा टर्मिनस पर श्रमिक स्पेशल ट्रेन के रवाना होने से पहले पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि बाद में पुलिस ने लोगों को तितर-बितर कर दिया। एक महीने पहले भी सैंकड़ों प्रवासी श्रमिक बांद्रा स्टेशन पर अपनी इस मांग के साथ पहंच गए थे कि कोरोना के मद्देनजर उन्हें उनके मूल स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। सोशल मीडिया पर फैले मंगलवार की घटना के वीडियो में बांद्रा टर्मिनस के गेट की ओर अपने बैगों को लेकर बड़ी संख्या में प्रवासी बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि लोग ग्यारह बजे इलाके में पहंचने लगे थे। पश्चिम रेलवे ने बाद में एक बयान में कहा कि श्रमिक स्पेशल ट्रेन बांद्रा से पूर्णिया के लिए रवाना होने वाली थी और राज्य प्रशासन में पंजकरण करा चके यात्रियों को उससे सफर करना था। रेलवे ने कहा कि लेकिन कई ऐसे लोग स्टेशन के समीप रोड और पुल पर इकट्टा हो गए जिन्होंने पंजीकरण नहीं कराया था और जिन्हें अधिकारियों ने ट्रेन से जाने के लिए नहीं बुलाया था।

# बंगाल में सैलून और पार्लर खुले

हरियाणा में ऑटो कंपनियों

पेज 1 का बाकी

पर सरकारी और गैर-सरकारी दफ्तर 21 मई से पूरे राज्य में बसें चलेंगी। 27 मई से खोलने को कहा है। कोलकाता समेत विभिन्न

इलाकों में कारोबारी गतिविधियां कम दिखीं।

ऑटोरिक्शा चलाने की इजाजत दी जाएगी।

## यूपी में निषिद्ध क्षेत्रों से आने पर रोक

पेज 1 का बाकी

आदि की दुकानों को खोलने की अनुमति है। निषिद्ध व लाल क्षेत्रों के बाहर सभी दुकानें और फैक्टरियां खोल दी गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों व नगर पालिका क्षेत्रों में निषिद्ध क्षेत्रों के बाहर सभी दकानों को खोला जा रहा है। यातायात में थोड़ी ढील दी गई है, लेकिन सड़कों पर वाहन कम दिखे। रेस्तरां और मिठाई की दुकानें खोली गई हैं। उन्हें होम डिलीवरी और सामान बेचने की इजाजत दी गई है। दुकान में बैठकर खाने की अनुमति नहीं है।

औद्योगिक इकाइयों में काम शरू किया गया। चार पहिया वाहनों में ड्राइवर के अतिरिक्त दो लोगों को बैठकर चलने की अनुमति है। बाइक पर पीछे बैठने की अनुमति नहीं है लेकिन महिला को पीछे बैठने की अनुमति है। तिपहिया वाहन में चालक के अतिरिक्त दो व्यक्ति ही चल सकते हैं। राज्यों दूसरे राज्यों द्वारा निर्धारित किए गए यात्री

# मजदूरों के लिए हजार बसें, मगर चक्के तले आई सियासत

पेज 1 का बाकी

यह भी आरोप लगाया कि उप्र सरकार प्रवासी मजदुरों की मदद नहीं करना चाहती थी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को मजदुर प्रवासियों को वापस लाने के लिए 1000 बसें चलाने के कांग्रेस के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह को भेजे पत्र में 1000 बसें, सभी दस्तावेजों के साथ, लखनऊ में मंगलवार सुबह 10 बजे सौंपने को कहा था।

16 मई को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने गाजियाबाद में गाजीपुर सीमा से 500 बसें और नोएडा सीमा से 500 बसें चलाने की अनुमति मांगी थी। सिंह के मुताबिकर 18 मई शाम चार बजकर एक मिनट पर मुझे एक पत्र मिला और 1000 बसों की सची, उनके चालक और कंडक्टर का ब्यौरा मांगा गया। इसे ईमेल मिलने के थोडी देर बाद ही महैया करा दिया

उधर, अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश की सहमति के साथ अंतरराज्यीय बसों के अवस्थी ने मंगलवार सुबह कांग्रेस महासचिव टेलीविजन इंटरव्यू में मुख्यमंत्री योगी संचालन को फिलहाल अनुमति नहीं दी गई है। प्रियंका गांधी के निजी सचिव को भेजे गए पत्र में कहा, 'आपके पत्र के अनुसार आप वाहनों को प्रदेश में प्रवेश की अनुमित नहीं है। लखनऊ में बस देने में असमर्थ हैं एवं

नोएडा,गाजियाबाद बार्डर पर ही बस देना चाहते हैं। अतः ऐसी स्थिति में कृपया गाजियाबाद के कौशांबी बस अड्डे एवं साहिबाबाद बस अड्डे में बसें उपलब्ध कराने का कष्ट करें।' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के सचिव ने इसका जवाब देते हुए कहा कि कुछ बसें राजस्थान से आ रही हैं और कुछ दिल्ली से। इसलिए ये बसें गाजियाबाद तथा नोएडा बार्डर पर शाम पांच बजे पहुंचाई

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार को लिखा था कि वह प्रवासी श्रमिकों को राज्य में पहुंचाने के लिए एक हजार बसें पार्टी के खर्चे पर चलवाना चाहती हैं और प्रदेश सरकार इसकी अनुमति दे। मंजरी मिलने के बाद प्रियंका ने ट्वीट कर कहा, उत्तर प्रदेश में सड़कों पर हजारों भाई बहन पैदल चले जा रहे हैं। उनकी मदद के लिए कांग्रेस को अपने खर्च पर एक हजार बसें चलाने की हमें अनुमति देने के लिए आपका धन्यवाद।' इससे पूर्व सोमवार को एक - आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि वह प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर राजनीति

# घर लौट रहे 17 मजदूरों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत

पेज 1 का बाकी

महोबा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मणिलाल पाटीदार ने मंगलवार को बताया कि करीब 20-25 प्रवासी मजदूर पैदल आ रहे थे और हरपालपुर के पास सभी एक डीसीएम ट्रक में सवार हो गए। पनवाड़ी थाना क्षेत्र में झांसी-मिर्जापुर राजमार्ग में महुआ मोड़ के पास रात करीब साढ़े नौ बजे अचानक वाहन का पिछला टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया, जिससे उसमें सवार प्रवासी मजदूर

गए। सभी प्रवासी मजदूर दिल्ली से पैदल अपने गृह जिले महोबा आ रहे थे।

क्रशर के सामान के नीचे दब गए। मजदूरों को क्रेन से बाहर निकाला गया।

इस घटना में संतोषी, अनीता और हीरा देवी (सभी की उम्र 30 से 38 साल के बीच) की मौत हो गई।

ने उत्पादन शुरू किया पेज 1 का बाकी

है। मुरथल के आसपास चावल इकाइयों ने भी काम करना शुरू कर दिया है। पानीपत के हैंडलूम उद्योग ने भी कामकाज शरू कर दिया है।

दूसरी ओर, हरियाणा सरकार ने तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के आधे कर्मचारियों को कार्यालय आने की अनुमति दे दी है। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार अगर कार्यालय में सामाजिक दूरी के नियमों का पूरी तरह पालन कराने के लिए पर्याप्त जगह होगी तो सारे कर्मचारियों को कार्यालय बुलाया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया, 'प्रथम और द्वितीय श्रेणी के सभी कर्मचारियों को उपस्थित रहना होगा। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के आधे कर्मचारियों को कार्यालय में " उपस्थिति दर्ज करानी होगी। यदि किसी कार्यालय में सभी श्रेणी के कर्मचारियों के लिए पूरी तरह सामाजिक दूरी बनाने के वास्ते पर्याप्त जगह होगी तो वहां सभी कर्मचारी उपस्थित होकर काम कर

सकते हैं।' निकाय, बोर्ड, निगम, राजस्व, स्वास्थ्य, सिंचाई, ऊर्जा, चिकित्सा, शिक्षा, वित्त और कर विभाग के कर्मचारियों के लिए यह नियम लागू नहीं होगा।

### उत्तराखंड में व्यवसायिक वाहनों को मंजुरी

पेज 1 का बाकी

गया। देहरादुन, हरिद्वार, रुड़की, हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर और कोटद्वार में सम-विषम आधार पर वाहन को इजाजत दी गई। राज्य सरकार ने अभी अंतर राज्यीय बसें चलाने की इजाजत नहीं दी है। प्रवासियों को ले जाने के लिए बसें जारी रहेंगी। विशेष परिस्थितियों में निजी वाहनों को शाम चार बजे बाद भी चलने की अनुमति दी जा रही है।

### पंजाब में आज से चलेंगी बसें

पेज 1 का बाकी

सकेंगे। सेनिटाइजेशन जरूरी होगा। शुरुआत में बसों की संख्या सीमित होगी। बसों को बीच में नहीं रोका जाएगा। यानी अगर चंडीगढ़ से पटियाला के लिए बस चलती है तो बस सीधे पटियाला जाकर ही रुकेगी। इसके साथ ही कंटेनमेंट जोन में कोई बस नहीं चलेगी।

परिवहन मंत्री रजिया सुल्ताना ने कहा कि टैक्सी, चार पहिया वाहन और कैब केंद्र के निर्धारित नियमों के अनुसार ही चल सकेंगे। रिक्शा और ऑटो में केवल एक चालक व दो यात्रियों की ही अनुमित होगी। दो पहिया वाहनों व साइकिलों पर केवल एक ही व्यक्ति सवारी कर सकेगा। पंजाब में अब केवल दो-निषिद्ध या अनिषिद्ध क्षेत्र ही होंगे। इस बीच, लुधियाना के हौजरी और साइकिल उद्योग में 50 फीसद से अधिक इकाइयों ने काम करना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश के उद्योग क्षेत्र बद्दी-नालागढ स्थित फार्मा कंपनियों में उत्पादन कम होता जा रहा है।

### अर्णब का मामला सीबीआइ को सौंपने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कर रही है।

पेज 1 का बाकी

दंडात्मक कार्रवाई से तीन सप्ताह का संरक्षण प्रदान कर दिया है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि प्रारंभिक प्राथमिकी, जो नागपुर में दर्ज हुई थी, के अलावा बाकी सभी प्राथमिकी रद करते हुए कहा कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता अभिव्यक्ति और बोलने की आजादी का मूल आधार है। नागपुर में दर्ज प्राथमिकी शीर्ष अदालत ने अर्णब गोस्वामी पर कथित हमले की शिकायत के साथ संयुक्त जांच के लिए

मुंबई स्थानांतरित कर दी थी। पीठ ने समाचार कार्यक्रम को लेकर अलग-अलग स्थानों पर दायर प्राथमिकी रद्द करते हुए कहा कि इसका दमघोंटू प्रभाव होता। पीठ ने इसके साथ ही निर्देश दिया कि 21 अप्रैल के कार्यक्रम के संबंध में अब कोई नई शिकायत या प्राथमिकी पर विचार नहीं किया जाएगा। पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अर्णब गोस्वामी की याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) के तहत पत्रकार का अधिकार ऊंचे पायदान पर होता है और भारत में प्रेस की आजादी उस समय तक है जब तक पत्रकार सत्ता के सामने सच बोल सकता है लेकिन यह स्वतंत्रता निर्बाधित नहीं है। शीर्ष अदालत ने 11 मई को अपने आदेश में कहा था कि मुंबई पुलिस द्वारा दो मई को दर्ज नई प्राथमिकी में अर्णब गोस्वामी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

इस प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि उनके कार्यक्रम में की गई कुछ टिप्पणियों से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

अपने कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ कुछ कथित मानहानिकारक बयानों के कारण अर्णब गोस्वामी के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थीं। इन प्राथमिकी को निरस्त कराने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

# बाजार में तीन दिन से जारी गिरावट थमी, सूचकांक में 167.19 अंक की बढ़त

मुंबई, 19 मई (भाषा)।

कोविड-19 के संभावित वैक्सीन के सफल परीक्षण से उत्साहित वैश्विक बाजारों के मजबूत संकेतों के बीच घरेलु शेयर बाजारों में तीन दिन से जारी गिरावट का रुख मंगलवार को थम गया। सुचकांक और निफ्टी दोनों बढ़त के रुख के साथ बंद हए। भारती एअरटेल और आइटीसी में अच्छा लाभ दिखा।

उतार-चढाव भरे कारोबार में 700 से ज्यादा अंक ऊपर-नीचे होने के बाद 30 प्रमुख शेयरों वाला बंबई शेयर बाजार का सूचकांक 167.19 अंक यानी 0.56 फीसद बढ़कर 30,196.17 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 55.85 अंक यानी 0.63 फीसद की बढ़त के साथ 8,879.10 अंक पर बंद हुआ। सचकांक में शामिल भारती एअरटेल का शेयर

सबसे अधिक लाभ में रहा। कंपनी का शेयर 11 फीसद तक चढ़ गया। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक एअरटेल के प्रति उपयोक्ता औसत राजस्व (एआरपीय) में बढ़ोतरी से उसके शेयर में उछाल देखा गया। ओएनजीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, आइटीसी, पावरग्रिड और एनटीपीसी में भी अच्छा लाभ रहा।

दुसरी तरफ इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर नीचे रहे। सूचकांक में शामिल कुल 30 कंपनियों में से 22 के शेयर लाभ में और आठ

### बारवीय विमानपदान प्राधिकरण ARPORTS AUTSORTY OF MEDA

ई-निविदा सूबना ानिविका अधिको 2000 महिला 47940 t) व्यक्तीय विमानमत्तन प्राधिकरण, एएआई के अव्यक्ष की और वी महाप्रक्रिक (सीएनएस) एएआई, एनएससीबीआई एकस्पार्ट वाविकास प्राप्त योग्य केकेदारों श इ-निर्विदा पोर्टल पर "एनएससीकीआई एवरपोर्ट, कोलकाता, कोलकाता-52 में हैके पर एक वर्ष तक के लिए सीएनएस/एटीएम सेनाओं (2020-21)

की देखमाल और अनस्या कार्य' क

लिए मद दर निजियाएं आमंत्रित करता है।

(जीएसटी अतिरिक्त) है। मिविदा दरलकेस समा करने की संतिम लिपि एवं स्थान वडवव २०२० के १७ ०० मने राक है। विरुद्ध जानवरहें के लिए स्ट्रेपिय ई-धार्मास्पेट with the https://etenders.gov.in/ eprocure/app we em-ser and

इसके बाद यदि कोई समहीकरण श्रीविद्यात सुका भी ई-प्रोक्सारसम्द पोर्टम https://etenders.gov.in/eprocurs/app वर गानिमा विरुद्धा द्वाएगा

#### मिशका एक्जिम लिमिटेढ **पंजीकृत कार्यालय**: जी-31, ग्राऊन्ड फ्लोर

क्रास रीवर माल, सीबीडी ग्राऊन्ड, शाहदरा नई दिल्ली- 110032 CIN: L51909DL2014PLC270810 वेबसाइट- www.mishkaexim.com ई-मेल - MISHKAEXIM@GMAIL.COM

सेबी (सूची दायित्वों एवं प्रकटीकरण आवश्कतायें) 2015 के क्लाज 29 के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना प्रदान की जाती है कि मार्च 31. 2020 को समाप्त कम्पनी के वित्तीय वर्ष के अंकेक्षित एकीकृत एवं संगठित वित्तीय परिणामों पर अन्य तथ्यों के साथ विचार, अनुमोदन एवं रिकार्ड मिं ग्रहण करने हेत् कम्पनी के निदेशक मंडल की बैठक शुक्रवार, मई 22, 2020 को सायं 03:30 बजे 41, प्रथम मंजिल, शान्ति विहार दिल्ली- 110092 पर आयोजित करनी तय की

> बोर्ड के आदेशानसार कृते मिशका एक्जिम लिमिटेड रजनीश गुप्ता प्रबन्ध निदेशक

DIN: 00132141 तिथि: 19.05.2020 स्थान: नई दिल्ली

सीआईएन : U74210DL2001PTC113112 मुख्य कार्यालय : बी-68, स्वामी नगर (उत्तरी), नई दिल्ली-110017 ई-मेल : vec@vecpl.net

प्रपत्र आईएनसी-26 [कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के केन्द्र सरकार के समक्ष क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र के

माध्यम से कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 (6) वे

के मामले में विज इंजीनियर्स एण्ड कंसल्टेंटस प्राइवेट लिमिटेड के

मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-68, स्वामी नगर

कम्पनी के पंजीकत कार्यालय के प्रस्तावित स्थानान्तरण से या तो निवेशक आपत्ति प्रारूप फाइल कर एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) में आपत्ति दर्ज कर सकता उसके विरोध कारण उल्लिखित हो, के साथ अपनी आपत्ति प्रादेशिक निदेशक को इस सुचना के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी-2, विंग, दुसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 पते पर पंजीकृत डाक द्वारा भेज सकते हैं या सुपुर्द कर सकते हैं और इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी को उनके पंजीकृत कार्यालय के उपर्युक्त पते पर

पंजीकृत कार्यालय : बी-68, स्वामी नगर (उत्तरी),

याचिकाकर्ता के लिए तथा उनकी

ह./-बिमल कमार

तिथि : 16.05.2020 स्थान : नई दिल्ली

निदेशक डीआईएन : 01268214

अधिक 10.41 फीसद तक की तेजी देखी गई। इसके बाद प्रौद्योगकी, बिजली, यूटिलिटी और वाहन क्षेत्र में 2.49 फीसद तक की बढत रही। मध्यम पंजी वाली कंपनियों (मिडकैप) 0.52 फीसद और छोटी पुंजी वाली कंपनियों (स्मॉलकैप) सचकांक में 0.20

विनोद नायर ने कहा कि अमेरिका में कोविड-19 वैक्सीन के सफल परीक्षण से दुनियाभर के शेयर बाजारों में उम्मीद जगी है।। भारतीय बाजारों की शुरुआत भी सकारात्मक रही। भले वैक्सीन प्रयोग के परिणाम सफल रहे हों लेकिन यह बहुत शुरुआती चरण है। अभी इसके लिए अनुमति मिलने और उत्पादन में समय लगेगा। अमेरिका की बायोटेक्नोलॉजी कंपनी मॉडर्न का कहना है कि उसे कोरोना संक्रमण की अपनी विकसित की जा रही वैक्सीन की जांच में शुरुआती सफलता मिली है। मानव परीक्षण में इसके परिणाम उत्साहजनक हैं और यह व्यक्ति की इस वायरस रोग के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता को जगाने में सक्षम दिखी है।

फोन 0151-2220451 ईमेल www.rj acebi@nic.in

क्रमांक: अति/बी/अ.के.बी./2020-21/479-507 दिनांक:- 13/05/2020 ई-बोली सुचना संख्या अनुअ/बी/2020-21/01

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं अन्य विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार ई-बोली द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। बोर्ल प्रपत्र वेबसाईट "www.phedwater.rajasthan.gov.in", "www.sppp.rajasthan.gov.in" एव 'http://eproc.rajasthan.gov.in'' पर दिनांक 15.05.2020 से 08.06.2020 सायं 6.00 बजे तक उपलब्ध है। इस निविदा सूचना संख्या 2020–21/01 में कुल 01 कार्य है, जिनकी कुल अनुमानित लागत रु . 258.47 लाख है। इन निविदाओं के एसपीपी पोर्टल पर युबीएन नम्बर क्रमशः PHE2021WSOB0117

> (दलीप कुमार गौड) अतिरिक्त मुख्य अभियंता जन स्वा.अभि.विभाग क्षेत्र-बीकानेर

www.defi 🧪 MSTC LIMITED CIN: L27329WB1964GO9026211

ल्ह एक काम दश क नाम

आयरन ओर स्लाइम्स की खरीद के लिए क्रेसाओं की सुधीबद्धता हेत् निविदा निविदाः संस्थाः : एमकेटीनी/मिनरल्स/बायर/ईएनक्यू-01/2020 दिनांक: 19.05.2020 ऑनलाइन इवेट संख्या : एमएसटीसी/हेड ऑफिस/मार्केटिग/1/20-21/ईटी/1 बरकटीकी जिलिटेन तीन क्यों भी अमंदि के लिए आफान ओर रजपून्य केंद्र सर्वाधार के कृप में सूचीमद्वार

is filey use stuffermed in develop https://www.mstcacommerce.com/epiggres afficiety होती के अस्ति प्रस्तात अम्पन्तित क्षरता है। **विक्रित सुम्ब**ः है 17,700(औएसटी वर्तित)) **समा स्था**न र्वातिः 🕈 30 लावः । क्षेत्रकाहान निर्मातः प्रस्य करने क्षेत्र अस्तिकः एवं समयः : 18,06,2020 का रोजन 12:00 क्षेत्र) चीतिक रणतरेज जन्म करने की अधिक क्षरीख एवं रूपम : 19:06:2020 को टीपाल 12:00 गाउँ। marehab सामितिका बीजी स्थानने की सारीसा एवं समय : 19 06,2020 जो अपनाद 3.00 पन मिक्रिया वर्गमानेच MSTC/CPPP वेशवहर से बार्शनहों व किया जा सबसा है। माध्यक विवरण जिल् कृतका अपनी केशनहर : www.mstcindia.co.in केले: है निर्माण से संबंधित जिल्ही से संस्थित तांत्री कर्ती ; परिवर्तन्तु कामा कर विकास (स्वरूपी करम, समि वर्ष्य हो, जो लिये वेबरबद्वाट पर की प्रकर्तीका filter carbon occurs north march in filte districte Higher was it conduct become style.



DIPR/C/3395/20

#### हाउरिगंग एंड अर्बन डेक्लपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (भारत सरकार का सप्रकार) CIR: LT48990L1970GO009276, GST No. 97AAACH0632A1ZF

पंजीकृत कार्यात्मः हरको भवन कोर ७ए भारत पर्यातास केन्द्र लोपी रोत. नई दिल्ली -- 110 003, फोन नी: 01124849610, 24648196 क्षेत्रस भा, 011.24625303 ई.मैश्रा: abalash@habto.org क्षेत्रसङ्ग्री: www.fautco.org

निविदा आमंत्रण सचना

निविदा सं: इंडको / सी एंड सी / एचबी / जीएक / 2020 दिनां कः 20/05/2020 हरूको निविदा दस्तावेक ने निविष्ट विवरणानसार "हरूको मदन, आहेएवसी, लोबी रीर नई दिल्ली के मृतल (प्राचंड पलार) के नवीनीकरण के लिए योग्य वेकेदारों / कमी एक्षेत्रयां से ई-निविद्या धार्मीतर करता है।

इंगलक एजेंगियां इंडको की वेबलाइट https://www.hadco.org पा ww.eprocure.gov.i या hitps://www.tenderwicard.com/HUCCO से निविदा दसकारेज बारानकीय कर सकर है । ऑलजाइन बोजी खना करने की कॉरोम लिथि 10 06:2020 है ।

शुद्धिपत्र आदि, यदि मोर्च हो हो, नेवान उपरोक्ता वेबसाइट पर ही प्रकाशित किन्द्रा जाएगा कार्यकारी निदेशक (सी एंड सी)

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार

सामान्य प्रशासनिक विभाग

दूसरा लेवल, 'ए' विंग : दिल्ली सचिवालय

नई दिल्ली-110002

रोजगार सुचना

विशुद्ध रूप से अनुबन्ध आधार पर दिल्ली सचिवालय में परामर्शदाता-सह हाउसकीपिंग प्रबन्धक के 01 पद हेतू आवेदन आमन्त्रित किये जाते हैं।

वेतन : रु. 60,000/- प्रति माह (समेकित)

अधिकतम आयु सीमा : 45 वर्ष अवधि : हाउसकीपिंग/आतिथ्य/व्यापार प्रबन्धन में 10 वर्ष के अनुभव सहित डिप्लोमा अन्य विवरण हेत् सामान्य प्रशासनिक विभाग की

:http://gad.delhi.gov.in पर लॉग ऑन करें। पूर्ण रूप से भरे आवेदन उपसचिव (प्रशासन), सामान्य प्रशासनिक विभाग, कक्ष सं सी-202, दुसरा लेवल, दिल्ली सिचवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली-110002 के पास समाचार पत्र में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर पहँच जाने चाहिए। आवेदन वाले लिफाफे पर मोटे अक्षरों में ''परामर्शदाता-सह-हाउसकीपिंग प्रबन्धक, दिल्ली सचिवालय'' लिखा होना चाहिए। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जायेगा

उपसचिव (सा.प्र.वि.)

डीआईपी/शब्दार्थ/००३८/२०-२1

राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलायझर्स लिमिटेड (भारता सरकार का उसकार)

कार्यालय का पाला प्रशासनिक गाउन, स्वून, युवरे का १०० ner one, where grounds from all 2002 perceipent apeal and man CIM No. 1.24118MH1879C01900185 अंतराष्ट्रीय निविदा सचना

बीआई- अमोनियम फ्रास्केट बीएपी (18:46) खल्यान र्श- एकआईटी स बीशी/एमआर-21316 दिमांक्तित 20 - मई-2020 8-EST ATSST 2020 RCFL 559994 1

जीआय अमेनियम फार्सेस्ट (१८: ४६) के विख्यात निर्माताओं द्वारा क्षेत्र वीर्घकालिक आवत हेत् प्रजनार शामधित किया जा रहा है। निविदा दश्ताकेमी को आनुनलोब गानने की अंतिम निविध और समय 📑 - यहुक्सई-2020 को 13.00 बजे

निविद्या इस्तादेज जमा करने वट लेतिम विद्या और लगव ा 1 - प्युत्वार्थ - 2020 को 13,00 बाजे 2- जुलाई-2020 को 15.00 बाबे ई-टेंबर खोलने वरे लिक्के और समय

क्रोंनाराज्ञ न बोर्स्ड प्रश्तुत कारने के लिए वेबनाज्ञ : https://eprocure.gov.in/eprocure/pp कृपवा ध्यान दें इस निविदा के लिए ऑनलाइन बोली ही श्वीकार की जाएगी

पूर्ण निविद्या वंपना वेजा https://eprocure.gov.in/eprocure/app और आरमीएक की वेबमानट: ट्रॉम्बे टीहर में www.reflit.com पर जनतरहा है। मुतरपुधार/परिकार, यहि कोई हो, यो केवल www.reflid.com और https://eprocure.gov.in/eprocure/app पर प्रकाशित विकार प्याप्ता ।

उपमहाप्रवंधक (वाणिप्यिक)

more and marginer out with

#### हाउसिंग डिवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि. द कैपिटल कोर्ट, मुनिरका, आउटर रिंग रोड, ओलोफ पाल्मे मार्ग, नई दिल्ली-67

दृश्मामः 011-41596500, कॉप्पेरेट पहचान गंक्याः L70108MH1977PLC019916, देवसाइट: www.hdfc.com 20-गार्च-2020 दिनांकित अधिग्रहण सूचना का शुद्धिपत्र

यह सरफेरी अधिनियम, 2002 के तहत श्रीमती इश् गुप्ता (श्री नरियर कुमार (ऋणी) (चुकि दिवगत) (ऋण खाता सं 838298177) की पत्नी / कानूनी तत्त्तराधिकारी) और ऋणी श्री संदीप सनीन (ऋण खाना सं 812886327) की गिरदी रखीं संपत्तियों का एचडीएफसी द्वारा प्रतीकात्मक अधिग्रहण करने के बारे में इस अखदार में दिनांक 21−मार्च~2020 की प्रकाशित 20-मार्थ-2020 दिनाकित अधिग्रहण सूचना के संदर्भ में है। यह स्पष्ट करना है कि श्रीमती हुश गुप्ता (श्री मरिंदर व:मार (ऋणी) (इंकि दिवंगत) (ऋण खाता सं. 636200177) की पत्नी / कानुनी खत्तराधिकारी) के लिए उपरोक्त अधिग्रहण सूचना के एक हिस्से में वैधानिक अधिग्रहण की गलती से प्रकाशित तिथि 18 मार्च 2020 के बजाय 17-मार्च-2020 पाम जाए और ऋगी की संदीप सरीन (ऋण साता संख्या 612886327) के लिए प्रतीकात्मक अधिवहण की तिथि 17—मार्च 2020 के बजाय 18—मार्च-2020 पढ़ा जाए। कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त अधिग्रहण स्वाना के अन्य शभी विषय-वस्तु अपरिवर्तित है।

दिनाकः १८-मई-2020 स्थान नई दिल्ली

कृते डाउरिंग डिवेलपगेंट फाइनेंश कॉर्पोरेशन लि.

प्राधिकतः सचिकारी

### नौ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने लौटाए पंजीकरण प्रमाणपत्र

दक्षिणः सडक

KAMA Holdings

मुंबई, 19 मई (भाषा)।

रिलायंस नेट और निश्चय फिनवेस्ट प्राइवेट लि. समेत नौ गैर-बैंकिंग वित्तीय

सीआईएन : U27310DL2004PTC129263

मुख्य कार्यालय : बी-68, स्वामी नगर (उत्तरी). नई

दिल्ली-110017

ई-मेल : vec@vecpl.net

प्रपत्र आईएनसी-26

िकम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के

केन्द्र सरकार के समक्ष क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र के

माध्यम से

तम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 (4) तथ

कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 (6) वे

बैंक ने मंगलवार को यह कहा।

7वां तल, विडियोकॉन टावर, झण्डेवालान एक्स्टेंशन, नई दिल्ली-110055

पंजीकरण प्रमाणपत्र लौटा दिया है। रिजर्व

टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लिमिटेड

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

(प्रतिभित हित प्रवर्त्तन नियमावली. 2002 के नियम 8 (1) के अनसार)

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम

2002 के अंतर्गत टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा

प्रतिभृति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 26 फर. 2020 जारी कर

ऋणधारकों को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि लौटाने का निर्देश

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतदुद्वारा ऋणधारक तथा आम जनता व

सचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 9 के साथ पठित अधिनियम

धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णि

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णि

इंडिया लि. और सांघी हायर परचेज उन एनबीएफसी में शामिल हैं, जिन्होंने अपना आरबीआइ के अनुसार इसके अलावा प्रमाणपत्र छोड दिए हैं। पंजीकरण प्रमाणपत्र

पेनरोज मर्केंटाइल्स लि., मनोहर फाइनेंस आरबीआइ द्वारा दिए जाते हैं। प्रमाणपत्र सौंपने के बाद कंपनियां गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से जुड़े कारोबारी लेन-देन नहीं कर सकती हैं।

#### शुद्धिपत्र-बिक्री सुचना दिवाला तथा दिवालिया संहिता, 2016 के अंतर्गत परिसम्पत्तियों की बिक्री

कृपया श्री ओम वायर्स प्राईवेट लिमिटेड (परिसमापन में) की खाता में बिक्री सचना देखें जो 16 मार्च. 2020 को द फाइनांसियल एक्स्प्रैस एवं जनसत्ता में प्रकाशित हुई थी तथा उसका शुद्धिपत्र 3 अप्रैल, 2020 को इसी अखबार में प्रकाशित हुआ था। महामारी तथा नोवल कोरोना वायरस (कोविड 19) के प्रसार तथा देश में राष्ट्रीय लॉकडाउन/कर्फ्यू को देखते हुए परिसम्पत्तियों की बिक्री इस अभूतपूर्व स्थिति के कारण स्थगित की जा रही है क्योंकि लॉकडाउन की अवधि सरकार द्वारा 31 मई, 2020 तक बढ़ा दी गई है। अब, बोली जमा करने की अंतिम तिथि 19 मई, 2020 से परिवर्तित कर 1 जून, 2020 के 5.00 बजे अप. तक कर दी गई गई है। ई-नीलामी की तिथि एवं समय 3 जून, 2020 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक कर दी गई है।

श्रीओम वायर्स प्राईवेट लिमिटेड (परिसमापन में)

यह विनियमन 47ए के अनसार परिसमापन विनियमनों के अनसार है जिसमें कोविड-19 महामारी की स्थिति में सरकार द्वारा लागु की गई लॉकडाउन की अवधि की गणना किसी भी परिसमापन प्रक्रिया के संदर्भ में किसी भी कार्य के लिये ऐसे किसी भी समय-सीमा की गणना के लिये नहीं की जायेगी जो इस लॉकडाउन के कारण पर्र नहीं की जा सकी।

अन्य सभी नियम एवं शर्तें पूर्ववत रहेंगे।

श्रीओम वायर्स प्राईवेट लिमिटेड (परिसमापन में) के लिये बुजेन्दर सिंह देसवाल श्रीओम वायर्स प्राईवेट लिमिटेड (परिसमापन में) के परिसमापक आईपी पंजी. सं. IBBI/IPA-003/IP-N00002/2016-2017/1002 सी-122, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060 फोन: 9811414181 ईमेल: liquidation.shreeomwires@gmail.com, brijender@deswal.com

#### विकास मल्टीकॉर्प लिमिटेड

CIN:L25111DL1995PLC073719 पंजी. कार्या: जी-1. 34/1. ईस्ट पंजाबी बाग. नई दिल्ली-110026 फोन:011-40450110, ई-मेल: cs@vikasmulticorp.com, वेबसाईट: www.vikasmulticorp.com पोस्टल बैलॅट तथा रिमोट ई-वोटिंग की सूचना

एतदुद्वारा सदस्यों को सुचित किया जाता है कि कम्पनी (प्रबंध तथा प्रशासन) नियमावली, 2017 समय-समय पर यथा संशोधित के नियम 22 तथा सेबी (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा विनियमन, 2015 तथा लागू होने वाले अन्य कानूनों एवं विनियमनों के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 110 तथा लागू होने वाले अन्य प्रावधानों, यदि कोई हो, के अनुपालन में ई-वोटिंग सिंहत पोस्टल बैलॅट द्वारा निम्न प्रस्तावों के लिये विकास मल्टीकॉर्प लिमिटेड (''कम्पनी'') के सदस्ये

सीमाओं में वृद्धि की स्वीकृति प्राप्त की जा रही है:

कम्पनी ने ऐसे सभी सदस्यों जिनके नाम शुक्रवार 15 मई, 2020 (कट-ऑफ तिथि) को सदस्यों वे रजिस्टर में शामिल हैं, को 19 मई, 2020 को व्याख्यात्मक विवरण तथा पोस्टल बैलॅट प्रपत्र के साथ पोस्टल बैलॅट सुचना का प्रेषण पुरा कर लिया है। क) इलेक्ट्रॉनिक पद्धत्ति में ऐसे सदस्यों जिनके ईमेल आईडी 'ज पंजीकृत हैं, तथा

ख) स्व-पता लिखित पूर्व-प्रदत्त लिफाफे के साथ भौतिक पद्धत्ति में ऐसे सदस्यों को जिनके ईमेल सदस्यों का मताधिकार (पोस्टल बैलॅट प्रपत्र अथवा ई-वोटिंग द्वारा) की गणना शुक्रवार, 15 मई

2020, जो इस उद्देश्य से कट-ऑफ तिथि है, को व्यावसायिक अवधि की समाप्ति पर उनके द्वार धारित इक्विटी शेयरों पर होगी। सदस्यों को ई–वोटिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिये कम्पनी ने नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की सेवाएं प्राप्त की हैं। सदस्यों से अनुरोध है कि वे यह ध्यान रखें वि

सदस्य मतदान की केवल एक पद्धत्ति अर्थात पोस्टल बैलॅट अथवा ई-वोटिंग का चयन कर सकते हैं ई–वोटिंग की विस्तृत प्रक्रिया का उल्लेख पर्व में ही संचारित की गई पोस्टल बैलॅट सचना तथा पोस्टल बैलॅट प्रपत्र में किया गया है। प्रस्ताव तिथि 16 मई, 2020 द्वारा कम्पनी के निदेशक मंडल (''बोर्ड'' ने मै. कुमार जी एंड क., कार्यरत कम्पनी सचिव को स्वच्छ तथा पारदर्शी प्रक्रिया में पोस्टल बैलॅट/रिमोट ई-वोटिंग प्रक्रिया का संचालन करने के लिये पर्यवेक्षक ("पर्यवेक्षक") नियुक्त किय है। सदस्यों से अनुरोध है कि यह ध्यान रखें कि विधिवत पूर्ण तथा हस्ताक्षरित पोस्टल बैलॅट प्रपत्र गुरुवार, 18 जुन, 2020 को 5.00 बजे अप. (आईएसटी) तक पर्यवेक्षक के पास पहंच जाना चाहिये गुरुवार, 18 जून, 2020 को 5.00 बजे अप. (आईएसटी) के बाद प्राप्त पोस्टल बैलॅट प्रपत्र को अवैध

यदि किसी सदस्य को पोस्टल बैलॅट प्रपत्र प्राप्त नहीं हो, वे cs@vikasmulticorp.com पर ई मेल भेजें अथवा  ${\sf vijayps1}$   ${\it @alankit.com}$  पर कम्पनी के रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेन्ट वे पास आवेदन करें तथा डुप्लिकेट पोस्टल बैलॅट प्रपत्र प्राप्त करें। पोस्टल बैलॅट प्रपत्र तथा पोस्टल बैलॅट सुचना कम्पनी की वेबसाईट तथा जहाँ कम्पनी के शेयर सुचीबद्ध हैं, उन स्टॉक एक्सचैंजों की वेबसाई

एवं शेयर अंतरण एजेन्ट को सचित करने के अतिरिक्त कम्पनी की वेबसाईट पर प्रदर्शित की जायेगी। झण्डेवालान एक्स्टेंशन, नई दिल्ली–110055, टेली. नं. 91–11–42541234, मो.नं. 9868888098 ई-मेल आईडीः vijayps1@alankit.com से सम्पर्क करें।

विकास मल्टीकॉर्प लिमिटेड के लिये

स्थान: दिल्ली तिथि: 20 मई, 2020

## कनाटका बक

DUM SCHEET : TOWN - 175 002 CIN : L85110KA1924FLC001128 आरित वसूती प्रबंधन शास्त्रा

मी , प्रथम वल, राजेंद्र पार्ग, पूछा रोड, नई दिल्ली – ११००००

will our assisses, diefiel : delhierm@kitkbenk.com, ill., saissessess जबिक, अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभृति हित (अधिनियम), 2002 (2002 का 54) की

(प्रवर्तन) नियम, 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपभोग में कर्नाटक बैंक लिमिटेड का अधिकृत प्राधिकारी होने के नाते कर्जदार/बंधककर्ता/जमानतियों : (1) मैसर्स मौरिया उद्योग प्राइवेट लिमिटेड, इसके निदेशकों (i) श्री विष्णु कुमार सुरेखा पुत्र श्री सीताराम सुरेका तथा (ii) श्री नवनीत कुमार सुरेका पुत्र श्री विष्णु कुमार सुरेका, पंजीकृत कार्यालय : कक्ष सं. 107, प्रथम तल, आनन्द ज्योति बिल्डिंग, 41, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001, प्रशासनिक कार्यालय : 602. चिरंजीव टॉवर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019 तथा प्लांट का पता : निकट गौची ऑक्ट्रॉय पोस्ट, सेक्टर-25, सोहना रोड, फरीदाबाद-121005. (2) श्री विष्णु कुमार सुरेका पुत्र श्री सीताराम सुरेका तथा (3) श्री नवनीत कुमार सुरेका पुत्र श्री विष्णु कुमार सुरेका, दोनों (2) तथा (3) निवासी एम-14/बी, एनडीएसई पार्ट 11, नई दिल्ली-110049 (4) मैसर्स अचल एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय : एफ-28, समालका, बाँध रोड, निकट होटल उप्पल्स ऑर्किड, नई दिल्ली-110003 से सूचना में उल्लिखित राशि रु. 1,21,64,88,531.98 (रुपये एक सौ इक्कीस करोड़ चौंसठ लाख अट्ठासी हजार पाँच सौ इकतीस एवं अट्ठानबे पैसे मात्र) अर्थात (1) बकाया शेष रु. 2,33,62,447.83 सिहत ओवरड़ाफ्ट खाता सं. 2257000100012901 (2) बकाया शेष रु. 3.08.29.253.00 सहित डीपीएन खाता सं. 2257001000011201 (3) बकाया शेष रु. 54,05,79,313.00 सहित पेरिशमेंट सुविधा (80 एसएलजीईएन खाते) (4) बकाया शेष रु. 52,26,67,888.15 सिहत 38 प्रोटेस्टेड बिलों तथा 01.12.2019 से भावी ब्याज एवं (5) रु. 9,90,49,630.00 के बकाया शेष सहित 27 पोस्ट शिपमेंट बिल के तहत माँग सूचना तिथि 09.12.2019 के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित विभिन्न तिथियों से भावी ब्याज सहित कथित सचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने को कहते हुए दिनांक 09.12.2019 को माँग सूचना जारी की थी। कर्जदारों, बंधककर्ताओं तथा जमानतियों को राशि के पुनर्भुगतान में असफल होने के

नीचे उल्लिखित सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार न करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किसी प्रकार का संव्यवहार रु. 1,31,42,35,379.82 (रुपये एक सौ इकतीस करोड़ बयालीस लाख पैंतीस हजार तीन सौ उन्यासी एवं बयासी पैसे मात्र) अर्थात (1) बकाया शेष रु. 4,96,53,576.88 सहित ओवरड्राफ्ट खाता सं. 2257000100012901 (2) बकाया शेष रु. 3,19,02,657.00 सहित डीपीएन खाता सं. 2257001000011201 (3) बकाया शेष रु. 51,18,54,125.00 सहित पेरिशमेंट सुविधा (७६ एसएलजीईएन खाते) (४) बकाया शेष रु. ६५,०५,६९,५३३.९३ सहित ४९ प्रोटेस्टेड बिलों तथा 01.12.2019 से भावी ब्याज एवं (5) रु. 7,02,55,487.01 के बकाया शेष सहित 20 पोस्ट शिपमेंट बिल के तहत माँग सचना तिथि 09.12.2019 के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित विभिन्न तिथियों से भावी ब्याज और लागतों के लिए कर्नाटक बैंक

9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के

उपभोग में 16 मई, 2020 को नीचे वर्णित सम्पत्ति पर कब्जा कर लिया है।

[प्रतिभत आस्तियों को छडाने के लिए उपलब्ध समय सीमा के परिप्रेक्ष्य में कर्जदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के तहत आकृष्ट किया जाता है]

### अयान सम्बद्धि का वर्णन :-

मैसर्स मौरिया उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर मौजा गौंची उप तहसील गौंची तहसील बल्लभगढ, जिला फरीदाबाद में स्थित खसरा नं. 62/8, 62/12, 62/13, 62/19/1, 49/19, 49/18, 49/23, 63/3/1, 49/8/2, 49/9/2, 49/12, 49/13, 62/9/2, 62/2, 62/3/2, 62/9/1, 49/9/1, 49/10, 49/11, 62/14/3, 62/17, 62/7/2, 62/14/1, 49/24/2, 62/4, 62/7/1, 49/17, 49/7/2, 49/14, 62/14/2, 49/24/3, 49/24/1 माप 1,13,000 वर्ग गज या 23.34 एकड़ का सम्पूर्ण भाग। सीमाएँ : पूर्व : अन्य की सम्पत्ति, पश्चिम : अन्य की सम्पत्ति. उत्तर : सोहना रोड. दक्षिण : अन्य की सम्पत्ति।

स्थानः दिल्ली तिथि: 16.05.2020

**पंजीकृत कार्यालय:** द गैलेरिया, डीएलएफ मयुर विहार, युनिट नं. 236 एवं 237, 2रा तल, मयूर प्लेस, मयूर विहार फेज 1 एक्स्टें., दिल्ली-110091 कॉर्पोरेट कार्यालयः ब्लॉक सी, सेक्टर 45, गुड़गाँव-122003, हरियाणा

टेली. नं. (+91-11) 49482870, (+91-124) 4354400, फैक्सः (+91-11) 49482900, (+91-124) 4354500 ई-मेलः info@kamaholdings.com, वेबसाईटः www.kamaholdings.com

संपत्ति का कब्जा कर लिया है।

पोस्टल बैलॅट सूचना एतदुद्वारा सदस्य-गणों को सुचित किया जाता है कि कम्पनी (प्रबंध तथा प्रशासन) नियमावली, 2014 (''नियमावली''

यथा-संशोधित के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 (''अधिनियम'') की धारा 110 तथा लाग होने वाले अन्य प्रावधानों के अनुपालन में कामा होल्डिंग्स लिमिटेड (''कम्पनी'') इलेक्ट्रॉनिक मतदान द्वारा पोस्टल बैलॅट सुचना तिथि 12 मई, 2020 (''पोस्टल बैलॅट सुचना'') में निर्दिष्ट एक साधारण प्रस्ताव पारित करने के लिये अपने सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त कर रही है। नियमावली के साथ पठित अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के आधार पर तथा सामान्य सर्क्युलर नं. 14/2020 तिथि 8

अप्रैल, 2020 तथा 17/2020 तिथि 13 अप्रैल, 2020 (''एमसीए सर्क्युलर्स'') के माध्यम से ई-वोटिंग द्वारा साधारण सभाओं के आयोजनों/पोस्टल बैलॅट प्रक्रिया के संचालन के लिये कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (''एमसीए'') द्वारा निर्दिष्ट दिशा निर्देशों के अनुसार ई-वोटिंग से संबंधित निर्देशों के साथ पोस्टल बैलॅट सूचना केवल ई-मेल द्वारा ऐसे सभी सदस्यों को मंगलवार. 19 मई. 2020 को भेज दी गई है जिनके ई-मेल पते कम्पनी अथवा डिपॉजिटरीज/डिपॉजिटरी पार्टिसिपैन्ट्स अथवा रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेन्ट (''आरटीए'') केफिन्टेक टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड (''K Fin'') के पास पंजीकृत हैं तथा जिनके नाम शुक्रवार, 15 मई, 2020 (''कट-ऑफ तिथि'') को सदस्यों के रजिस्टर/लाभभोगी स्वामियों की सूची में शामिल हैं। सदस्यों से केवल रिमोट ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से अपनी सहमति अथवा असहमति की

यह पोस्टल बैलॅट सूचना कम्पनी की वेबसाईट www.kamaholdings.com तथा के फिन की ई-वोटिंग वेबसाईट

एमसीए सर्क्युलर्स के अनुसार तथा पोस्टल तथा कूरियर सेवाओं की अनुपलब्धता को देखते हुए पोस्टल बैलॅट सूचना, पोस्टल बैलॅट प्रपत्र तथा पूर्व-प्रदत्त व्यावसायिक जवाबी लिफाफे इस पोस्टल बैलॅट के लिये सदस्यों को नहीं भेजे गये हैं। जिन सदस्यों ने अपने ईमेल पते दर्ज नहीं कराये हैं एवं तदनुसार पोस्टल बैलॅट सूचना प्राप्त नहीं किये हैं, वे अस्थाई रूप से लिंक https://karisma.kfintech.com/emailreg पर जाकर कम्पनी के आरटीए, केफिन के पास अपना ईमेल पता पंजीकृत कराएं तथा नीचे दिये गये पंजीकरण प्रक्रिया का अनुसरण करें। वैकल्पिक रूप से इस प्रक्रिया को कम्पनी की वेबसाइट www.kamaholdings.com के निवेशक खंड के अंतर्गत लिंक पर जाकर पूरा किया जा

इलेक्टॉनिक फोलियो

(a) लिंक https://karisma.kfintech.com/emailreg देखें (b) कम्पनी के नाम अर्थात् कामा होल्डिंग्स लिमिटेड का चयन करें (c) शेयरधारक डीपीआईडी-सीएलआईडी/फोलियो नं. तथा पैन नं. प्रविष्ट करें  $(\mathbf{d})$  शेयरधारक ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नं. प्रविष्ट करें (e) सिस्टम क्लाइंट आईडी तथा पैन की प्रामाणिकता की जाँच करेगा और प्रमाणन के लिए मोबाइल तथा ई-मेल पर एक भिन्न भेजेगा।(f) प्रमाणन प्रक्रिया की पूर्णता के लिए शेयरधारक एसएमएस तथा ई-मेल द्वारा प्राप्त ओटीपी प्रविष्ट करेगा ( ओटीपी केवल 5 मिनट के लिए वैध होगा) (g) सिस्टम सर्विस्ड पोस्टल बैलट सूचना के सीमित उपयोग हेतु ई-मेल आईडी की पुष्टि करेगा। (h) सिस्टम शेयरधारक द्वारा प्रदत्त ई-मेल पर ई-वोटिंग

कागजी फोलियो:

(a) लिंक https://karisma.kfintech.com/emailreg देखें (b) कम्पनी के नाम अर्थात् कामा होल्डिंग्स लिमिटेड का चयन करें (c) शेयरधारक कागजी फोलियो नं. तथा पैन नं. प्रविष्ट करें (d) यदि रिकार्ड में पैन नं. उपलब्ध नहीं है तो शेयरधारक को कोई एक प्रमाण-पत्र संख्या प्रविष्ट करनी होगी।(e) शेयरधारक ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नं. प्रविष्ट करें (f) सिस्टम फोलियो सं. तथा पैन/प्रमाणपत्र सं. की प्रामाणिकता की जाँच करेगा और प्रमाणन के लिए मोबाइल तथा ई-मेल पर एक भिन्न ओटीपी भेजेगा। (g) प्रमाणन प्रक्रिया की पूर्णता के लिए शेयरधारक एसएमएस तथा ई-मेल द्वारा प्राप्त ओटीपी प्रविष्ट करेगा (ओटीपी केवल 5 मिनट के लिए वैध होगा) (h) यदि पैन उपलब्ध नहीं है तो सिटटम पैन की हस्ताक्षरित स्कैन्ड प्रति अपलोड करने के लिए सुचित करेगा। (i) सिस्टम ई-मेल आईडी के पंजीकरण की पृष्टि

डिपॉजिटरी के पास इलेक्ट्रॉनिक धारिता के संदर्भ में तथा उचित प्रक्रिया का अनुसरण कर कम्पनी के आरटीए, केफिन टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड, सेलेनियम, टावर) बी, प्लॉट 31 एवं 32, गाद्दी बाउली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानक रामगडा, हैदराबाद 500032, भारत के पास भौतिक धारिता के संदर्भ में अपना ई-मेल पता स्थाई रूप से पंजीकृत कराऐं। स्वच्छ तथा पारदर्शी प्रक्रिया में पोस्टल बैलट प्रक्रिया का संचालन करने के लिये श्री संजय अगरवाल, मै. एस. अगरवाल एंड एसोसिएटस के प्रॉप्राईटर, कार्यरत कम्पनी सचिव (एफसीएसः 6158/सीपी नं. 8989) को ''पर्यवेक्षक'' नियक्त किया गया है। उसके अंतर्गत निर्मित नियमों, भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015, यथा-संशोधित (''सूचीयन विनियमनों'') के विनियमन 44 के साथ पठित अधिनियम की धारा 108 तथा 110 के प्रावधानों के अनुपालन में तथा एमसीए सर्क्युलर्स के अनुसार कम्पनी ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से (''रिमोट ई-वोटिंग'') द्वारा अपना मतदान करने में सदस्यों को सक्षम बनाने के लिये रिमोट ई-वोटिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिये केफिन को एजेन्सी के रूप में नियुक्त किया है। सदस्यों के मताधिकार की गणना कट-ऑफ तिथि को की जायेगी। ऐसे व्यक्ति जो कट-ऑफ तिथि को सदस्य नहीं हैं, केवल जानकारी के लिये इस सूचना को देखें।

ई-वोटिंग की अवधि बुधवार, 20 मई, 2020 को 9.00 बजे पूर्वा. ( आईएसटी) में शुरू होगी तथा गुरुवार, 18 जुन, 2020 को 5.00 बजे अप. ( आईएसटी) में बंद होगी। उपरोक्त समय के बाद केफिन द्वारा ई-वोटिंग पद्धत्ति निष्क्रिय कर दी जायेगी। उसके बाद वोटिंग की अनुमति नहीं दी जायेगी। सदस्य द्वारा मतदान की एक बार पुष्टि कर देने के बाद उन्हें बाद में उसमें परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जायेगी।

प्रस्ताव, यदि वांछित बहमत से पारित होता है तो उसे ई–वोटिंग के लिये कम्पनी द्वारा निर्दिष्ट अंतिम तिथि अर्थात गरुवार, 18 जून, 2020 को पारित किया गया माना जायेगा।

तथा के फिन की ई-वोटिंग वेबसाईट अर्थात् https://evoting. karvy.com पर स्थापित किया जायेगा। साथ ही

साथ उसकी सूचना बीएसई लिमिटेड जहाँ कम्पनी के शेयर सूचीबद्ध हैं, को भी दी जायेगी तथा उसे लॉकडाउन हटाये

जाने के बाद कम्पनी की पंजीकृत कार्यालय तथा कॉर्पोरेट कार्यालय में भी प्रदर्शित किया जायेगा। किसी प्रकार के प्रश्न/समस्या/मांग के लिये सदस्यगण https://evoting. karvy.com के डाउनलोड खंड में उपलब्ध

कामा होल्डिंग्स लिमिटेड के लिये

पूर्ण-कालिक निदेशक, सीएफओ एवं कम्पनी सचिव

तिथि: 19 मई, 2020

स्थानः गुरुग्राम, हरियाणा

www.readwhere.com

हानि में रहे। दरसंचार कंपनियों के शेयर में सबसे फीसद की गिरावट दर्ज की गई।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेस में शोध प्रमुख

विज इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के मामले जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-68, स्वामी नग उत्तरी), नई दिल्ली-110017, भारत पर है रतद्वारा जनसामान्य को सुचित किया जाता है कि यह क्षेत्रीय नेदेशक, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष कम्पनी अधिनियम, 2013

करती है जिसमें कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय ''रा.रा.क्षे दिल्ली'' से ''हरियाणा राज्य'' में स्थानान्तरित करने के लिए 11.05.2020 को आयोजित असाधारण आम बैठक र पारित विशेष संकल्प के सन्दर्भ में कम्पनी के संगम ज्ञाप के उपबन्ध ।। में संशोधन की पष्टि की माँग की गयी है कम्पनी के पंजीकत कार्यालय के प्रस्तावित स्थानान्तरण यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता है तो वह व्यक्ति पोर्टल (www.mca.gov.in) में आपत्ति दर्ज कर सकत है या एक शपथ पत्र जिसमें उनके हित का प्रकार औ उसके विरोध कारण उल्लिखित हो, के साथ अपनी आपत्ति प्रादेशिक निदेशक को इस सचना के प्रकाशन की तारीख र 14 दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी-2, विंग दसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, न दिल्ली-110003 पते पर पंजीकृत डाक द्वारा भेज सकते हैं

नर्ड दिल्ली-110017 याचिकाकर्ता के लिए तथा उनकी तिथि : 16.05.2020 बिमल कुमार विज स्थान : नई दिल्ली

या सुपुर्द कर सकते हैं और इसकी एक प्रति आवेदक

कम्पनी को उनके पंजीकृत कार्यालय के उपर्युक्त पते प

पंजीकृत कार्यालय : बी-68, स्वामी नगर (उत्तरी)

संपत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय मांग सचना की तिथि उस पर ब्याज तथा दंड ब्याज, चार्जेज, लागत आदि के साथ नीचे वर्णित राशि के लिये टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लिमिटेड के चार्ज के अधीन होगा। उत्तराधिकारियों/ सांविधिक तिथि परिसम्पत्तियों/अचल मांग सचना प्रतिनिधियों का नाम सम्पत्तियों का विवरण 19 मई, 2020 ट्रान्स्पोर्ट 1. श्री सदीप रंजन गोयल, बी-24 आजादपुर, नई दिल्ली-पंचशील एन्क्लेव, मस्जिद मोड, 7876564.04 110033 में स्थित नई दिल्ली-110017 सम्पत्ति प्लॉट नं. 37, 2. श्रीमती रुचि गोयल, बी-24 अठहत्तर लार पंचशील एन्क्लेव, मस्जिद मोड. एरिया माप 87.6 वर्ग छियत्तर हजा नई दिल्ली-110017 पाँच सौ चौंस मी. की सम्पत्ति। चौहद्दीः 3. मै. प्लाजा कम्प्यूटर्स, एवं पैसे चार पर्वः प्लॉट नं. 35 उसके प्रॉप्राईटर श्री सुदीप रंजन मात्र) एवं गोयल, बी-24, पंचशील एन्क्लेव, तिथिः 26 पश्चिमः प्लॉट नं. 38 उत्तरः सर्विस लेन मस्जिद मोड, नई दिल्ली-110017 फरवरी, 2020

सेन्टर, आजादपुर, दिल्ली 110033 तिथि: 20.5.2020 प्राधिकृत अधिकारी टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस स्थानः दिल्ली लिमिटेड के लिये

श्रीमती कान्ता गोयल, पत्नी स्व

श्री कमलजीत गोयल. बी-24

पंचशील एन्क्लेव, मस्जिद मोड

साथ ही: प्लॉट नं. 37, ट्रान्स्पोत

नई दिल्ली-110017

कामा होल्डिंग्स लिमिटेड (CIN: L92199DL2000PLC104779)

डीआईएन : 0126821

सचना देना अपेक्षित है।

https://evoting. karvy.com पर भी उपलब्ध है।

सकता है।

की सचना तथा प्रक्रिया भेज देगा।

करेगा। (j) सिस्टम शेयरधारक द्वारा दिये गये 'ई-मेल' पर ई-वोटिंग के लिये सूचना एवं प्रक्रिया भेजेगा।

ई–मेल पते के सफल पंजीकरण के उपरांत सदस्यों से अनुरोध है कि संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपैन्ट्स के माध्यम से

पोस्टल बैलॅट परिणाम की घोषणा अधिकतम् शुक्रवार, 19 जून, 2020 को कम्पनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में की जायेगी। पर्यवेक्षक के रिपोर्ट के साथ पोस्टल बैलॅट परिणाम को कम्पनी की वेबसाईट अर्थातु www.kamaholdings.com

i) रिमोट ई-वोटिंग यूजर मैन्युअल अथवा ii) हेल्प एवं Frequently asked Questions (FAQ's) देखें अथवा श्री बी.वी. किशोर, उप-प्रबंधक-कॉर्पोरेट रजिस्टरी, केफिन टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड, सेलेनियम, टावर बी, प्लॉट 31 एवं 32, गाद्दीवाउली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानक रामगुडा, हैदराबाद 500032, भारत से ई-मेलः einward.ris@kfintech.com; 1800-3454-001 (टोल फ्री) पर सम्पर्क करें अथवा investors@kamaholdings.com पर कम्पनी सचिव को लिखें।

एकता माहेश्वरी

**DIN:0207143** 

पोस्टल बैलॅट तथा ई-वोटिंग द्वारा मतदान बुधवार, 20 मई, 2020 को 9.00 बजे पूर्वा आईएसटी मे शुरू होगी तथा गुरुवार, 18 जून, 2020 को 5.00 बजे अप. (आईएसटी) में बंद होगी।

माना जायेगा तथा उक्त तिथि एवं समय के बाद पोस्टल बैलॅट अथवा ई-वोटिंग द्वारा मतदान क

पर्यवेक्षक के रिपोर्ट के साथ पोस्टल बैलॅट (रिमोट ई-वोटिंग सहित) के परिणाम की घोषणा कम्पनी वे प्रबंध निदेशक अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शुक्रवार, 19 जुन, 2020 को 5.00 बजे अप. में पंजीकृत कार्यालय में की जायेगी तथा उसे स्टॉक एक्सचैंजों, डिपॉजिटरीज तथा रजिस्ट्रा पोस्टल बैलॅट/रिमोट ई-वोटिंग से संबंधित किसी भी प्रश्नों अथवा जिज्ञासाओं के लिये सदस्यों र अनुरोध है कि श्री विजय प्रताप सिंह, अलंकित एसाइन्मेन्टस लिमिटेड, 4ई/2, अलंकित हाउस

कब्जा सूचना

गौरव अग्रवाल

कम्पनी सचिव

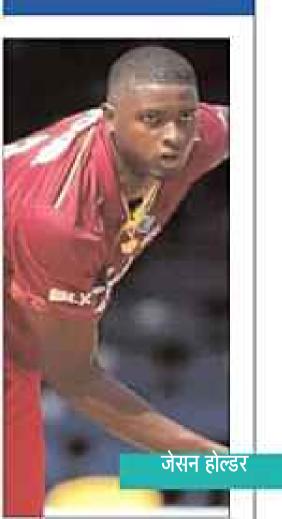
( अचल) सम्पत्तियों के लिए) वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभृतिकरण एवं प्रवर्तन के तहत तथा प्रतिभृति हित

कारण एतद्वारा कर्जदारों, बंधककर्ताओं तथा जमानतियों को तथा जनसामान्य को सुचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभृति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 एवं

विशेष रूप से कर्जदारों, बंधककर्ताओं तथा जमानतियों को एवं जनसामान्य को एतद्वारा लिमिटेड, फरीदाबाद शाखा के प्रभार का विषय होगा।

कर्णाटका बैंक लि. के लिये मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी

### खबर कोना



वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने कहा है कि वह कोरोना महामारी के बीच अपने खिलाडियो को इंग्लैंड के दौरे पर जाने के लिए बाध्य नहीं करेंगे

#### खिलाड़ियों को इंग्लैंड दौरे के लिए बाध्य नहीं करेंगे : होल्डर

लंदन, 19 मई (भाषा)।

वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने कहा है कि वह कोविड–19 महामारी के बीच अपने खिलाडियो को तीन टैस्ट मैचों के इंग्लैंड के दौरे पर जाने के लिए बाध्य नहीं करेंगे। वेस्टइंडीज को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चार जून से इंग्लैंड में टैस्ट शृंखला खेली थी लेकिन इसे को स्थागित करना पड़ा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि वे जुलाई में इसे आयोजित करके अपना सत्र शुरू कर सकते हैं। होल्डर ने कहा, 'कोई भी कदम उठाते हुए प्रत्येक खिलाड़ी को सहज होना चाहिए। स्पष्ट कर दिया गया है कि अगर हमें इंग्लैंड में खेलने जाना है तो ऐसा करना सुरक्षित होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मेरे नजरिए से देखा जाए तो निश्चित तौर पर मैं किसी को भी

#### उमर अकमल ने प्रतिबंध के खिलाफ याचिका दायर की

जाने के लिए बाध्य नहीं करूंगा।'

कराची, 19 मई (भाषा)।

पाकिस्तानी बल्लेबाज उमर अकमल ने भ्रष्टाचार के मामले में तीन साल की सजा के खिलाफ मंगलवार को याचिका दायर की। उमर को मैच फिक्सिंग के लिए संपर्क किए जाने के बाद बोर्ड को इसकी जानकारी नहीं देने का दोषी पाया गया था। एक वेबसाइट के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस मामले की सुनवाई के लिए एक स्वतंत्र समिति नियुक्त करेगा। अकमल ने प्रधानमंत्री के संसदीय मामलों के सलाहकार, बाबर अवन की कानून कंपनी को अपना पैरोकार बनाया है।

#### बेटी के पिता बने महान फरार्टा धावक बोल्ट

किंगस्टन, १९ मई (एएफपी)।

जमैका के महान फरार्टा धावक उसेन बोल्ट पहली बार पिता बन गए हैं। उनकी पार्टनर केसी बेनेट ने बेटी को जन्म दिया है। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने सोशल मीडिया पर बोल्ट को बेटी के जन्म के लिए बधाई दी। होलनेस ने द्विटर पर लिखा, 'हमारे महान फरार्टा धावक उसेन बोल्ट और केसी बेनेट को बेटी के जन्म पर बधाई।' स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार इस जोड़े की बेटी का जन्म रविवार को हुआ। इसके अलावा अन्य जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। तैंतीस साल के बोल्ट ने मार्च में सोशल मीडिया पर खुलासा किया था कि बेनेट बेटी को जन्म देने वाली हैं। ओलंपिक में आट स्वर्ण जीतने वाले बोल्ट ने 2017 में एथेलेटिक्स से संन्यास ले लिया था।

#### पाबंदियों के साथ खेल

# निलंबन के बाद दोबारा शुरू हुई लीग का पहला दौरा पूरा

# लेवरक्यूसेन ने ब्रेमेन को हराया

ब्रेमेन (जर्मनी), 19 मई (एपी) ।

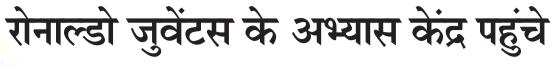
बायर्न लेवरक्युसेन ने बुंदेसलीग फुटबॉल लीग में सोमवार को वर्डर ब्रेमेन को 4-1 से हराया जिसके साथ कोरोना वायरस के कारण निलंबन के बाद दोबारा शुरू हुई लीग का पहला दौरा पूरा हुआ।

दों महीने के निलंबन के बाद दोबारा शुरू लीग ने तीन दिन में एक दौर के मैच पूरे किए।

वर्डर के खाली स्टेडियम में गोल करने के बाद लेवरक्युसेन के कुछ खिलाड़ी समूह में एकत्रित हो गए जबिक लीग ने न्यूनतम शारीरिक संपर्क के लिए कड़े दिशानिर्देश जारी किए हैं।

पहले तीन गोल सिर्फ पांच मिनट के भीतर हुए। केई हावर्ज़ ने 28वे मिनट में हेडर से गोल दागकर लेवरक्यूसेन को बढ़त दिलाई लेकिन वर्डर ने थियोडोर गेबरे के गोल से बराबरी हासिल कर ली।

हावटुर्ज ने इसके बाद फ्री किक पर हेडर से एक और गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 से आगे किया। दूसरे हाफ में मिशेल वाइसर और केरेम डेमेरबे ने एक-एक गोल और दागकर लेवरक्यूसेन की 4-1 से जीत सुनिश्चित की।



मिलान, 19 मई (एपी)।

करिश्माई फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 10 सप्ताह के अंतराल के बाद इटली के सिरि ए क्लब जुवेंटस के अभ्यास

सिरी ए 14 जून से

पहले शुरू नहीं होगी

सिरी ए सहित उसकी सभी प्रतियोगिताएं 14 जून तक

निलंबित रहेंगी। सिरी एक को 13 जुन को वापसी की उम्मीद

थी लेकिन एफआइजीसी ने सरकार के दिशानिदेशों का

पालन करते हुए लीग को दोबारा शुरू करने की तारीख को

आगे खिसका दिया है। सरकार ने सभी खेल प्रतियोगिताओं

को अगले महीने तक निलंबित रखने के निर्देश दिए हैं।

एफआईजीसी ने कहा कि सरकार के फैसलों को ध्यान में

रखते हुए आगे भी फैसले किए जाएंगे। इस तरह महासंघ ने

सुझाव दिया कि 13 जून को लीग को दोबारा शुरू करने की

केन्द्र पहुंचे। यहां उनकी चिकित्सा जांच हुई।

कोविंड-19 महामारी के कारण पूर्तगाल स्थित अपने घर टीम के गृह-शहर तूरिन पहुंने के बाद वह दो सप्ताह तक पृथकवास में रहे। रोनाल्डो ने लीग में अपना पिछला मुकाबला आठ मार्च को खेला था। इस मैच में उनके गोल की मदद से टीम ने इंटर मिलान को 2-0 से हराया था।

### एक साल तक जारी रह सकती हैं पाबंदियां

मैनचेस्टर, 19 मई (एपी)।

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) को सरकारी विशेषज्ञों ने कहा है कि कोरोना वायरस से जुड़ी पाबंदियां इंग्लिश फुटबॉल में कम से कम एक साल तक जारी रह सकती हैं जबकि खिलाडियों को मंगलवार से एक दूसरे के संपर्क में आए बिना ट्रेनिंग करने की स्वीकृति होगी।

इंग्लैंड की शीर्ष स्तर की फुटबॉल लीग अध्ययन कर रही है कि कैसे पिछले सप्ताहांत जर्मनी की बुंदेसलीगा अपनी लीग शुरू करने में सफल रही। 12 जून को लीग शुरू करने के उसके लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं होगा।

### चैरिटी के लिए मैड्रिड, बायर्न और इंटर मिलान खेलेंगे मैच

मैड्रिड, 19 मई (एपी)।

रीयाल मैड्रिड, बायर्न म्यूनिख और इंटर मिलान इटली और स्पेन में चिकित्सा सुविधाओं के लिए पैसा जुटाने के इरादे से अगले साल मैत्री फुटबॉल मैचों की शृंखला तीन राउंड रोबिन मैचों को

यरोपियन सोलिडेरिटी कप नाम दिया गया है और कोरोना वायरस महामारी से लड़ रहे हजारों चिकित्साकर्मियों और सहयोगियों को इन मैचों के टिकट मिलेंगे। वर्ष 2021 का कार्यक्रम तैयार

होने और प्रशंसकों को स्टेडियम में मैच देखने जाने की स्वीकृति मिलने पर इन मैचों की तारीखों की घोषणा की जाएगी।

थ्रोडाउन विशेषज्ञ पर बोले भारतीय कप्तान कोहली

रघु के कारण तेज गेंदबाजी के खिलाफ बेहतर हुए

21 की उम्र में पहली बार दवाइया ली: आर्मस्ट्रांग

पेरिस, 19 मई (एएफपी)।

अमेरिका के पूर्व साइकिलिस्ट लांस आर्मस्ट्रांग ने खुलासा किया है कि पेशेवर के

रूप में अपने पहले सत्र के दौरान उन्होंने 21 साल की उम्र से शक्तिवर्धक दवाईयों का सेवन शुरू कर

दिया था। आर्मस्ट्रांग से जब पूछा गया कि तब उनकी उम्र कितने साल की थी जब पहली बार उन्होंने शक्तिवर्धक दवाईयों का सेवन किया था,

बार 2013 में स्वीकार किया था कि उन्होंने 1996 से डोपिंग शुरू की थी।

खुलासा

451

*आर्मस्टांग* ने पहली

उन्होंने कहा, 'वाह। सीधे मुद्दे पर ही आते हैं, शायद 21 साल।

ईएसपीएन के वृत्तचित्र में वह अमेरिका की पत्रकार से बात कर रहे हैं। इसका 90 सेकेंड का ट्रेलर सोमवार को जारी किया। आर्मस्ट्रांग अब 48 साल के हैं। उन्होंने पहली बार 2013 में स्वीकार किया था कि उन्होंने 1996 से डोपिंग शुरू की थी। उन्होंने 1999 से 2005 तक लगातार सात साल टूर डि फ्रांस का खिताब जीता था। बाद में हालांकि उनसे ये खिताब छीन लिए गए।

# ओलंपिक क्वालीफाइंग टुर्नामेंटों की तारीख तय करने को कहा

मिलान, १९ मई (एएफपी)।

उम्मीद बनी रह सकती है।

लुसाने, 19 मई (भाषा)।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने सभी अंतरराष्ट्रीय महासंघों से तोक्यो ओलंपिक के क्वालीफायर टुर्नामेंटों की तारीखों को अंतिम रूप देने और महामारी के बीच टनामैंटों को रद्द करने सहित सभी तरह की संभावनाओं के लिए आपात योजना मसौदा बनाने में मदद करने को कहा है।

पिछले महीने आइओसी ने तोक्यो ओलंपिक के क्वालीफिकेशन समय के लिए 29 जून 2021 की समय सीमा तय की थी। आइओसी ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय महासंघों के कैलेंडर में अनिश्चितता को देखते हुए कुछ प्रतियोगिताओं की तारीखों और स्थान पर अब भी फैसला किया जाना बाकी है, हम आपको पूर्व में ही धन्यवाद देते हैं कि आप प्रतियोगिताओं की तारीख और स्थल की पृष्टि होने

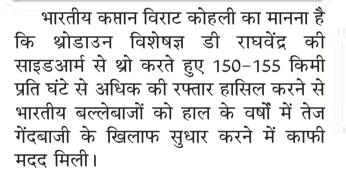
#### 'योजना तैयार हो'

आइओसी ने कहा, 'हम चाहते हैं कि जुलाई तक यह योजना तैयार हो जाए और फिर वैश्विक स्थिति के आधार पर हम आपके साथ चर्चा करेंगे कि इन्हें लागू करना जरूरी है या नहीं '

पर हमें सूचित करेंगे जिससे कि इन्हें जल्द से जल्द क्वालीफिकेशन प्रणाली में शामिल किया जा सके।' आइओसी ने कहा, 'आइओसी के खेल

संचालन मैनेजर आपके साथ मिलकर आपात योजना पर काम करना जारी रखेंगे जिससे कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रतियोगिताओं के नहीं होने की स्थिति में इसे लागु किया जा सके।'

#### नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)



साइडआर्म एक क्रिकेट उपकरण है जो लंबे चम्मच की तरह होता है और इसके एक हिस्से को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि इससे गेंद को पकड़ा जाए और तेज गति से फेंका जाए।

कोहली ने बांग्लादेश के स्टार बल्लेबाज तमीम इकबाल से इंस्टाग्राम लाइव सत्र के दौरान



बातचीत के दौरान कहा, 'मेरा मानना है कि भारतीय टीम ने 2013 से तेज गेंदबाजी का सामना करते हए जो सुधार दिखाया है वह रघु के कारण है।'

सुधार का श्रेय

कहा, 'मेरा मानना है कि इस भारतीय टीम ने 2013 से तेज गेंदबाजी का सामना करते हुए जो सुधार दिखाया है वह रघु के कारण है।' उन्होंने कहा, 'खिलाडियों के फुटवर्क, बल्ले

की मूवमेंट को लेकर उसे अच्छी समझ है। उसने अपने कौशल में इतना इजाफा किया है कि साइडआर्म के साथ आसानी से 155 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंक सकता है।' कोहली ने कहा, 'नेट पर रघु का सामना

करने के बाद जब आप मैच में जाते हो तो आपको महसुस होता है कि गेंद खेलने के लिए आपके पास काफी समय है।'

### *इंग्लैंड* के ऑफ-स्पिनर डॉम बेस का मानना है कि शारीरिक फिटनेस बनाए रखने से उन्हें लॉकडाउन के कारण होने वाली चिंता से निपटने में मदद मिली है। तस्वीर पूर्व में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक मैच की है। तनाव से मुक्ति

# यूएसजीए ने अमेरिकी ओपन का क्वालीफाइंग दौर रद्द किया

न्यूयॉर्क, १९ मई (एएफपी)।

अमेरिका गोल्फ संघ (यूएसजीए) सितंबर में न्यूयॉर्क में होने वाले अमेरिकी ओपन के क्वालीफाइंग दौर को रह कर रहा है। इस चैंपियनशिप का आयोजन न्यूयॉर्क के मेमरोनेक के विंग्ड फुट में 18 से 21 जुन तक होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कैलेंडर में आमुलचुल बदलाव के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। अमेरिकी ओपन का आयोजन 17 से 20 सितंबर तक किया जाना है

लेकिन यूएसजीए ने कहा है कि इसके स्थानीय, क्षेत्रीय और अंतिम क्वालीफाइंग दौर नहीं होंगे। यूएसजीए के चैंपियनशिप के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक जॉन बोडेनहेमर ने कहाँ, 'जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, यह बेहद मुश्किल फैसला है क्योंकि यूएसजीए चैंपियनशिप का क्वालीफाइंग दौर करीब है।'

संचालन संस्था ने कहा कि अमेरिकी ओपन और अमेरिकी महिला ओपन में खिलाड़ियों को टूनार्मेंट में छूट के जरिए जगह दी जाएगी और छूट के वर्गों से संबंधित सूचना आगामी हफ्तों में दी जाएगी।

# मयंक अग्रवाल ने कहा, द्रविड़ की बातों ने बल दिया

बंगलुरू, 19 मई (भाषा)।

लंबे समय तक इंतजार के बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले मयंक अग्रवाल ने कहा कि महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ की प्रेरणास्पद बातों ने नकारात्मक विचारों को प्रेरणास्पद

उनके जेहन में फटकने भी नहीं दिया। संजय मांजरेकर को एक वीडियोकास्ट में मयंक ने कहा, 'मैं रन बना रहा था। रणजी सत्र और भारत ए के लिए भी काफी रन बनाए थे। मैने राहुल भाई से बात की। मैने बताया कि टीम में

नहीं चुने जाने से निराश हो रहा हूं।' मयंक ने कहा, 'मुझे अच्छे से याद है कि उन्होंने कहा था कि मयंक ये चीजें तुम्हारे हाथ में नहीं है। तुमने मेहनत की और यहाँ तक पहुंचे। चयन तम्हारे हाथ में नहीं है। मैं परी तरह से उनसे सहमत हं। ये बातें सैद्धांतिक रूप से

समझ में तो आती हैं लेकिन व्यवहारिक तौर

*मयंक* ने कहा, 'मुझे अभी भी उनकी बात याद है जो मेरे लिए प्रेरणा बनी।'

पर इन्हें समझना मुश्किल होता है।' मयंक ने कहा, 'उन्होंने कहा था कि आने वाला समय पिछले से अलग नहीं होगा। अगर नकारात्मक सोच के साथ खेलोगे तो नुकसान तुम्हारा ही होगा। मुझे अभी भी उनकी बात याद है जो मेरे लिए प्रेरणा बनी।'

मार्च से ही भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में हैं महिला और पुरूष हॉकी टीमें तकनीक से दो-चार टीम बैठक या कॉन्फ्रेंस में गूगल मीट या जूम का इस्तेमाल आम

# पूर्णबंदी के दौरान तकनीकों से रूबरू हुए हॉकी खिलाड़ी

बंगलुरू, 19 मई (भाषा)।

भारतीय महिला और पुरूष हॉकी टीमें सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कई नई तकनीकें सीख गई हैं जिनकी जरूरत उन्हें कोरोना लॉकडाउन के दौरान इंडोर अभ्यास में पड रही है। दोनों टीमें यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में है चूंकि मार्च से ही देशव्यापी लॉकडाउन के कारण खेल बंद है।

कोचिंग स्टाफ भी इसी केंद्र पर है लेकिन सामाजिक दुरी के नियमों के कारण टीमें विभिन्न ऐप का इस्तेमाल करके अपना काम उस पर जमा कर रही हैं।

महिला टीम की उपकप्तान सविता ने कहा, 'इससे पहले इन ऐप का इस्तेमाल सप्ताह की गतिविधियां तय करने के लिए कोचिंग स्टाफ ही करता था जो बाद में हमसे साझा की जाती थी।

उन्होंने कहा, 'लॉकडाउन के दौरान साइ केंद्र पर सलाहकार से वीडियो कॉल पर इस पर चर्चा की जाती है।' सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए हम सभी गूगल डाक्स और गूगल फार्म्स का इस्तेमाल अपना काम और डेटा



जमा करने के लिये कर रहे हैं।'

महिला टीम की उपकप्तान सविता ने कहा, 'लॉकडाउन के दौरान साइ केंद्र पर सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए हम सभी गूगल डाक्स और गूगल फार्म्स का इस्तेमाल अपना काम और डेटा

जमा करने के लिए कर रहे हैं।'

हरमनप्रीत सिंह हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'हमारा सहयोगी स्टाफ इसी

परिसर में है लेकिन हम व्यक्तिगत बैठकों के लिए जूम

कॉल का इस्तेमाल करते हैं जिनमें आहार, मैच विश्लेषण

उन्होंने कहा, 'इसके अलावा गूगल मीट पर टीम बैठकें

वगैरह पर बात की जाती है।'

'आहार, मैच विश्लेषण पर बात की जाती है'



पुरूष टीम के उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'हमारा सहयोगी स्टाफ इसी परिसर में है लेकिन हम व्यक्तिगत बैठकों के लिए जूम कॉल का इस्तेमाल करते हैं जिनमें आहार, मैच विश्लेषण वगैरह पर बात की जाती है।'

होती है। हमने यह सब लॉकडाउन में ही सीखा है। इससे हम परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के भी संपर्क में रह सकते हैं।' टीम अभ्यास की बहाली के लिए खेल मंत्रालय और साइ से मानक संचालन प्रक्रिया और आगे के दिशा निदेशों का इंतजार कर रही है।

रिजस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 184 *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।

दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज\*,** \*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमित लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, 'इसके बाद मुख्य कोच या वैज्ञानिक

अब टीम बैठकों और टीम कांफ्रेंस में गूगल मीट या जूम

का इस्तेमाल आम हो गया है। पुरूष टीम के उपकप्तान